नई दिल्ली | रविवार , 25 जनवरी, 2026
माघ शुल पक्ष सप्तमी, कालयुत संवत्सर विक्रम संवत 2082,
वर्ष :12, अंक :22 | मूल्य 3.00 रुपए | पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल ईशान किशन के पास बड़ा..
@ विचार डिसनायके सरकार का एक वर्ष...
@ व्यापार अमेरिका-ग्रीनलैंड विवाद से निवेशक...

पीएम मोदी ने 61 हजार से अधिक युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र, कहा- ये विकसित भारत की तरफ एक कमिटमेंट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 18वें रोजगार मेले के अवसर पर विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नव नियुक्त 61 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि साल 2026 का आरंभ उनके जीवन में नई खुशियों और नई शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बसंत कल ही आया है, तो आपके जीवन में भी नए बसंत का आगमन हो रहा है। ये समय आपको संविधान के प्रति अपने दायित्वों से भी जोड़ रहा है। संयोग से इस समय देश में गणतंत्र का महापर्व चल रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि 61 हजार से ज्यादा युवा अपनी जिंदगी में एक नया चैप्टर शुरू कर रहे हैं। आज आपको सरकारी अपॉइंटमेंट लेटर मिले हैं, जो राष्ट्र निर्माण में हिस्सा लेने का न्योता है। ये लेटर एक वादा हैं, एक विकसित और समृद्ध भारत बनाने की तरफ एक कमिटमेंट हैं। आज भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। हमारी सरकार लगातार युवाओं के लिए नए मौके बनाने की कोशिश कर रही है। भारत सरकार अभी कई ट्रेड और मोबिलिटी एग्रीमेंट कर रही है, जिनसे उम्मीद है कि देश भर के युवाओं के लिए बहुत सारे नए मौके खुलेंगे। आज के इस महत्वपूर्ण दिन देश के 61 हजार से अधिक नौजवान जीवन की नई शुरुआत कर रहे हैं। आज आप सभी को सरकारी सेवाओं के नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। ये एक तरह से नेशन बिल्डिंग का निमंत्रण पत्र है। यह विकसित भारत के निर्माण को गति देने का संकल्प पत्र है।

उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में रोजगार मेला एक संस्था बन गया है। इसके जरिए लाखों युवाओं को सरकार के अलग-अलग विभागों में नियुक्ति पत्र मिल चुके हैं। आज भारत, दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। हमारी सरकार का निरंतर प्रयास है कि भारत की युवाशक्ति के लिए देश-दुनिया में नए-नए अवसर बनें। आज भारत सरकार, अनेक देशों से व्यापार और गतिशीलता समझौता कर रही है। ये व्यापार अनुबंध भारत के युवाओं के लिए अनेकों नए अवसर लेकर आ रहे हैं। डिजिटल मीडिया... ऐसे अनेक क्षेत्रों में भारत एक ग्लोबल हब बनता जा रहा है। भारत की क्रिएटर इकोनॉमी बहुत तेज गति से बढ़ रही है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत का बढ़ता ग्लोबल कॉन्फिडेंस उसके युवाओं के लिए नए मौके खोल रहा है। यह दुनिया की एकमात्र ऐसी इकॉनमी है जिसने एक दशक में अपनी जीडीपी को दोगुना किया है। आज, 100 से ज्यादा देश फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) के जरिए भारत में निवेश कर रहे हैं। 2014 से पहले के दशक की तुलना में एफडीआई का फ्लो 2.5 गुना से ज्यादा बढ़ गया है। विदेशी निवेश में इस बढ़ोतरी से युवाओं के लिए रोजगार के अनगिनत मौके बन रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर चल पड़ा है। इसका उद्देश्य, देश में जीवन और कारोबार, दोनों को आसान बनाने का है। आज के इस आयोजन में 8 हजार से ज्यादा बेटियों को भी नियुक्ति पत्र मिले हैं। बीते 11 वर्षों में देश के वर्कफोर्स में, वीमेन पार्टिसिपेशन में करीब करीब दोगुनी बढ़ोतरी हुई है। भारत तेजी से एक बड़ी मैन्युफैक्चरिंग पावरहाउस के रूप में उभर रहा है। कई सेक्टर प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट दोनों में अभूतपूर्व ग्रोथ देख रहे हैं। 2014 से, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग छह गुना बढ़ गई है, जिससे यह आज 11 लाख करोड़ से ज्यादा का सेक्टर बन गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट भी 4 लाख करोड़ से ज्यादा हो गया है। ऑटोमोटिव इंडस्ट्री इसका एक और उदाहरण है, जो देश में सबसे तेज़ी से बढ़ते सेक्टरों में से एक के रूप में सामने आया है।

'कनाडा को एक साल में ही निगल जाएगा चीन', बोर्ड ऑफ पीस से निकालने के बाद ट्रंप ने दी चेतावनी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अक्सर अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में बने रहते हैं। ताजा बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कनाडा को चेतावनी दी कि अगर वह चीन के करीब गया, तो वह उसे निगल जाएगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि अगर ओटावा वाशिंगटन के साथ सहयोग करने से मना करता है, तो चीन कनाडा को निगल जाएगा। ट्रूथ सोशल पर ट्रंप ने कहा कि कनाडा उनके प्लान किए गए गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम का विरोध करता है, जो इजरायल के आयरन डोम से प्रेरित है। ट्रंप ने लिखा, 'कनाडा ग्रीनलैंड के ऊपर बनने वाले गोल्डन डोम के खिलाफ है, भले ही गोल्डन डोम कनाडा को प्रोटेक्ट करेगा। इसके बजाय, कनाडा ने चीन के साथ व्यापार करने के समर्थन में वोट दिया, जो एक साल में ही उन्हें खा जाएगा!

राष्ट्रपति ने कहा कि वह चाहते हैं कि गोल्डन डोम ग्रीनलैंड को कवर करे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने तर्क दिया कि आर्कटिक क्षेत्र पर नियंत्रण से अमेरिका को रूस और चीन के प्रभाव का मुकाबला करने में मदद मिलेगी।

इस हफ्ते की शुरुआत में दावोस में ट्रंप ने कहा कि कनाडा को अपने बचाव के लिए अमेरिका का शुक्रगुजार होना चाहिए। कनाडा यूएस की वजह से जीता है।

हालांकि, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस बात से साफ इनकार किया कि उनके देश की सफलता का श्रेय उनके दक्षिणी पड़ोसी देश यूएस को जाता है। पीएम कार्नी ने कहा कि अमेरिकी दबदबे पर बना वर्ल्ड ऑर्डर टूटने की कगार पर है। पीएम कार्नी ने कहा, 'कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक शानदार साझेदारी बनाई है। अर्थव्यवस्था में, सुरक्षा में और समृद्ध सांस्कृतिक आदान-प्रदान में, लेकिन कनाडा अमेरिका की वजह से जिंदा नहीं है। कनाडा इसलिए आगे बढ़ रहा है क्योंकि हम कनाडाई हैं।

इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने कार्नी की बातों का जवाब देते हुए उन्हें अपने बोर्ड ऑफ पीस से निकाल दिया।

विश्व में शांति स्थापित करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस की शुरुआत की है। इसमें शामिल होने के लिए ट्रंप ने दुनिया के लगभग 60 देशों को न्योता भेजा। इजरायली मीडिया के अनुसार, 60 में से दुनिया के 25 देशों ने ट्रंप के न्यौते को स्वीकार कर लिया है। बोर्ड ऑफ पीस में अब तक इजरायल, बहरीन, मोरक्को, अर्जेंटीना, आर्मेनिया, अजरबैजान, बुल्गारिया, हंगरी, इंडोनेशिया, जॉर्डन, कजाकिस्तान, कोसोवो, पाकिस्तान, पराग्वे, कतर, सऊदी अरब, तुर्किए, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, बेलारूस, मिस्र, वियतनाम और मंगोलिया शामिल हुए।

सड़क हादसों को रोकने के लिए नियमों का पालन जरूरी: सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को सड़क सुरक्षा को लेकर लोगों से खास अपील की। उन्होंने कहा कि इस समय पूरे देश में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है और इसका मकसद लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है। सरकार और पुलिस मिलकर ऐसे इसलिए अभियान चला रही हैं ताकि सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके और लोगों की जान बचाई जा सके। सीएम विष्णुदेव साय ने बताया कि कुछ दिन पहले रायपुर के शांति सरोवर में एक बड़ा आयोजन हुआ था। इस कार्यक्रम में रायपुर पुलिस की एक अभिनव पहल 'पुलिस मितान' के तहत करीब 4500 मितानों को तैयार किया गया। ये मितान सड़क दुर्घटना होने की स्थिति में तुरंत मौके पर पहुंचकर घायल लोगों की मदद करेंगे और समय रहते उनकी जान बचाने का काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्घटना के बाद के शुरुआती कुछ मिनट बहुत अहम होते हैं और अगर सही समय पर मदद मिल जाए तो कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि आज ऐसे सभी लोगों को सम्मानित किया गया जिन्होंने एक्सीडेंट के दौरान साहस दिखाते हुए दूसरों की जान बचाई। इसके अलावा, यूनिस और एस्कॉर्ट गाइड के क्षेत्र में अच्छा काम करने वालों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

भारत के साथ नहीं हुई कोई डील, बीएनपी ने जमात पर राजनीतिक बदनामी करने का लगाया आरोप

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बांग्लादेश में चुनावी प्रचार-प्रसार के बीच बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शनिवार को जमात-ए-इस्लामी के नायब-ए-अमीर सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर के भारत के साथ कथित समझौतों के आरोप को खारिज कर दिया और इसे बिना किसी तथ्य के पॉलिटिकल बदनामी बताया।

बीएनपी की चुनाव स्टीयरिंग कमेटी के प्रवक्ता महदी अमीन ने कहा, 'एक राजनीतिक दल के बहुत असरदार नेता ने मीडिया का हवाला देते हुए भारत के साथ बीएनपी की डील के बारे में दावा किया है, लेकिन वह अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं कर सके, और न ही कर पाएंगे।

बीएनपी चेयरमैन के गुलशन ऑफिस में एक प्रेस ब्रीफिंग में बोलते हुए, कमेटी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर की बातें राजनीतिक बदनामी के लिए और गलत तरीके से पेश की जा रही हैं, जिसका मकसद चुनाव के दौरान कन्फ्यूजन पैदा करना है।

महदी ने कहा, 'उनका दावा है कि यह जानकारी मीडिया से आई है, और इसका कोई आधार नहीं है। इसमें जरा भी सच्चाई नहीं है। इसलिए, यह विवाद पैदा करने का एक राजनीतिक तरीका, बदनामी का कैंपेन लगता है।

उन्होंने कहा कि अगर जमात के नेता को गलत जानकारी दी गई या कन्फ्यूजन फैलाने के लिए इस्तेमाल किया गया, तो यह उनकी नासमझी को दिखाता है। हमारा मानना ??है कि यह या तो एक टैक्टिक है या नासमझी। हम साफ तौर पर कहना चाहते हैं कि बीएनपी का भारत के साथ कोई समझौता होने के दावे पूरी तरह से झूठ और प्रोपेगैंडा हैं।

बता दें, सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर ने बीएनपी चेयरमैन तारिक रहमान का जिक्र करते हुए दावा किया था कि पार्टी ने भारत के साथ 'तीन समझौते' किए हैं। इसे लेकर कमेटी प्रवक्ता महदी ने कहा कि बीएनपी चुनावों से पहले नेगेटिव प्रोपेगैंडा, बदनाम करने की टैक्टिक्स और मौकापरस्त राजनीति को खारिज करती है। उन्होंने कहा, 'बीएनपी की राजनीति बांग्लादेश-फर्स्ट पॉलिटिक्स है। तारिक रहमान के नेतृत्व में, देश का हित, संप्रभुता और नागरिकों का सशक्तिकरण सबसे पहले आता है।

महदी ने पानी के बंटवारे और सीमा पर तनाव से जुड़े मुद्दों पर बीएनपी की पिछली लामबंदी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'हमने तीस्ता और पद्मा नदियों पर पानी के सही अधिकार के लिए प्रदर्शन किया और सीमा पर फेलानी की हत्या का विरोध किया। बेगम खालिदा जिया के नेतृत्व में, बीएनपी ने विदेश नीति को खारिज कर दिया और देश की आजादी का बचाव किया। इस दौरान महदी ने बीएनपी की हाल ही में शुरू की गई चुनावी हॉटलाइन का जिक्र किया, जिसका मकसद इलेक्शन से जुड़ी गाइडेंस देना और शिकायतें लेना है। उन्होंने कहा, 'बीएनपी ने लोगों से सीधे बातचीत बढ़ाने, कानूनी जानकारी देने और इलेक्शन से जुड़ी शिकायतें और अच्छा फीडबैक लेने के लिए हॉटलाइन और एक व्हाट्सएप हॉटलाइन शुरू की है।

बिहार में आधारभूत संरचनाओं के विकास पर जोर, नागरिक सुविधाओं को मजबूत करना उद्देश्य: सीएम नीतीश कुमार

संवाददाता ■ हाजीपुर

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को समृद्धि यात्रा के दौरान पानापुर बटेश्वरनाथ धाम परिसर में वैशाली जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक में कहा कि बिहार को सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के लिए सात निश्चय-3 कार्यक्रमों को लागू किया गया है। इसका प्रमुख उद्देश्य मजबूत आधार-आधुनिक विस्तार है। इसके तहत राज्य में शहरी क्षेत्रों का विस्तार एवं नागरिक सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। राज्य में नए आधुनिक नियोजित शहरों का विकास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य के पर्यटन स्थलों को विकसित कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थलों के रूप में स्थापित किया जा रहा है। पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाले सर्किट में सभी प्रकार की पर्यटकीय सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। साथ ही इको टूरिज्म के विकास पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना में विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स सिटी के निर्माण के साथ ही राज्य के सभी जिलों में खेलों के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जा रही है। हमारी सरकार ने अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। राज्य में उद्योग लगाने और स्वरोजगार करने वालों को कई प्रकार की सुविधाएं देकर सरकार उन्हें प्रोत्साहित कर रही है।

उन्होंने कहा कि बिहार में उद्योग लगाने के लिए उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जा रहा है, जिससे राज्य में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को काफी मदद मिलेगी। उद्योग लगाने के लिए सभी जिलों में सुविधाएं दी जा रही हैं। हम लोग राज्य को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के लिए प्रयासरत हैं।

इस क्रम में मुख्यमंत्री ने पानापुर बाबा बटेश्वरनाथ धाम परिसर में आयोजित कार्यक्रम में रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर वैशाली जिले के लिए 54 करोड़ रुपए की 25 योजनाओं का शिलान्यास एवं 98 करोड़ रुपए की 103 योजनाओं का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने पानापुर बाबा बटेश्वरनाथ धाम में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की भी कामना की।

चित्रोत्पला फिल्म सिटी छत्तीसगढ़ की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को देगी नई गति : मुख्यमंत्री

संवाददाता ■ रायपुर

चित्रोत्पला फिल्म सिटी और ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के निर्माण से छत्तीसगढ़ की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और राज्य को फिल्म निर्माण के क्षेत्र में देश-दुनिया में एक विशिष्ट पहचान प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के ग्राम माना-तूता में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ चित्रोत्पला फिल्म सिटी एवं ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर की आधारशिला रखी। उन्होंने इसे छत्तीसगढ़ का वर्षों पुराना सपना बताया और कहा कि यह परियोजना युवाओं, कलाकारों और पर्यटन क्षेत्र के लिए विकास के नए द्वार खोलेगी। फिल्म सिटी के माध्यम से स्थानीय कलाकारों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच मिलेगा तथा फिल्म निर्माताओं को एक ही स्थान पर आधुनिक तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार में कला और संस्कृति से जुड़े क्षेत्रों को लगातार प्रोत्साहन मिल रहा है। भूमिपूजन के साथ ही फिल्म निर्माण और कन्वेंशन सेंटर से संबंधित चार प्रस्ताव प्राप्त होना इस बात का संकेत है कि छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि यह केवल एक निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि राज्य के सांस्कृतिक, आर्थिक और रचनात्मक भविष्य की मजबूत नींव है। छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विविधता इसे फिल्म शूटिंग और पर्यटन दोनों के लिए आदर्श बनाती है। उन्होंने बताया कि आगामी दो वर्षों में इन परियोजनाओं को पूर्ण कर राज्य को समर्पित करने का लक्ष्य है। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक अनुज शर्मा, विधायक इंद्र कुमार साहू, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन, छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल और पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने परियोजना के प्रस्तावित मास्टर प्लान का अवलोकन किया और निर्माण से जुड़ी जानकारियां प्राप्त कीं। समारोह में पर्यटन विभाग को चार महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी सौंपे गए। गदर फिल्म के निर्माता अनिल शर्मा ने अपनी आगामी फिल्म का निर्माण चित्रोत्पला फिल्म सिटी में करने का प्रस्ताव दिया। इंडिया एक्सपोजीशन मार्ट लिमिटेड के चेयरमेन राकेश कुमार ने ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर में इंटरनेशनल एग्जीबिशन सेंटर एवं ट्रेड मार्ट विकसित करने का प्रस्ताव रखा। एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स के चेयरमेन नीरज खन्ना ने वर्ल्ड क्लास हैंडीक्राफ्ट्स एवं गिफ्ट फेयर आयोजित करने का प्रस्ताव दिया, जबकि एटी फिल्म्स हॉलीवुड के आशुतोष वाजपेयी ने हॉलीवुड फिल्मों और स्ट्रीमिंग कंटेंट को छत्तीसगढ़ लाने की पहल की। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की विशेष सहायता योजना के अंतर्गत इन दोनों परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। चित्रोत्पला फिल्म सिटी के लिए 95.79 करोड़ रुपये और ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के लिए 52.03 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। पीपीपी मॉडल के तहत क्रियान्वित होने वाली इन परियोजनाओं में निजी क्षेत्र से लगभग 300 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।

लगभग 100 एकड़ क्षेत्र में विकसित होने वाली चित्रोत्पला फिल्म सिटी में विभिन्न प्रकार के शूटिंग सेट, स्टूडियो, प्रोडक्शन ऑफिस, प्रशासनिक भवन और पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। वहीं ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर में लगभग 1500 लोगों की क्षमता वाला आधुनिक कन्वेंशन हॉल सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से फिल्म शूटिंग, फेस्टिवल और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी और फिल्म टूरिज्म के साथ सामान्य पर्यटन में भी उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

भारत एक स्थिर ग्रोथ इंजन, युवाओं के लिए नौकरी का सही समय: हरदीप पुरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि यह समय देश के प्रेरित और आगे बढ़ने की चाह रखने वाले युवाओं के लिए नौकरी से जुड़ने का सबसे अच्छा मौका है, क्योंकि भारत को एक मजबूत और स्थिर विकास इंजन के रूप में पहचाना जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब तक देशभर में रोजगार मेलों के जरिए 11 लाख से ज्यादा योग्य युवाओं को नियुक्ति पत्र दे चुके हैं, और शनिवार को 45 स्थानों पर आयोजित 18वें रोजगार मेले में 61,000 नियुक्ति पत्र बांटे गए।

पुरी ने कहा कि आज की दुनिया संघर्ष, सप्लाई चेन की समस्याओं और तेज तकनीकी बदलावों से जूझ रही है। ऐसे माहौल में भी प्रधानमंत्री मोदी के निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है, और दुनिया में भारत को एक स्थिर और भरोसेमंद ग्रोथ इंजन के रूप में मान्यता मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह समय भारत के युवाओं के लिए कार्यक्षेत्र में कदम रखने का बिल्कुल सही समय है। उन्होंने दोहराया कि रोजगार मेलों के जरिए देश के युवाओं को बड़े पैमाने पर नौकरियां दी जा रही हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वह चंडीगढ़ से इस कार्यक्रम में शामिल हुए और कड़ी चयन प्रक्रिया के बाद चुने गए 107 युवाओं में से 25 को खुद नियुक्ति पत्र सौंपे।

हरदीप सिंह पुरी ने कहा, 'जिन विभागों में नियुक्ति हुई, उनमें भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), असम राइफल्स, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय शामिल हैं। हरदीप पुरी ने अपने करियर की शुरुआत को याद करते हुए बताया कि वह 1974 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि उस समय भारत की आबादी लगभग 60 करोड़ थी और देश की नॉमिनल जीडीपी 100 अरब डॉलर से थोड़ी कम थी। उन्होंने बताया कि उस दौर में देश की कुल आय बहुत कम थी। प्रति व्यक्ति आय भी कुछ सौ डॉलर के आसपास थी। एक विशाल देश और सीमित संसाधन के कारण सरकार के सामने कई चुनौतियां थीं।

मंत्री ने कहा कि आज भारत की अर्थव्यवस्था खरबों डॉलर की हो चुकी है। बाजार पहले से ज्यादा मजबूत है और संस्थाएं भी सशक्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि आज सरकारी सेवा का मतलब केवल कमी को संभालना नहीं, बल्कि ईमानदारी और तेजी से क्षमता बनाना है।

संक्षिप्त खबर

जल जीवन मिशनः उत्तर प्रदेश में ऑन और ऑफलाइन देखी जा सकेगी नल जल की गुणवत्ता

लखनऊ । जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत घर-घर पहुंच रहे पेयजल की गुणवत्ता की जानकारी अब आम नागरिक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए पेयजल गुणवत्ता परीक्षण से जुड़े सभी परिणाम सार्वजनिक किए जाएंगे।

यह निर्देश केंद्रीय पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अशोक कुमार मीणा ने एक दिवसीय लखनऊ दौरे के दौरान दिए। केंद्रीय सचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विकसित पोर्टल 'जेजेएम डॉट यूपी डॉट जीओवी डॉट इन' पर उपलब्ध पेयजल से संबंधित सभी आंकड़ों और गुणवत्ता रिपोर्ट को भारत सरकार के जेजेएम विलेज डैशबोर्ड तथा डीडब्ल्यूएसएम डैशबोर्ड से इंटीग्रेट किया जाए। इससे आम जनमानस को अपने गांव की पेयजल योजनाओं, जल गुणवत्ता और आपूर्ति की स्थिति की पारदर्शी जानकारी मिल सकेगी। साथ ही लोग सुझाव और फीडबैक भी दे सकेंगे।

अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में अशोक कुमार मीणा ने उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना का प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समितियों को और अधिक सक्रिय व सशक्त बनाने पर जोर दिया गया, ताकि योजनाओं का संचालन और रखरखाव स्थानीय स्तर पर बेहतर ढंग से हो सके।

केंद्रीय सचिव ने गोसाईगंज स्थित चांद सराय गांव का दौरा कर जल जीवन मिशन के अंतर्गत हुए कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने गांव में लागू जलापूर्ति व्यवस्था की सराहना करते हुए इसे एक उत्कृष्ट और आदर्श जलापूर्ति योजना बताया।

निरीक्षण के दौरान सचिव ने ग्राम प्रधान और ग्रामीणों से बातचीत कर योजना को लेकर उनका फीडबैक लिया। ग्रामीणों ने बताया कि योजना के लागू होने के बाद उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया है। अब उन्हें पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता और घर पर ही स्वच्छ पेयजल की नियमित आपूर्ति उपलब्ध हो रही है। इससे समय की बचत के साथ स्वास्थ्य और जीवन स्तर में भी सुधार हुआ है।

मध्य प्रदेश में गणतंत्र दिवस की तैयारी जारी, फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल

भोपाल। मध्य प्रदेश में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय ढंग से मनाया जाएगा। आयोजन की तैयारियां जारी हैं। राजधानी में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में राज्यपाल मंगूभाई पटेल मुख्य अतिथि होंगे। गणतंत्र दिवस की परेड में मध्य प्रदेश की विकास की कहानी नजर आएगी, वहीं शनिवार को फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल हुई। गणतंत्र दिवस समारोह में राजधानी के लाल परेड मैदान में निकलने वाली संयुक्त परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अंतिम अभ्यास शनिवार को लाल परेड मैदान पर किया गया। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने परेड एवं समारोह की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गणतंत्र दिवस की फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल के दौरान 7वीं बटालियन के प्रधान आरक्षक राजमणि सिंह बघेल ने प्रतीक स्वरूप मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई और ध्वजारोहण कर संयुक्त परेड की सलामी ली। हर्ष फायर के बीच पुलिस बैंड ने निरीक्षक सुनील कटारे के निर्देशन में 'जन गण मन' की धुन बजाई। मुख्य अतिथि के संदेश का प्रतीक स्वरूप वाचन भी किया गया। हर्ष फायर के बाद पुलिस बैंड की मधुर धुनों के बीच आकर्षक संयुक्त परेड निकाली गई।

परेड का नेतृत्व भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी आयुष जाखड़ ने किया। परेड टू आई सी का दायित्व एसडीओपी सैलाना जिला रतलाम नीलम बघेल ने निभाया। संयुक्त परेड में बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस, अश्वारोही दल व श्वान दस्ते सहित 23 टुकड़ियां शामिल थीं। संयुक्त परेड के पश्चात विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों एवं संस्कृति विभाग के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अंतिम अभ्यास किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सागर पब्लिक स्कूल भोपाल के 150 विद्यार्थियों ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत' थीम गीत पर नृत्य की प्रस्तुति दी। वहीं सेंट पॉल कोएड स?कूल, आनंद नगर के 200 विद्यार्थियों ने नृत्य की प्रस्तुति दी। रिहर्सल के दौरान संयुक्त रूप से पांच शासकीय स्कूलों के 160 विद्यार्थियों ने वीर-बेटियों की गाथा पर केंद्रित नृत्य की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही मध्य प्रदेश के लोकनृत्यों और लोकगीतों की भी सुमधुर प्रस्तुतियां दी गईं। इसमें बधाई लोकनृत्य, गणगौर, और मटकी लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी गई।

इस दौरान कलाकारों ने प्रस्तुति देकर सभी उपस्थितजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गणतंत्र दिवस की परेड के दौरान 22 विभाग की झांकियां निकलेंगी जो राज्य की समृद्धि और विकास की कहानी कहेंगी।

दिल्लीवालों के लिए खुला डीसीएचएफसी का नया कार्यालय, कम ब्याज दर पर मिलेगा होम लोन

नई दिल्ली । दिल्लीवासियों को किफायती, पारदर्शी और सरल आवास ऋण उपलब्ध कराने की दिशा में दिल्ली सरकार ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में आज रोहिणी सेक्टर-16 में समाज कल्याण एवं सहकारिता मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने दिल्ली सहकारी आवास वित्त निगम लिमिटेड (डीसीएचएफसी) के नए कार्यालय का शुभारंभ किया। इस नई शाखा के प्रारंभ होने से उत्तर-पश्चिम दिल्ली सहित आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। यह सीरी फोर्ट के बाद दिल्ली में डीसीएचएफसी का दूसरा कार्यालय है। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अलीपुर के निगम पार्षद योगेश राणा और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान सहकारी क्षेत्र की जमकर उपेक्षा की गई। अब दिल्ली सरकार की स्पष्ट प्राथमिकता है कि मध्यम वर्ग, निम्न आय वर्ग और सहकारी आवास समितियों से जुड़े लोगों को किफायती ब्याज दरों पर आवास ऋण उपलब्ध कराया जाए।

असम : तिनसुकिया रेलवे स्टेशन पर महत्वपूर्ण मॉक ड्रिल का आयोजन

तिनसुकिया । भारतीय सेना ने असम के तिनसुकिया रेलवे स्टेशन पर एक महत्वपूर्ण संयुक्त तोड़फोड़ विरोधी मॉक ड्रिल का आयोजन किया। यह अभ्यास स्पीयर कॉर्प्स के रेड शील्ड गनर्स द्वारा आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने वाले राष्ट्र-विरोधी तत्वों से होने वाले संभावित खतरों के खिलाफ तैयारियों को और मजबूत करना था।

तिनसुकिया रेलवे स्टेशन पूर्वोत्तर भारत में एक प्रमुख परिवहन केंद्र और रणनीतिक महत्व का स्थान है, जहां रोजाना हजारों यात्री और मालगाड़ियां गुजरती हैं। मॉक ड्रिल में वास्तविक आपात स्थिति का सटीक अनुकरण किया गया। इसमें रेलवे स्टेशन पर कथित तोड़फोड़, विस्फोटक सामग्री की मौजूदगी और आतंकी हमले जैसी स्थितियों का अभ्यास किया गया।

अभ्यास के दौरान भारतीय सेना के विशेष बलों, असम पुलिस, गवर्नमेंट रेलवे पुलिस (जीआरपी) और नागरिक प्रशासन के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। विभिन्न एजेंसियों के बीच त्वरित संचार, समन्वय, और प्रतिक्रिया तंत्र का परीक्षण किया गया।

ड्रिल में कई महत्वपूर्ण पहलुओं, खतरे की पहचान और त्वरित मूल्यांकन, भीड़ प्रबंधन और यात्री निकासी, हताहतों को प्राथमिक चिकित्सा और निकासी, विस्फोटक सामग्री की खोज और निष्क्रिय करना और कम से कम समय में स्टेशन पर सामान्य परिचालन पर फोकस हुआ। इस अभ्यास का उद्देश्य मौजूदा संयुक्त मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) की जांच करना, कमियों को दूर करना और सभी एजेंसियों के बीच इंटरऑपरेबिलिटी (परस्पर कार्यक्षमता) को बढ़ाना था। अभ्यास के दौरान विभिन्न परिदृश्यों का सफलतापूर्वक अभ्यास किया गया, जिसमें सेना की विशेष इकाइयों ने तेजी से स्थिति पर काबू पाने की क्षमता दिखाई।

सेना के प्रवक्ता (पीआरओ डिफेंस) ने बताया कि ऐसे संयुक्त मॉक ड्रिल नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं ताकि असम और पूरे पूर्वोत्तर में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा सके। यह अभ्यास न केवल सुरक्षा बलों की तैयारियों को परखता है, बल्कि स्थानीय नागरिकों में भी सुरक्षा के प्रति विश्वास बढ़ाता है। तिनसुकिया जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में जहां आतंकी गतिविधियों और तोड़फोड़ के खतरे बने रहते हैं, ऐसे अभ्यास बहुत जरूरी हैं।

इस ड्रिल ने सभी भागीदार एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने में मदद की। स्थानीय लोगों ने भी इस अभ्यास का स्वागत किया और कहा कि इससे उनकी सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। भारतीय सेना ने स्पष्ट किया कि ऐसी तैयारियां निरंतर चलती रहेंगी ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित हो सके।

अविमुक्तेश्वरानंद प्रकरण को लेकर अखिलेश यादव का सरकार पर निशाना, चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े घटनाक्रम को लेकर यूपी सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, 'कालनेमि को याद करने वाले बताएं कि कलयुग के कालनेमि कौन हैं। कालनेमि काल बनकर आता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार धार्मिक मुद्दों का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है। अखिलेश यादव ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर के तहत जिन लोगों को नोटिस दिए जा रहे हैं, उसकी जानकारी राजनीतिक दलों को क्यों नहीं दी जा रही है? चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है और सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। अधिकारी सरकार से मिलकर चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी कर रहे हैं।

सपा प्रमुख ने कहा कि उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि एसआईआर के बाद मतदाता सूची में कोई भी नाम नहीं छूटेगा, लेकिन उपचुनाव के दौरान स्थिति कुछ और ही देखने को मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि उपचुनाव में वोट लूटे गए थे और सीसीटीवी फुटेज मौजूद होने के बावजूद चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया था कि फुटेज किसी भी राजनीतिक दल को नहीं दी जाएगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर के माध्यम से कई तरह की साजिशें की जा रही हैं। उन्होंने बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) की ट्रेनिंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस तरह से प्रशिक्षण दिया गया, उसमें कई बीएलओ की जान चली गई, लेकिन इस पर कोई जवाबदेही तय नहीं की गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में एक ही नाम से दो-दो वोट बनाए जा रहे हैं और डुप्लीकेट डाटा डाला जा रहा है। अखिलेश ने कन्नौज सदर विधानसभा सीट का हवाला देते हुए दावा किया कि वहां करीब 200 फर्जी मतदाता पाए गए हैं। सपा प्रमुख ने मांग की कि चुनाव आयोग राजनीतिक दलों का सहयोग करे और पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए। उन्होंने आधार से मतदाता सूची को जोड़ने और डुप्लीकेट वोटरों पर रोक लगाने की मांग भी दोहराई। अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईएआर को लेकर जनता में भ्रम फैलाया जा रहा है और यह प्रक्रिया एसआईआर कम, एनआरसी जैसी ज्यादा प्रतीत हो रही है, जिसमें लोगों से अपनी नागरिकता साबित करने की स्थिति पैदा हो रही है।

अनंतनाग पहुंची 42 वैगनों की रेल रैक: खाद्यान्न लॉजिस्टिक्स लागत घटी, सर्दियों में बफर स्टॉक सुनिश्चित

नई दिल्ली/अनंतनाग । भारतीय रेलवे ने कश्मीर घाटी में हर मौसम में विश्वसनीय कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर हासिल किया है। 22 जनवरी को 42 वैगनों वाली पहली पूरी रैक, जिसमें 2,768 मीट्रिक टन चावल लदा था, सफलतापूर्वक अनंतनाग गुड्स शेड पहुंचाई गई। यह उपलब्धि उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाती है और क्षेत्र में खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने में महत्वपूर्ण कदम है।

पिछले समय में केवल 21 वैगनों वाली मिनी रैक (1,384 मीट्रिक टन क्षमता) ही रेल से भेजी जाती थी, लेकिन भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के साथ लगातार समन्वय के बाद अब पूरी रैक भेजने की व्यवस्था सफल हुई। यह रैक 21 जनवरी को पंजाब के संगरूर रेल टर्मिनल से लोड की गई और मात्र 24 घंटे के अंदर अनंतनाग पहुंच गई। खराब मौसम और बर्फबारी के बावजूद, जहां एक दिन पहले अनलोडिंग में बाधा आई थी, रेलकर्मियों और स्थानीय टीम ने मिलकर इसे सफलतापूर्वक संभाला।

यह बदलाव लॉजिस्टिक्स लागत में भारी कमी लाएगा। पहले सड़क मार्ग से ट्रकों पर निर्भरता के कारण परिवहन खर्च अधिक था और मौसम खराब होने पर आपूर्ति बाधित हो जाती थी। अब पूरी रैक से एक साथ बड़ी मात्रा में खाद्यान्न पहुंचाने से परिवहन लागत कम होगी, तेजी से वितरण संभव होगा, और घाटी में बफर स्टॉक बनाए रखना आसान हो जाएगा। इससे विशेषकर सर्दियों में, जब राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो जाते हैं, स्थानीय परिवारों को चावल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित रहेगी।

यह उपलब्धि कश्मीर में रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स की बढ़ती क्षमता को रेखांकित करती है। पहले सेब, सीमेंट और उर्वरक जैसी वस्तुओं की सफल रेल ढुलाई के बाद अब खाद्यान्न की पूरी रैक का आगमन आर्थिक गतिविधियों को और मजबूती देगा। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भारी ट्रकों की संख्या कम होने से पर्यावरणीय लाभ भी होगा। यूएसबीआरएल परियोजना, जो स्वतंत्र भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण रेल इंजीनियरिंग परियोजनाओं में से एक है, ने कश्मीर घाटी को रेल नेटवर्क से जोड़कर व्यापार, पर्यटन और दैनिक जीवन को नई गति दी है। मुश्किल भू-आकृति, भारी बर्फबारी और कठिन सर्दियों के बावजूद रेलवे ने अपनी विश्वसनीयता साबित की है। इससे किसानों को उनकी उपज बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी, व्यापारियों को लागत में बचत होगी और आम घरों को जरूरी सामान समय पर मिलेगा।

यह उपलब्धि न केवल खाद्य सुरक्षा को मजबूत करती है, बल्कि पूरे जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में रेलवे की रणनीतिक भूमिका को रेखांकित करती है। भविष्य में ऐसी पूरी रैकों की नियमित आवाजाही से घाटी की अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन स्तर में और सुधार की उम्मीद है। भारतीय रेलवे और एफसीआई की इस संयुक्त सफलता से कश्मीर में हर मौसम में खाद्यान्न आपूर्ति अब अधिक भरोसेमंद और किफायती हो गई है।

कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद बोले नसीमुद्दीन सिद्दीकी, 'मुझे सम्मान नहीं चाहिए, काम चाहिए'

लखनऊ)। उत्तर प्रदेश में साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए तमाम रणनीतियां बनाने में जुटी हुई है। इसी बीच पार्टी को जोरदार झटका लगा है।

कांग्रेस नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेज दिया है।

लखनऊ में नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि मैं कभी नाराज नहीं था। मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। मुझे सम्मान चाहिए, मुझे काम चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मैं आठ साल पहले कांग्रेस में शामिल हुआ था। मैं जमीनी स्तर पर, ग्रासरूट लेवल पर काम करने वाला इंसान हूं। जब भी काम किया, कभी ईद-दीपावली घरों में नहीं मनाई, बल्कि गांव-देहात में मनाई। जमीन पर काम करना मेरा स्वभाव है। मैंने महसूस किया कि मेरे काम पर जंग लग रही है। किसी नेता से कोई दिक्कत नहीं है। पिछले आठ सालों में मुझे लगा कि मेरे ग्रासरूट स्तर पर काम करने के तरीके का पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हो रहा था। दूसरे शब्दों में कहूं तो मुझे लगा कि मेरे काम और मेरी काबिलियत पर जंग लग रही है। उन्होंने कहा कि आगे क्या करेंगे, यह देखते हैं।

शिरोमणि अकाली दल फरवरी से सभी विधानसभा क्षेत्रों में रैलियां करेगी, 2027 में सरकार बनाने का संकल्प

चंडीगढ़ । शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) ने पंजाब में अपनी राजनीतिक सक्रियता तेज करने का ऐलान किया है। पार्टी ने घोषणा की है कि फरवरी 2026 से राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में रैलियों की एक बड़ी श्रृंखला शुरू की जाएगी।

इन रैलियों का मुख्य उद्देश्य पंजाबियों को पार्टी की राज्य के विकास में ऐतिहासिक भूमिका के बारे में बताना और 2027 के विधानसभा चुनावों में सरकार बनाने के बाद उसके विजन को साझा करना है। यह फैसला शनिवार को चंडीगढ़ में पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की अध्यक्षता में जिला अध्यक्षों और निर्वाचन क्षेत्र प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक में लिया गया। बैठक के बाद वरिष्ठ नेता डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने प्रेस को जानकारी देते हुए कहा कि एसएडी की पिछली सरकारों ने राज्य में अभूतपूर्व विकास कार्य किए हैं। उन्होंने उदाहरण दिए कि पार्टी शासनकाल में पंजाब को बिजली अधिशेष राज्य बनाया गया, सभी प्रमुख शहरों को चार लेन सड़कों से जोड़ा गया, नए थर्मल प्लांट और एयरपोर्ट स्थापित किए गए, और ग्रामीण बुनियादी ढांचे में बड़े सुधार हुए।

डॉ. चीमा ने आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकार और वर्तमान आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने एक भी नया बड़ा बुनियादी ढांचा नहीं बनाया, जिससे राज्य को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, 'हम पंजाब को आगे ले जाने के लिए विकास और बुनियादी ढांचे के नए युग की शुरुआत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

पार्टी पंजाबियों से अपनी क्षेत्रीय पार्टी एसएडी का समर्थन मांगेगी और 'आप' की पंजाब विरोधी नीतियों के खिलाफ जन आंदोलन शुरू करेगी। डॉ. चीमा ने कहा कि एसएडी राज्य को मौजूदा अराजकता से बाहर निकालेगी, शांति और सांप्रदायिक सद्भाव सुनिश्चित करेगी और युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने हेतु पंजाब में निवेश वापस लाएगी। बैठक में एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया गया कि 10 फरवरी 2026 तक पार्टी का पूरा संगठनात्मक ढांचा तैयार कर लिया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश स्थापना दिवसः संघर्ष से समृद्धि तक हिमाचल की कहानी

नई दिल्ली । हिमाचल प्रदेश के लिए 25 जनवरी सिर्फ एक तारीख नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक यात्रा का उत्सव है, जिसने बिखरे पहाड़ी इलाकों को एक शानदार पहचान दी और पहचान को आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाया। जब पूरा प्रदेश 25 जनवरी को हिमाचल प्रदेश का स्थापना दिवस मना रहा है तो यह दिन अतीत के संघर्ष, वर्तमान की उपलब्धियों और भविष्य के सपनों को एक साथ जोड़ देता है। आजादी के बाद हिमाचल का रास्ता आसान नहीं था। 15 अप्रैल 1948 को यह क्षेत्र पहली बार अस्तित्व में आया। बिखरी पहाड़ी रियासतों को एक प्रशासनिक ढांचे में पिरोना अपने आप में एक चुनौती थी। 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान के लागू होने के साथ हिमाचल प्रदेश 'ग' श्रेणी का राज्य बना, एक अस्थायी पहचान, लेकिन स्थायी सपनों के साथ। समय के साथ हिमाचल का भूगोल और भाग्य दोनों बदलते रहे। 1 जुलाई 1954 को बिलासपुर का विलय हुआ। 1 जुलाई 1956 को हिमाचल केंद्रशासित प्रदेश बना और 1 नवंबर 1966 को कांगड़ा और पंजाब के अन्य पहाड़ी क्षेत्र जुड़े, लेकिन तब भी राज्यहुड का सपना अधूरा था। आखिरकार, संसद द्वारा दिसंबर 1970 में पारित हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम ने इतिहास की दिशा बदली। 25 जनवरी 1971 वह दिन था जब हिमाचल प्रदेश भारतीय गणराज्य का 18वां राज्य बना। यह सिर्फ प्रशासनिक घोषणा नहीं थी, बल्कि पहाड़ों की आवाज को संवैधानिक पहचान मिलने का क्षण था। राज्य बनने के बाद हिमाचल ने लंबा सफर तय किया। सीमित संसाधन, कठिन भौगोलिक परिस्थितियां और प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद प्रदेश ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाए। अलग-अलग सरकारों ने बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली उत्पादन और उद्योगों को विकास का आधार बनाया। वर्ष 2024-25 में हिमाचल प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2.27 ट्रिलियन रुपए रहा। वित्त वर्ष 2025 (अगस्त तक) में राज्य का निर्यात 223.20 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा, जिसमें दवा निर्माण और जैविक उत्पादों का योगदान 69.5 फीसदी रहा।

सीएम योगी ने यूपी दिवस की शुभकामना देने पर प्रधानमंत्री मोदी का किया धन्यवाद

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई शुभकामनाओं के लिए उनका धन्यवाद किया। सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी का बधाई संदेश भी शेयर किया।

सीएम योगी ने एक्स पर कहा कि 'उत्तर प्रदेश दिवस' के पावन अवसर पर आत्मीय एवं प्रेरणादायी शुभकामनाओं के लिए आपका हृदय से आभार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स के अवसर पर अपना संदेश साझा करते हुए उत्तर प्रदेश के लोगों को राष्ट्र के प्रति उनके योगदान के लिए बधाई दी।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर भारतीय संस्कृति और विरासत की समृद्धि में अमूल्य योगदान देने वाले मेरे परिवार के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई। हमारी डबल इंजन वाली सरकार और विकास के प्रति समर्पित जनता की भागीदारी से हमारा राज्य पिछले नौ वर्षों में एक बीमार राज्य से एक असाधारण राज्य में परिवर्तित हो गया है। मुझे दृढ़ विश्वास है कि देश की प्रगति को आगे बढ़ाने में उत्तर प्रदेश की क्षमता महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित बधाई संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस मनाया जा रहा है। मैं सभी यूपी वासियों को 'उत्तर प्रदेश दिवस' की हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं काशी का सांसद हूं और यूपी के लोगों ने मुझे चुनकर लोकसभा भेजा है, इसलिए यह दिन मेरे लिए और भी विशेष हो जाता है।

उन्होंने कहा कि यूपी के लोगों से मुझे जो प्रेम और आत्मीयता मिली है, वह मेरे लिए बहुत बड़ी पूंजी है। उत्तर प्रदेश की मिट्टी में कुछ खास है। उत्तर प्रदेश ने हमेशा अपने सामर्थ्य से, अपनी प्रतिभा से देश के विकास को गति दी है। मुझे खुशी है कि हमारा उत्तर प्रदेश आज 'विकास भी और विरासत भी' के मंत्र का उत्तम उदाहरण बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपी में प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या है, भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा-वृन्दावन है, और इसी भूमि पर सारनाथ से भगवान बुद्ध का ज्ञान विश्व को प्राप्त हुआ था। उत्तर प्रदेश में ही अनादि काशी भी है, और पवित्र प्रयागराज भी है। अयोध्या के राम मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा-ध्वजारोहण, काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निर्माण, महाकुंभ का आयोजन और अभी चल रहा माघ मेला यूपी के सांस्कृतिक सामर्थ्य को दर्शाता है। यह सामर्थ्य यूपी में पर्यटन की अपार संभावनाओं को साकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज का यह दिन यूपी के हर नागरिक के लिए संकल्प का भी अवसर है। यूपी के सभी निवासियों को विकास के हर पैरामीटर पर यूपी को नंबर वन बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ना होगा। हम संकल्प लें कि यूपी को आत्मनिर्भर अभियान, मिशन मैन्यूफैक्चरिंग, ग्रीन एनर्जी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी बनाएंगे।

यूपी दिवस: प्रदेश के 18 मंडलों के 54 स्थानों पर एक साथ हुए नुक्कड़ नाटक

लखनऊ । उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में जनजागरण को सशक्त सांस्कृतिक स्वर देते हुए शनिवार को प्रदेश के सभी 18 मंडलों के 54 स्थानों पर एक साथ नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा नामित 'ए' श्रेणी के नाट्य दलों ने विभिन्न जनपदों में प्रस्तुतियों के माध्यम से सरकारी योजनाओं, शिक्षा और सामाजिक सरोकारों को लेकर आमजन से सीधा और व्यवहारिक संवाद स्थापित किया।

इन नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक कुप्रथाओं के उन्मूलन, जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी तथा नागरिक कर्तव्यों जैसे विषयों को सरल, प्रभावी और संवादात्मक शैली में प्रस्तुत किया गया। बता दें कि इस दौरान परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे व्यापक बदलावों की जानकारी आमजन को दी गई। नाट्य प्रस्तुतियों के जरिए बताया गया कि 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए बालवाटिका के माध्यम से सुरक्षित, आनंदमय और खेल-आधारित पूर्व-प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है, जहां चाइल्ड फ्रेंडली फर्नीचर, आउटडोर प्ले सामग्री और बाला (बीएएलए) फीचर्स से भवन को सीखने का माध्यम बनाया गया है। नुक्कड़ नाटकों में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत विद्यालयों के आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण, मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयों और पीएमश्री विद्यालयों के जरिए आधुनिक शिक्षण सुविधाओं के विस्तार को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही 'हमारा आंगन, हमारे बच्चे' और शारदा कार्यक्रम के माध्यम से आउट ऑफ स्कूल बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने, लर्निंग बाय डूइंग के जरिए विद्यालयों को कौशल केंद्र के रूप में विकसित करने, निःशुल्क शिक्षा, पाठ्यपुस्तकें, गणवेश, मध्यान्ह भोजन, बालिका शिक्षा, एससीईआरटी के नवाचार और समेकित शिक्षा यूनिट के तहत दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं की जानकारी भी नुक्कड़ नाटकों के जरिए जनसमुदाय तक पहुंचाई गई।

कार्यक्रमों के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की और योजनाओं से जुड़े प्रश्नों पर अपनी जिज्ञासाएं व सुझाव भी साझा किए। यूपी दिवस पर आयोजित यह पहल प्रदेश की समृद्ध लोकनाट्य परंपरा को सशक्त करने के साथ-साथ सरकार और जनता के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बनकर सामने आई। जमीनी स्तर पर योजनाओं की वास्तविक पहुंच और जन-जागरूकता बढ़ाने में इस अभियान को अत्यंत उपयोगी माना जा रहा है।

गोद ग्राम टेमरी के विद्यार्थियों ने किया लोकभवन का भ्रमण

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका की पहल पर लोकभवन की गतिविधियों से जनसामान्य, विशेषकर विद्यार्थियों को जोड़ने के उद्देश्य से लोकभवन का भ्रमण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले के ग्राम टेमरी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 50 छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों के साथ शनिवार को लोकभवन का भ्रमण किया तथा राज्यपाल से प्रत्यक्ष संवाद किया।

उल्लेखनीय है कि इस ग्राम को राज्यपाल ने गोद लिया है। विद्यार्थियों ने लोकभवन परिसर स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम, उदंती परिसर, कन्हार परिसर, डिस्पेंसरी उद्यान, तथा सचिवालय की विभिन्न शाखाओं का अवलोकन किया। इसके पश्चात वे कॉन्फ्रेंस हॉल पहुंचे, जहां उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात की और लोकभवन में भ्रमण के अनुभव को उनके साथ साझा किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने राज्यपाल से उनके जीवन, शिक्षा एवं करियर से जुड़े रोचक प्रश्न पूछे, जिनका राज्यपाल ने सहज और प्रेरक तरीके से उत्तर दिया। उन्होंने बच्चों को लक्ष्य निर्धारण, धैर्य,अनुशासन और मेहनत के महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का स्वर्णिम इतिहास है। इस पर हम सभी को गर्व होना चाहिए। यहां के लोगों की सेवा भाव की उन्होंने सराहना की।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से उनके स्कूल से संबंधित सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। छात्रों ने खेल मैदान, पुस्तकालय, आधुनिक प्रयोगशाला तथा गणित के शिक्षक की आवश्यकता की जानकारी दी। इस पर राज्यपाल ने इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने की बात कही।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि स्कूली जीवन सर्वश्रेष्ठ होता है। इसका आनंद उठाएं। अच्छे से पढ़ाई करें। यदि इस समय नींव मजबूत होगी तो आगे का जीवन भी सफल रहेगा। उन्होंने बच्चों को मेहनत, धैर्य और दृढ़ता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी विद्यार्थियों को पौधे भेंट किए और उन्हें घर, स्कूल तथा गांव में पौधारोपण कर उनकी नियमित देखभाल करने का संदेश दिया।

कर्तव्य पथ पर दिखेगा छत्तीसगढ़ के शहरी पथ-विक्रेताओं का सम्मान

रायपुर । 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में छत्तीसगढ़ के शहरी पथ-विक्रेताओं को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाना राज्य के लिए गौरव का विषय है। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने इसे छत्तीसगढ़ के मेहनतकश शहरी पथ-विक्रेताओं के सम्मान और पहचान का महत्वपूर्ण क्षण बताया।

साव ने नगर पालिका परिषद मुंगेली के पथ-विक्रेता बाबूलाल बुनकर और नगर पालिका परिषद लोरमी के पथ-विक्रेता सोना कुमार कैवर्त्य से वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत की। उन्होंने दोनों को गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय समारोह में शामिल होने का आमंत्रण मिलने पर बधाई दी और उनके कार्यों की सराहना की। दोनों पथ-विक्रेता प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थी हैं और अपने-अपने क्षेत्रों में ईमानदारी एवं परिश्रम से आजीविका अर्जित कर रहे हैं।

साव ने कहा कि यह अवसर छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है। वर्षों से शहरी अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहे पथ-विक्रेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलना सामाजिक समावेशन, आत्मनिर्भर भारत और समावेशी विकास की भावना को मजबूत करता है। गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व में उनकी सहभागिता यह संदेश देती है कि राष्ट्र निर्माण में हर वर्ग की भूमिका महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान पथ-विक्रेताओं को प्रधानमंत्री संग्रहालय और लोटस टेंपल का भ्रमण भी कराया जाएगा। इससे उन्हें देश की लोकतांत्रिक परंपराओं, सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय मूल्यों को नजदीक से समझने का अवसर मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से देशभर के शहरी पथ-विक्रेताओं को स्वरोजगार हेतु आर्थिक सहायता, डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा और सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय मंच पर पथ-विक्रेताओं की सहभागिता इस योजना की सफलता और उसके सामाजिक प्रभाव को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि इस पहल से न केवल आमंत्रित पथ-विक्रेताओं का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि राज्य के अन्य पथ-विक्रेताओं को भी स्वावलंबन, अनुशासन और ेहनत से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। यह छत्तीसगढ़ के लिए सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरक उदाहरण है।

भटगांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5 किलो गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

भटगांव । मादक पदार्थों के अवैध परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भटगांव पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गांजा परिवहन करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5 किलो 700 ग्राम गांजा और एवं एक मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पांडे और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस विजय ठाकुर के मार्गदर्शन में अवैध गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में थाना प्रभारी शिव कुमार धारी के नेतृत्व में 23 जनवरी को मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति बिना नंबर की मोटरसाइकिल से मादक पदार्थ लेकर भटगांव की ओर आ रहे हैं।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोका। पूछताछ में चालक ने अपना नाम अरुण यादव निवासी ग्राम माल्दी बताया। विधिवत नोटिस देकर तलाशी पंचनामा तैयार किया गया। मोटरसाइकिल की डिक्की की तलाशी लेने पर प्लास्टिक झिल्ली में भरा गांजा बरामद हुआ।

पुलिस ने आरोपी अरुण यादव पिता रामप्रसाद यादव, उम्र 28 वर्ष, निवासी माल्दी थाना बिलाईगढ़ जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के कब्जे से कुल 5 किलो 700 ग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 29 हजार रुपये है, तथा एक एसपी शाइन मोटरसाइकिल जिसकी कीमत लगभग 50 हजार रुपये बताई गई है, को जब्त किया।

आरोपी के विरुद्ध धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार किया गया और न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी शिव कुमार धारी, सहायक उप निरीक्षक बलीराम निराला, प्रधान आरक्षक श्रवण बरिहा, आरक्षक खेलावन बघेल, राहुल खूंटे, शशि खूंटे, प्रत्येन बर्मन सहित थाना स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

घर बैठकर निपटा रहे थे टोकन सत्यापन, 2 पटवारी निलंबित

कांकेर । जिले में धान खरीदी कार्य में गंभीर लापरवाही बरतने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। पखांजूर एसडीएम (स्ष्ठरू) ने दो पटवारियों को, जो नोडल अधिकारी के रूप में तैनात थे, उनके पद से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इन अधिकारियों पर बिना मौके पर जाए और बिना भौतिक सत्यापन किए धान के टोकन का सत्यापन करने का गंभीर आरोप है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, धान खरीदी केंद्र चारगांव और उदनपुर में तैनात नोडल अधिकारियों ने अपने कर्तव्यों के निर्वहन में भारी कोताही बरती। आरोप है कि इन पटवारियों ने खरीदी केंद्रों पर जाए बिना ही अन्य व्यक्तियों के माध्यम से गलत तरीके से धान टोकन का सत्यापन कर दिया। साथ ही, समिति में रखे पुराने बोरों के स्टॉक की फोटो अपलोड कर दी गई, जो नियमों का खुला उल्लंघन है। निलंबित किए गए अधिकारीः

आशीष पवारः हल्का पटवारी (ह.नं. 03-चारगांव) - इन्हें चारगांव खरीदी केंद्र का नोडल अधिकारी बनाया गया था।

आकाश कश्यपः हल्का पटवारी (ह.नं. 06-केसेकोड़ी) - इन्हें उदनपुर खरीदी केंद्र की जिम्मेदारी दी गई थी।

नहर पुल की रेलिंग चोरी का खुलासाः 5 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। रशियन हॉस्टल के पास स्थित नहर पुल की लोहे की रेलिंग काटकर चोरी करने के मामले में कोरबा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 5 टन कटी हुई लोहे की रेलिंग सहित वाहन और गैस कटर समेत अन्य सामान बरामद किया है।

क्या है मामला?

पुलिस के अनुसार यह घटना 17 जनवरी की दरमियानी रात की है। इस संबंध में चौकी सीएसईबी, थाना सिविल लाइन रामपुर में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के आधार पर अपराध क्रमांक 53/2026 धारा 303(2), 112(2), 317(2)(4) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले एवं नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई, जिसमें साइबर सेल कोरबा और चौकी सीएसईबी पुलिस को शामिल किया गया।

तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर की सूचना और सतत पतासाजी के आधार पर पुलिस ने कुल 15 आरोपियों की पहचान की, जिनमें से 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने गैस कटर की मदद से पुल की लोहे की रेलिंग काटकर चोरी करना स्वीकार किया।

गिरफ्तार आरोपियों में लोचन केवट (20 वर्ष), जयसिंह राजपूत (23 वर्ष), मोती प्रजापति (27 वर्ष), सुमित साहू (19 वर्ष) और केशवपुरी गोस्वामी उर्फ पिच्चर (22 वर्ष) शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लगभग 5 टन लोहे की रेलिंग, एक टाटा एस (छोटा हाथी) वाहन, एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, गैस कटर मशीन, ऑक्सीजन सिलेंडर, एलपीजी सिलेंडर, मोबाइल फोन तथा 6,000 नगद बरामद किए हैं। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है और शीघ्र ही उन्हें भी गिरफ्तार कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

रायपुर साहित्य उत्सव में जशप्योर का जलवा, महुआ-मिलेट्स उत्पादों को शानदार सराहना

रायपुर । रायपुर में आयोजित साहित्य उत्सव में छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति और रचनात्मकता के बीच जशपुर जिले का गृह ब्रांड जशप्योर आगंतुकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। महुआ और मिलेट्स से तैयार जशप्योर के पारंपरिक एवं पौष्टिक उत्पादों को उत्सव में शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। यह ब्रांड न केवल स्थानीय स्वादों को आधुनिक बाजार से जोड़ रहा है, बल्कि महिला स्वावलंबन की एक सशक्त कहानी भी लिख रहा है।

उत्सव परिसर में लगे जशप्योर के स्टॉल पर दिनभर लोगों की भीड़ देखी गई। महुआ से बने लड्डू, कुकीज़ और कैंडी विशेष रूप से लोगों के बीच चर्चा का विषय बने रहे। स्टॉल पर आने वाले आगंतुक उत्पादों के स्वाद और गुणवत्ता की सराहना करने के साथ-साथ लगाए गए क्यूआर कोड के माध्यम से इनके पोषण मूल्य और निर्माण प्रक्रिया की जानकारी भी ले रहे हैं।

रायपुर की स्थानीय निवासी निधि साहू ने स्टॉल का अवलोकन करने के बाद कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि महुआ से इतने स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने पारंपरिक ज्ञान के इस आधुनिक उपयोग को सराहनीय बताया।

जशप्योर से जुड़े युवा वैज्ञानिक समर्थ जैन ने बताया कि महुआ को लेकर लंबे समय से यह धारणा रही है कि इसका उपयोग केवल शराब निर्माण तक सीमित है, लेकिन जशप्योर इस सोच को बदलने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जशपुर की महिलाएं अब फूड-ग्रेड महुए का उपयोग कर इसे एक पारंपरिक सुपरफूड के रूप में स्थापित कर रही हैं, जिससे आदिवासी महिलाओं का पारंपरिक ज्ञान आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ रहा है।

जशप्योर ब्रांड के अंतर्गत वर्तमान में 90 से अधिक उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। महुआ के साथ-साथ ग्लूटेन-फ्री मिलेट्स से बने बिस्किट और लड्डू भी लोगों को खासे पसंद आ रहे हैं। रागी, कुटकी, कोदो और बकव्हीट जैसे पोषक मिलेट्स से बने उत्पाद स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं को आकर्षित कर रहे हैं।

जशप्योर केवल एक ब्रांड नहीं, बल्कि महिला आत्मनिर्भरता की एक सशक्त पहल के रूप में उभर रहा है। स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग से जशपुर की ग्रामीण महिलाएं न केवल स्थायी रोजगार प्राप्त कर रही हैं, बल्कि उद्यमिता के क्षेत्र में भी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं।रायपुर साहित्य उत्सव में जशप्योर की प्रभावशाली उपस्थिति छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, स्वदेशी उत्पादों और महिला सशक्तिकरण की बढ़ती पहचान का सशक्त प्रमाण बनकर सामने आई है।

विकासखंड कटेकल्याण के पोटा केबिन आवासीय विद्यालयों को कलेक्टर ने किया आकस्मिक निरीक्षण

दंतेवाड़ा । कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव द्वारा आज विकासखंड कटेकल्याण के बेंगलूर, गाटम,बडेलखापाल, मंडोली स्थित पोटा केबिन आवासीय विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण कर संस्थाओं की मूलभूत आवश्यकताओं एवं मरम्मत कार्यों का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इस क्रम में सर्वप्रथम पोटाकेबिन बेंगलूर पहुंचे यहां उन्होंने कक्षा-2 और कक्षा 5 वीं छात्राओं से उनकी पढ़ाई के स्तर को परखा कक्षा-2 में उन्होंने जहां बच्चों से अंग्रेजी की वर्णमाला का पाठ करवाया वहीं कक्षा 5 वीं में उन्होंने हिन्दी कक्षा में छात्रों से हिन्दी पाठों के पैराग्राफ पढ़कर सुनाने को कहा। मौके पर छात्रों ने कलेक्टर के कहे अनुसार सही उच्चारण से पढ़कर सुनाया इसके लिए कलेक्टर ने उन्हें प्रशंसा की। इसके साथ ही कलेक्टर ने यहा कम्प्यूटर कक्ष का भी अवलोकन किया और उपस्थित शिक्षकों को चैट जीपीटी के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा देने की बात कही।इस दौरान कलेक्टर ने आवासीय विद्यालय के भोजन कक्ष को भी देखा यहां अधीक्षक ने बताया कि पहली से आठवीं तक 349 बच्चें निवासरत है। इन बच्चों को नियमित रूप से नियमित नाश्ता, भोजन के अलावा अंडे भी दिये जाते है। मौके पर कलेक्टर ने कहा कि छात्रों की संख्या के अनुरूप एवं आवश्यकता को देखते हुए शौचालय निर्माण को प्राथमिकता से बनाया जाये। इसके पश्चात कलेक्टर कन्या आवासीय परिसर पोटाकेबिन गाटम पहुंचे यहां पर भी उन्होंने अधीक्षिका से आवासीय परिसर की स्थिति जानकारी ली। गौरतलब है कि यहां 401 छात्राएं अध्ययनरत है। जिनकी देखरेख के लिए 19 स्टाफ पदस्थ है। इसक्रम कलेक्टर कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय छात्रावास एवं बालक आवासीय पोटाकेबिन मंडोली पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए कहा कि आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पूर्व से संस्थाओं में पेयजल हेतु वैकल्पिक इतंजामत कर लिये जाए। इस दौरान डीएमसी हरीश गौतम सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कोयला मंत्रालय के अपर सचिव ने किया गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क का दौरा

एमसीबी । जिले के हसदेव क्षेत्र में स्थित गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क को उस समय विशेष महत्व मिला जब कोयला मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव हिटलर सिंह हसदेव एरिया की कोल माइंस के निरीक्षण प्रवास के दौरान फॉसिल्स पार्क पहुंचे। पार्क आगमन पर पुरातत्व एवं पर्यटन विभाग के जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनोद पांडे ने उनका स्वागत किया।दौरे के दौरान अपर सचिव ने गहरी जिज्ञासा और व्यक्तिगत रुचि के साथ गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क के ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और पर्यटन महत्व की जानकारी ली। डॉ. पांडे ने तथ्यात्मक रूप से बताया कि यह पार्क लगभग 29 करोड़ वर्ष पुराने गोंडवाना कालीन समुद्री जीवाश्मों का अनूठा साक्ष्य है, जो न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश की भू-वैज्ञानिक विरासत को दर्शाता है। उन्होंने फॉसिल्स पार्क के अंतर्गत विकसित कैक्टस गार्डन और इंटरप्रिटेशन बिल्डिंग का भी भ्रमण कराया, जहां जीवाश्मों से जुड़ी जानकारी को आमजन और शोधार्थियों के लिए सरल एवं आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया है। डॉ. पांडे द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि वर्ष 2015 में पार्क के समग्र विकास हेतु वन विभाग द्वारा लगभग 8 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया था। इसके साथ ही जिला प्रशासन द्वारा पुरातत्व संग्रहालय के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए फॉसिल्स पार्क परिसर या समीप एक समर्पित पुरातत्व संग्रहालय के निर्माण की आवश्यकता और महत्व पर जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि संग्रहालय के निर्माण से क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने के साथ-साथ पर्यटन को भी नई दिशा मिलेगी। इस पर अपर सचिव ने विरासत संरक्षण से जुड़े प्रयासों की सराहना करते हुए यथासंभव सहयोग का आश्वासन दिया तथा कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के माध्यम से प्रस्ताव तैयार कर भेजने की बात कही, ताकि आगे की प्रक्रिया को गति दी जा सके।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर 'मेधावी बेटियों सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन

अंबिकापुर। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आज राजमोहनी भवन, अम्बिकापुर में मेधावी बेटियाँ सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाना तथा समाज में बालिका शिक्षा और नारी सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करने हेतु नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसौदिया, महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरिमन्दर सिंह टिन्नी सहित पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली जिले की मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। कक्षा 10वीं में 97.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा भूमिका राजवाड़े को ?5000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इसी कक्षा में 97.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल करने वाली दिव्या चौहान एवं खुशबू बारिक को 3000-3000 की राशि से सम्मानित किया गया। वहीं 97.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली सामली तथा अदिति राजवाड़े को 2000-2000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

मिनियापोलिस एयरपोर्ट पर आईसीई विरोधी प्रदर्शन में करीब 100 धर्मगुरुओं को गिरफ्तार किया गया

लॉस एंजिल्स । अमेरिका के मिनियापोलिस-सेंट पॉल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिकी इमिग्रेशन एनफोर्समेंट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान लगभग 100 धर्मगुरुओं को गिरफ्तार किया गया। यह जानकारी प्रदर्शन आयोजित करने वाले समूह फेथ इन मिनेसोटा ने दी।

ग्रुप के अनुसार, एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 डिपार्चर एरिया में सड़क ब्लॉक करने के बाद इन धार्मिक नेताओं को स्थानीय पुलिस ने हिरासत में ले लिया। आयोजकों ने बताया कि प्रदर्शनकारी एयरलाइनों से, खासकर डेल्टा एयरलाइंस और सिग्नेचर एविएशन से मांग कर रहे थे कि वे मिनेसोटा में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) के साथ सहयोग बंद करें।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, 7 जनवरी को प्रवासन कार्रवाई के दौरान आईसीई के एजेंट जोनाथन रॉस की गोली से 37 वर्षीय अमेरिकी नागरिक और मां रेनी गुड की मौत हो गई थी, जिससे तनाव बढ़ गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि इस गोलीबारी के बाद मिनियापोलिस इलाके में रोजाना विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

आयोजकों ने बताया कि हवाई अड्डे पर धर्मगुरुओं ने मिलकर प्रार्थना की और उन लोगों की कहानियां साझा कीं जिन्हें आईसीई ने हिरासत में लिया है। फेथ इन मिनेसोटा ने बताया कि इसी हवाई अड्डे से अब तक करीब 2,000 लोगों को देश से बाहर भेजा गया है। वहीं यूनियन सदस्यों का कहना है कि आईसीई ने हवाई अड्डे के 12 कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया है। यह प्रदर्शन शुक्रवार को हुए एक बड़े आंदोलन का हिस्सा था, जिसे 'आईसीई आउट ऑफ मिनेसोटाः ए डे ऑफ ट्रुथ एंड फ्रीडम' नाम दिया गया। इसके तहत राज्य भर में 700 से ज़्यादा कारोबार बंद रहे। आयोजकों ने लोगों से काम पर न जाने, खरीदारी न करने और स्कूल न भेजने की अपील की। इसी दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने उस सड़क को भी रोक लिया जो बिशप हेनरी व्हिपल फेडरल बिल्डिंग तक जाती है, जहां आईसीई के दफ्तर हैं। हेनेपिन काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, कई घंटों तक प्रदर्शन चलता रहा।

बांग्लादेश में राजनीति में धर्म के बढ़ते इस्तेमाल पर चिंता, चुनावों में दिख रहा असरः रिपोर्ट

नई दिल्ली । बांग्लादेश में राजनीति, खासकर चुनावों के दौरान, धर्म के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर चिंता गहराती जा रही है। इस विषय पर देश के एक ऑनलाइन बांग्ला समाचार पोर्टल में प्रकाशित लेख में इस प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। बांग्लान्यूज24 वेबसाइट पर प्रकाशित एक लेख में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश (टीआईबी) के एक अध्ययन का हवाला देते हुए धार्मिक राजनीति के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लंबे समय से लोकतांत्रिक राजनीतिक माहौल की कमी, धार्मिक कट्टरता का प्रभाव और घरेलू, क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कट्टर राजनीतिक ताकतों के उभार ने देश में यह स्थिति पैदा की है।

रिपोर्ट के अनुसार, चुनावों के दौरान कुछ राजनीतिक दल और नेता किसी खास चुनाव चिन्ह के समर्थन पर 'जन्नत हासिल होने' जैसे वादे करते नजर आते हैं, जबकि कुछ अन्य इस्लामी कानूनों को लागू करने के नाम पर समर्थन मांगते हैं।

लेख में अफसोस जताया गया है कि सभ्यता के आधुनिक होने के बावजूद राजनीति में इस तरह के 'धार्मिक हथकंडे' लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इसमें आरोप लगाया गया है कि बांग्लादेश में लगभग सभी दल और नेता अपने-अपने राजनीतिक हित साधने के लिए धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि धर्म आधारित राजनीतिक दलों के नेता लंबे समय से धार्मिक परिधान पहनकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में नजर आते हैं और जनसंपर्क के दौरान धर्म का खुलकर प्रयोग करते हैं।

रिपोर्ट में बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी पर 'जन्नत का टिकट' देने जैसे वादों के जरिए वोट मांगने के आरोपों का भी जिक्र किया गया है। वहीं, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक वरिष्ठ नेता के हवाले से कहा गया है कि जमात की यह कोशिश 'अंधकार युग' जैसी धार्मिक चालों से मिलती-जुलती है।

लेख में यह भी बताया गया है कि चुनावी रैलियों में पुरुष नेता धार्मिक टोपी और महिलाएं दुपट्टा या सिर ढककर मंच पर दिखाई देती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, राजनीति में धर्म के इस्तेमाल का यह चलन 1991 के चुनावों में खुलकर सामने आया था, जब बीएनपी के चुनाव प्रचार में दावा किया गया था कि अगर अवामी लीग सत्ता में आई तो अजान बंद हो जाएगी और मस्जिदों में हिंदू रीति-रिवाज शुरू हो जाएंगे।

हालांकि, रिपोर्ट में अवामी लीग को भी इससे अलग नहीं माना गया है। इसमें कहा गया है कि पार्टी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 1996 के चुनाव अभियान में काले रंग का हेडस्कार्फ और लंबी बाजू का ब्लाउज पहनकर एक दरगाह से अपनी चुनावी यात्रा की शुरुआत की थी। रिपोर्ट के अनुसार, अब चुनावों में भाग लेने से प्रतिबंधित यह पार्टी पिछले पांच चुनावों में धर्म का इस्तेमाल करती रही है।

इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि इस्लामिक मूवमेंट बांग्लादेश, जिसने पहले जमात-ए-इस्लामी और नौ अन्य दलों के साथ चुनावी गठबंधन बनाया था, शरीयत कानून को लेकर मतभेद के बाद उस गठबंधन से अलग हो गया।

टीआईबी के अध्ययन का हवाला देते हुए लेख में बताया गया है कि फरवरी में होने वाले चुनाव में कुल 51 राजनीतिक दल भाग ले रहे हैं, जिनके 1,981 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें करीब 13 प्रतिशत उम्मीदवार निर्दलीय हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कुल उम्मीदवारों में इस्लामी दलों के उम्मीदवारों की हिस्सेदारी 36 प्रतिशत है, जो पिछले पांच चुनावों में सबसे अधिक है।

तुलनात्मक रूप से, 2024 के चुनावों में इस्लामी दलों के उम्मीदवारों की हिस्सेदारी 9.5 प्रतिशत थी। वहीं 2018 के संसदीय चुनावों में यह बढ़कर 29.66 प्रतिशत हो गई थी, जो 2026 के फरवरी चुनाव में 36 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि टीआईबी अध्ययन ने देश की आंतरिक राजनीति और प्रशासन में इस्लामी गतिविधियों के बढ़ते प्रभाव की ओर इशारा किया है।

अमेरिका : प्रतिनिधि सभा सदस्य ने सिख विरोधी नफरत को रोकने वाले बिल का समर्थन किया

वॉशिंगटन । अमेरिका में सिख समुदाय के खिलाफ भेदभाव और नफरत से जुड़ी घटनाओं को रोकने के लिए एक नया कानून अमेरिकी कांग्रेस की प्रतिनिधि सभा (यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में दोनों पार्टियों का समर्थन हासिल कर रहा है। अमेरिकी संसद के निचले सदन में इस विधेयक को दोनों दलों का साथ मिल रहा है। कैलिफोर्निया से डेमोक्रेट सांसद जो लोफग्रेन भी इसकी सह-प्रायोजक बन गई हैं।

इस प्रस्तावित कानून का नाम 'सिख अमेरिकन एंटी-डिस्क्रिमिनेशन एक्ट 2025' है, जिसे एच.आर. 7100 भी कहा जाता है। न्यू जर्सी के कांग्रेसी जोश गॉटहाइमर ने इस महीने की शुरुआत में यह बिल पेश किया था। अब इसे कैलिफ़ोर्निया की डेमोक्रेट और अमेरिकन सिख कांग्रेसनल कॉकस की वाइस चेयर लोफग्रेन का समर्थन मिल गया है। ज़ो लोफग्रेन ने कहा कि अमेरिका में किसी भी धर्म के लोगों को पूजा करने से डरना नहीं चाहिए। उन्होंने माना कि सिख अमेरिकियों के खिलाफ भेदभाव और नफरत की घटनाएं बढ़ी हैं, इसलिए न्याय विभाग को इस मुद्दे पर गंभीर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे सैन जोस में एक बड़े सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है, और मैं यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करूंगी कि संघीय सरकार सिख विरोधी भेदभाव से लड़े। वहीं जोश गॉटहाइमर ने कहा कि यह कानून सिख परिवारों और समुदाय के नेताओं से सीधे बातचीत के बाद लाया गया है। उनके अनुसार, यह विधेयक सरकार को सिख समुदाय के खिलाफ होने वाले नफरत भरे अपराधों को पहचानने, दर्ज करने और रोकने में मजबूत बनाएगा, ताकि हर अमेरिकी बिना डर अपने धर्म का पालन कर सके। उन्होंने कहा, 'नॉर्थ जर्सी में सिख परिवारों और समुदाय के नेताओं से सीधे बात करने के बाद, यह साफ है कि कांग्रेस को निर्णायक कार्रवाई करनी होगी। यह कानून इस बात को मजबूत करेगा कि हमारी संघीय सरकार सिख विरोधी नफरत वाले अपराधों को कैसे परिभाषित करती है, ट्रैक करती है और रोकती है ताकि हर अमेरिकी अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से और सुरक्षित रूप से पालन कर सके। अगर यह कानून पारित हो जाता है, तो अमेरिकी न्याय विभाग में 'सिख विरोधी भेदभाव पर कार्यबल' बनाया जाएगा। यह कार्यबल सिख विरोधी नफरत की एक स्पष्ट परिभाषा तय करेगा, स्कूलों, पुलिस और विश्वविद्यालयों के लिए जागरूकता कार्यक्रम तैयार करेगा और हर साल संसद को रिपोर्ट देगा। इस विधेयक को सिख समुदाय के कई राष्ट्रीय संगठनों का समर्थन मिला है। उनका कहना है कि सिखों के खिलाफ भेदभाव रोकने के लिए संघीय स्तर पर तुरंत और ठोस कदम उठाना ज़रूरी है। इनमें सिख गठबंधन, सिख अमेरिकन लीगल डिफेंस एंड एजुकेशन फंड और अमेरिकन सिख कॉकस कमेटी शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने अमेरिकी आव्रजन प्रवर्तन में दुर्व्यवहार की आलोचना की

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने एक बयान में अमेरिकी आव्रजन प्रवर्तन में बार-बार दुर्व्यवहार की कड़ी आलोचना की है। मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने प्रवासियों और शरणार्थियों के साथ दुर्व्यवहार और अपमान को लेकर कहा कि मानवीय गरिमा और उचित प्रक्रिया अधिकारों का सम्मान होना चाहिए।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा कि गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए कई लोगों को समय पर कानूनी सलाह और अपनी हिरासत व निष्कासन के फैसलों का विरोध करने के प्रभावी साधन नहीं मिल पाते हैं। तुर्क ने अमेरिका से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि उसकी प्रवासन नीतियां और प्रवर्तन कार्रवाई मानवीय गरिमा और उचित प्रक्रिया अधिकारों का सम्मान करे।

उन्होंने अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) की हिरासत में होने वाली मौतों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वतंत्र और पारदर्शी जांच की भी मांग की। बयान के अनुसार, पिछले साल कम से कम 30 ऐसी मौतें हुई थीं, जबकि इस साल अब तक छह और मौतें हुई हैं।

इसी साल 7 जनवरी को मिनियापोलिस में एक संघीय प्रवर्तन अभियान के दौरान एक आईसीई एजेंट ने 37 वर्षीय अमेरिकी नागरिक को गोली मार दी। एक हफ्ते बाद उसी इलाके में एक और आईसीई एजेंट ने एक वेनेजुएला के अप्रवासी को गोली मार दी, जिसके कारण लोगों का आक्रोश देखने को मिला। इसी बीच जानकारी आई कि अमेरिकी मिनियापोलिस-सेंट पॉल अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर अमेरिकी आव्रजन प्रवर्तन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान लगभग 100 पादरी सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। फेथ इन मिनेसोटा समूह के अनुसार, एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 परिसर क्षेत्र में सड़कों को अवरुद्ध करने के बाद स्थानीय पुलिस ने इन धार्मिक नेताओं को हिरासत में ले लिया। आयोजकों ने कहा कि प्रदर्शनकारी एयरलाइंस, विशेष रूप से डेल्टा एयर लाइन्स और सिग्नेचर एविएशन से, मिनेसोटा में अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन के अभियानों में सहयोग बंद करने का आह्वान कर रहे थे।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट पर पादरी सदस्यों ने एक साथ प्रार्थना की, भजन गाए और आईसीई की ओर से हिरासत में लिए गए लोगों के बारे में जानकारियां दीं। फेथ इन मिनेसोटा ने बताया कि एयरपोर्ट से अनुमानित दो हजार लोगों को निर्वासित किया गया है। यूनियन सदस्यों ने यह भी बताया कि आईसीई ने 12 एयरपोर्ट के कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है।

यूएन में ईरान का समर्थन कर भारत ने पश्चिमी देशों को दिया संदेश, राजदूत फथाली ने जताई कृतज्ञता

तेहरान/नई दिल्ली। भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली ने शनिवार को तेहरान के लिए भारत सरकार के सिद्धांतों पर आधारित और पक्के समर्थन के लिए दिल से शुक्रिया जताया। दरअसल, ईरान में मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर पश्चिमी देशों द्वारा संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में एक प्रस्ताव लाया गया। इस प्रस्ताव के खिलाफ भारत ने ईरान का समर्थन किया।

ईरानी राजदूत मोहम्मद फथाली ने एक्स पर लिखा, 'मैं संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में ईरान की इस्लामिक गणराज्य का समर्थन करने के लिए भारत सरकार के सैद्धांतिक और दृढ़ समर्थन के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं, जिसमें एक अन्यायी और राजनैतिक प्रेरित प्रस्ताव का विरोध भी शामिल है। यह रुख न्याय, बहुपक्षवाद और राष्ट्रीय संप्रभुता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पश्चिमी देशों ने ईरान के खिलाफ सख्त रुख अपनाने के लिए इस प्रस्ताव को पेश किया। इस प्रस्ताव के माध्यम से ईरान में 28 दिसंबर से शुरू हुए प्रदर्शनों के दौरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारीयों पर हुई हिंसक कार्रवाई की कड़ी निंदा की गई, हालांकि भारत समेत ग्लोबल साउथ के कई देशों ने इसे पश्चिमी एजेंडा बताकर प्रस्ताव का विरोध किया और नो के पक्ष में वोट दिया। प्रस्ताव के पक्ष में 25 वोट, जबकि विरोध में 7 वोट मिले। इसके अलावा 14 देशों ने अपना वोट मामले से दूरी बनाते हुए एब्स्टेन में किया। ईरान के समर्थन में भारत का 'नो' वाला वोट वैश्विक राजनीति की डायनेमिक्स में बड़े बदलाव का संकेत देता है। ईरान के खिलाफ इस प्रस्ताव में फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, यूरोपीय यूनियन, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, अर्जेंटीना, चिली और कोस्टा रिका समेत अन्य देश हैं। ऐसे में भारत का ईरान के समर्थन में खड़ा होना दो खास बातों की ओर ध्यान खींच रहा है। पहला कि भारत ने एक संदेश यह दिया है कि भारत कभी किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखलअंदाजी का समर्थन नहीं करेगा। यही भारत की विदेश नीति भी है।

यूरोपीय काउंसिल की अध्यक्ष उर्सुला वॉन पहुंची भारत, गणतंत्र दिवस समारोह में होंगी मुख्य अतिथि

नई दिल्ली । यूरोपीय काउंसिल (ईसी) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन शनिवार को भारत पहुंच चुकी हैं। भारत में केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने ईसी अध्यक्ष का स्वागत किया। ईयू नेताओं के इस दौरे को बेहद खास दृष्टिकोण से देखा जा रहा है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि जल्द ही दोनों पक्षों के बीच मुक्त व्यापार समझौते का ऐलान हो सकता है। विदेश मंत्रालय ने ईसी अध्यक्ष के भारत पहुंचने की जानकारी दी।

बता दें कि भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच एफटीए को लेकर वार्ता अपने अंतिम चरण में है। उच्च अधिकारियों का कहना है कि एफटीए सभी समझौतों की मां है। इस बीच विदेश मंत्रालय ने एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा, 'भारत-ईयू साझेदारी स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के अगले चरण की रूपरेखा। यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन का भारत के उनके राजकीय दौरे पर हार्दिक स्वागत। कॉमर्स और इंडस्ट्री और इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने उनका स्वागत किया। दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र होने के नाते, भारत और यूरोपीय यूनियन आपसी भरोसे और साझा मूल्यों पर आधारित पार्टनरशिप शेयर करते हैं।

अपने दौरे पर वह यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा के साथ भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल होंगी। यह भारत-ईयू संबंधों में एक अहम पड़ाव होगा।

यूरोपीय संघ के विदेश मामलों और सुरक्षा नीति की उच्च प्रतिनिधि और उपाध्यक्ष काजा कैलास भी शनिवार को अपने पहले आधिकारिक दौरे पर भारत पहुंचीं। विदेश मंत्रालय ने इस दौरे को भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए सही समय पर बताया। दोनों पक्षों के बीच लगातार उच्च स्तरीय बातचीत हो रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इस दौरे की घोषणा की। उन्होंने इसे द्विपक्षीय संबंधों के लिए सही समय पर अहम बताया।

रणधीर जायसवाल ने कहा, 'ईयू एचआरवीपी काजा कैलास का ईयू हाई रिप्रेजेंटेटिव वाइस प्रेसिडेंट के तौर पर भारत के अपने पहले आधिकारिक दौरे पर हार्दिक स्वागत है। यह दौरा भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए एक सही समय पर हो रहा है, जो नियमित उच्च स्तरीय एंगेजमेंट की रफ्तार को आगे बढ़ाएगी।

राष्ट्रीय मतदाता दिवसः लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत का जश्न, जो तय करती है नेतृत्व की दिशा

नई दिल्ली। देशवासियों के लिए 25 जनवरी को लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत को याद करने का अवसर है। वही ताकत जो यह तय करती है कि पंचायत से लेकर देश की सत्ता पर कौन राज करेगा। इस दिन पूरा देश राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाता है। यह सिर्फ एक तारीख नहीं है, बल्कि यह उस भरोसे का उत्सव है, जिसके सहारे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र खड़ा है, हर वोट मायने रखता है।

भारत के गणतांत्रिक बनने से ठीक एक दिन पहले भारत निर्वाचन आयोग का गठन 25 जनवरी 1950 को हुआ। यह संयोग नहीं, बल्कि एक संदेश था कि गणतंत्र की आत्मा तभी जीवित रहेगी जब जनता की आवाज सुनी जाएगी। इसी ऐतिहासिक दिन को यादगार बनाने और चुनावी भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने 2011 से राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। तब से हर साल यह दिन नागरिकों को उनके अधिकार और कर्तव्य—दोनों की याद दिलाता है।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में नागरिक लोकतंत्र के प्रति अपनी निष्ठा की शपथ लेते हैं कि हम अपने मताधिकार का प्रयोग सोच-समझकर करेंगे, डर या लालच से नहीं। लोकतंत्र में आम आदमी का वोट ही सबसे बड़ा हथियार है। एक वोट सरकार बदल सकता है, नीतियों की दिशा तय कर सकता है और देश के भविष्य की पटकथा लिख सकता है। यही कारण है कि मतदाता दिवस हमें याद दिलाता है कि सही प्रतिनिधि का चुनाव उतना ही जरूरी है जितना मतदान करना, क्योंकि एक सही निर्णय विकास का रास्ता खोलता है और एक गलत चुनाव वर्षों की कीमत वसूल सकता है।

भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी युवा है। यह आंकड़ा नहीं, संभावना है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का एक प्रमुख उद्देश्य नए और युवा मतदाताओं का नामांकन बढ़ाना और उन्हें चुनावी प्रक्रिया से जोड़ना है। युवा जब वोट करते हैं, तो वे सिर्फ आज का नहीं, आने वाले दशकों का भारत चुनते हैं। एक ऐसा भारत जो सांप्रदायिकता और जातिवाद से ऊपर उठकर शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और विकास की बात करे, पॉलिसी बनाने की बात करे। राष्ट्रीय मतदाता दिवस नागरिकों के बीच चुनावी जागरूकता फैलाने का मंच है। मतदान की प्रक्रिया, आचार संहिता, मतदाता सूची में नामांकन, और निष्पक्ष चुनाव की अहमियत। यह दिन बताता है कि लोकतंत्र सहभागी चाहता है। यह दिन देशवासियों को याद दिलाता है कि लोकतंत्र किसी एक संस्था का नहीं, बल्कि हर नागरिक का साझा सपना है। मतदान अधिकार है, लेकिन उससे भी बड़ा दायित्व है। जब हम वोट देते हैं तो हम सिर्फ एक बटन नहीं दबाते। दरअसल, हम अपने, अपने बच्चे, परिवार और अपने देश के भविष्य पर हस्ताक्षर करते हैं।

शत्रुघ्न सिन्हा ने सुभाष घई को खास अंदाज में जन्मदिन की दी बधाई, शेयर कीं अनदेखी तस्वीरें

मुंबई । मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई शनिवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने एक भावुक मैसेज लिखा। उन्होंने सुभाष घई को 'प्रिय दोस्त' और 'एफटीआईआई' (फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया) के दिनों का करीबी दोस्त बताया। शत्रुघ्न सिन्हा ने लिखा, 'शानदार फिल्ममेकर और मास्टर 'शो मैन' सुब्रह्मण्यम घई को ढेरों शुभकामनाएं। आने वाले साल आपके लिए सफलता, अच्छी सेहत, खुशी, समृद्धि, और हमेशा खुशियां लेकर आएं।

उन्होंने सुभाष घई की पत्नी और बेटियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'रहीं भाभी और आपकी प्यारी बेटियां मेघना और मुस्कान को भी मेरा दिल से नमन। अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा के इस पोस्ट से दोनों के लंबे रिश्ते और दोस्ती साफ नजर आती है कि दोनों एक दूसरे के साथ मजबूत बॉन्ड शेयर करते हैं।

शत्रुघ्न और सुभाष घई इंडस्ट्री के बड़े नाम हैं। दोनों ने कालीचरण, खान दोस्त और विश्वनाथ जैसी फिल्मों में साथ में काम किया है। दोनों की दोस्ती एफटीआईआई के दिनों से है, जब वे साथ पढ़ते थे और संघर्ष के दौर से गुजरे थे।

सुभाष घई की फिल्में 'कालीचरण', 'हीरो', 'सौदागर', 'खलनायक', और 'तौहीन' ने दर्शकों को खूब मनोरंजन दिया। साथ ही, उन्होंने कई सुपरस्टार्स को लॉन्च किया और अपनी फिल्मों से इंडस्ट्री में नई ऊंचाइयां छुईं। उनके द्वारा लॉन्च की गई लगभग हर हीरोइन का नाम 'एम' अक्षर से शुरू होता था, जैसे फिल्म 'हीरो' में मीनाक्षी शेषाद्री, 'राम-लखन' में माधुरी दीक्षित, 'सौदागर' में मनीषा कोइराला और 'परदेस' में महिमा चौधरी।

डिसनायके सरकार का एक वर्ष : निराशाओं के बावजूद लोगों का विश्वास बरकरार

सुगेश्वर सेनाधिरा

श्रीलंका में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व में शासन का दूसरा वर्ष शुरू हो चुका है, और अधिकांश आलोचकों का दावा है कि कई महत्वपूर्ण वादे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं, जिससे सरकार की राजनीतिक विश्वसनीयता और जवाबदेही पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि 15 महीने पुरानी सरकार की उपलब्धियों और विफलताओं का निर्णायक विश्लेषण करना उचित नहीं है, क्योंकि उसके पास सितंबर 2024 के राष्ट्रपति चुनाव और नवंबर 2025 के संसदीय चुनावों में जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए अभी 45 महीने का समय है, फिर भी अधिकांश लोग निराशा और हताशा का भाव प्रदर्शित कर रहे हैं।

शायद एकमात्र अपवाद उत्तर और पूर्वी तमिल बहुल क्षेत्र हैं, जहाँ के लोग अब भी सरकार द्वारा किए गए घोषणापत्र के वादों को पूरा करने की उम्मीद बनाए हुए हैं। पिछले सप्ताह इस स्तंभकार ने जाफना में तमिल लोगों के एक बड़े समूह से बात की और पाया कि राष्ट्रपति दिसानायके के बारे में अधिकांश लोगों का दृष्टिकोण सकारात्मक था, हालांकि कुछ लोगों ने प्रांतों को शक्तियों के हस्तांतरण में देरी और लंबे समय से लंबित प्रांतीय परिषद चुनावों पर गतिरोध को लेकर चिंता व्यक्त की।

जाफना स्टेशन मास्टर शनमुगम अलीराज ने कहा कि सरकार ने कुछ प्रतिबद्धताओं को पूरा किया है, लेकिन उसके कई प्रमुख वादे अभी भी पूरे नहीं हुए हैं । उन्होंने कहा कि अब रेलवे कर्मचारियों और पुलिसकर्मियों में अधिकांश तमिल हैं। यह तीन दशकों के संघर्ष काल से बिलकुल उलट है, जब तमिल युवाओं ने सरकारी सेवाओं में शामिल होने से इनकार कर दिया था।

दिसानायके सरकार की सफलताओं और सकारात्मक परिणामों को शासन , नीतिगत दिशा और सुधार-उन्मुखीकरण के रूप में देखा जाता है , न कि उनके अपेक्षाकृत कम समय के कार्यकाल को देखते हुए दीर्घकालिक परिणामों के रूप में। सरकार ने व्यक्तिगत ईमानदारी, विनम्रता और सुलभता से परिपूर्ण नेतृत्व शैली को प्रदर्शित करके जनता के बीच व्याप्त संशय को काफी हद तक कम किया है , जो अतीत के अहंकार और अलगाव से बिल्कुल विपरीत है।

सफलताएँ और असफलताएँ

उपरोक्त क्षेत्रों में अच्छे अंक प्राप्त करने के बावजूद, कुछ ऐसे मुद्दे हैं जहाँ प्रतिबद्धताएँ अधूरी या अनदेखी बनी हुई हैं। एक महत्वपूर्ण वादा जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है, वह है कठोर कानूनों में सुधार करना , जिसमें आतंकवाद निवारण अधिनियम (पीटीए) को निरस्त करना भी शामिल है, जो नागरिक स्वतंत्रता को मजबूत करने का एक लंबे समय से किया गया वादा है। लोग सरकार से शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद करते हैं, जिसका नेतृत्व एक पूर्व कट्टरपंथी पार्टी कर रही है जिसने आपातकालीन नियमों और पीटीए के तहत अत्यधिक दमन का सामना किया है।

सरकार ने पारदर्शिता और लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रांतीय परिषद के चुनाव समय से पहले कराने हेतु आवश्यक कदम नहीं उठाए हैं। कानूनी अड़चनों के कारण स्थगित चुनावों को सुगम बनाने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने का भी अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

सरकार के पास संसद में भारी बहुमत होने के बावजूद , कार्यपालिका राष्ट्रपति पद को समाप्त करने और प्रांतों को शक्ति हस्तांतरित करने जैसे व्यापक संवैधानिक सुधारों पर गंभीरता से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कार्यपालिका राष्ट्रपति पद को समाप्त करना कई पूर्व राष्ट्रपतियों का चुनावी वादा था। लेकिन सत्ता में आने और राष्ट्रपति प्रणाली की अपार शक्तियों का लाभ उठाने के बाद उन्होंने अपना इरादा बदल दिया।

उत्तरी राजनीतिक दलों ने बार-बार प्रांतीय परिषद चुनावों को शीघ्र कराने की मांग की है। उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर से भी आग्रह किया कि वे श्रीलंका सरकार पर शीघ्र चुनाव कराने के लिए दबाव डालें। तमिल नेशनल अलायंस (टीएनए) के कार्यकर्ता मयूरन पिल्लई ने इस स्तंभकार को बताया, 'भारत 1987 के भारत-लंका समझौते का हस्ताक्षरकर्ता होने के नाते दायित्व निभाता है, जिसके तहत प्रांतीय परिषदों की स्थापना की गई थी।

जाफना के मशहूर फॉक्स रिज़ॉर्ट के असिस्टेंट मैनेजर डेविड थंबिया ने कहा कि सबसे अमूर्त लेकिन महत्वपूर्ण सफलता युवाओं, शिक्षाविदों और पेशेवरों की नवप्रवर्तित राजनीतिक भागीदारी है , जिनमें से कई पिछली सरकारों के दौरान राजनीति से विमुख हो गए थे या पलायन कर गए थे। उन्होंने कहा कि अधिकांश कर्मचारी तमिल युवा हैं।

महाराजा ग्रुप के मालिक का आलीशान बंगला, जिसका इस्तेमाल लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) के कब्जे के दौरान तमिल उग्रवादियों द्वारा किया जाता था, अब एक हॉलिडे रिसॉर्ट में बदल दिया गया है। इसमें एलटीटीई प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरन और खुफिया प्रमुख पोट्टू अम्मान द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले दो बंकर भी हैं। फॉक्स रिसॉर्ट ने इन्हें एक आर्ट गैलरी में रूपांतरित कर दिया है और विडंबना यह है कि कला संग्रह में सबसे प्रमुख कृति 1940 के दशक में डेविड पेंटर द्वारा बनाया गया शांतिदूत महात्मा गांधी का चित्र है।

वाक्पटुता और वास्तविकता

नागरिक समाज और विपक्षी दलों ने कथनी और करनी में अंतर को लेकर विशेष रूप से मुखरता दिखाई है । कई टिप्पणीकारों का तर्क है कि सरकार द्वारा प्रमुख सुधारों को लागू करने में विफलता सार्वजनिक अपेक्षा और राजनीतिक कार्रवाई के बीच बढ़ती खाई को दर्शाती है।

जनमत, विशेषकर युवाओं और नागरिक समाज समूहों के बीच, बढ़ती निराशा को दर्शाता है । कई श्रीलंकाई लोगों ने बेहतर शासन, आर्थिक स्थिरता और पारदर्शिता की उम्मीद में व्यापक बदलाव के लिए मतदान किया। लेकिन आलोचकों का तर्क है कि क्रमिक प्रगति ठोस सुधार का विकल्प नहीं हो सकती ।

कोलंबो स्थित वेरिटे रिसर्च द्वारा बनाए गए एक प्रतिज्ञा-ट्रैकिंग टूल के अनुसार, राष्ट्रपति दिसानायके के 2024 के चुनाव घोषणापत्र से लिए गए और 2026 के बजट ढांचे से जुड़े 30 प्रमुख वादों में से 10 वादे (33%) पूरी तरह से पूरे हो चुके हैं , 10 (33%) प्रगति पर हैं , 9 में कोई स्पष्ट प्रगति नहीं दिखी है, और 1 वादे को विफल के रूप में वर्गीकृत किया गया है ।

अगले दो साल महत्वपूर्ण

इससे स्पष्ट राजनीतिक संदेश मिल गया है कि भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार ने नागरिक नेतृत्व वाली पुलिस व्यवस्था और कानून के शासन पर जोर दिया है , और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखते हुए कठोर सुरक्षा उपायों से परहेज किया है।

सरकार द्वारा किए गए अनावश्यक सरकारी खर्चों में कटौती की जनता ने सराहना की है। विलासितापूर्ण सुविधाओं, वाहनों के अत्यधिक बेड़े, विदेश यात्राओं और औपचारिक खर्चों में कटौती से राजकोषीय अनुशासन में सुधार हुआ है और सामूहिक त्याग का संदेश मिला है।

राज्य संस्थानों, नियामक निकायों और राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों (एसओई) में नियुक्तियों में व्यावसायिकता और सक्षमता की ओर स्पष्ट बदलाव के साथ योग्यता-आधारित सार्वजनिक नियुक्तियां , जिससे राजनीतिकरण में कमी आई है, एक और स्पष्ट सुधार है।

भारी कर्ज के बोझ तले दबे देश के लिए घरेलू विकास, निर्यात और अवसंरचना विकास को गति देने के लिए संसाधन जुटाना आसान नहीं है। उसे अवसंरचना संबंधी प्राथमिकताओं, सामाजिक व्यय और चल रहे आर्थिक सुधारों के बीच सावधानीपूर्वक संतुलन बनाए रखना होगा। अगले दो साल सरकार के लिए महत्वपूर्ण होंगे ताकि वह कम से कम चल रही परियोजनाओं को पूरा कर सके और प्रमुख वादों को पूरा करते हुए उन शेष परियोजनाओं को भी शीघ्र कार्यान्वयन के लिए शुरू कर सके जिन्हें अस्थायी रूप से रोक दिया गया था।

(लेखक, जो श्रीलंका के पूर्व राजनयिक हैं, राजनीतिक और रणनीतिक मामलों के टिप्पणीकार हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं। उनसे sugeeswara@gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है ।)

बोर्ड ऑफ पीस : ट्रंप का नया 'ट्रंप-कार्ड'

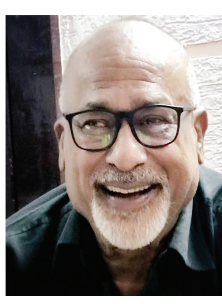

डॉ. सुधीर सक्सेना

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस की शक्ल में अपना ट्रंप-कार्ड यानि तुरूप का पत्ता चल दिया है। बोर्ड ऑफ पीस यानि पीस क्लब को शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं मिलने से खफा ट्रंप का अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का उपक्रम माना जा रहा है। उन्होंने पैंसठ देशों के राष्ट्राध्यक्षों को इससे जुड़ने का न्यौता भेजा है और इसका सदस्यता शुल्क होगा एक अरब डॉलर। ट्रंप इस क्लब के चेयरमैन हैं और इसकी कार्यकारिणी में उनके दामाद जोरड कुश्नर और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर समेत अनेक राजनयिक और धन्नासेठ शामिल हैं। गौरतलब है कि यूएसए के दूसरी बार निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने स्वयं को वेनेजुएला का राष्ट्रपति घोषित करने के साथ ही ग्रीनलैंड पर दावा ठोंक रखा है और वह कनाडा को अमेरिकी राज्य के तौर पर देखने का सपना पाले हुये हैं।

बोर्ड ऑफ पीस की स्थापना की गाथा गत वर्ष युद्ध जर्जर गाजा में शांति-स्थापना की पहल से होती है। अक्टूबर, सन 2023 से प्रारंभ युद्ध में इस्रायली कार्रवाई से फलस्तीन को बड़े पैमाने पर तबाही का सामना करना पड़ा। अगस्त-सितंबर में ट्रंप ने टोनी ब्लेयर के सहयोग से गाजा में आंतरिक प्रशासन और आर्थिक बहाली की योजना प्रस्तुत की। प्रस्ताव को इस्रायल और हमास ने कुबूल कर लिया। 12 अक्टूबर को ब्लेयर फलस्तीन के उपराष्ट्र?पति हुसैन अल शेख से जोर्डन में मिले। वार्ता सफल रही और उसी शाम ट्रंप ने गाजा-युद्ध के खात्मे और बोर्ड ऑफ पीस के गठन का ऐलान कर दिया। गाजा में युद्ध विराम एक बड़ी घटना थी, लिहाजा संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद ने प्रस्ताव क्रमांक 2803 के जरिये इसका स्वागत किया। जश्न के तौर पर 13 अक्टूबर, 25 को मिस्र में शर्म-अल-शेख में बैठक हुई। इसी क्रम में हमास के प्रवक्ता हाजेम कासिम की शीघ्र टेक्नालाजिकल कमेटी के गठन का बयान सामने आया। ट्रंप का अभियान बाला-बाला चलता रहा और अंततः 14 जनवरी को ट्रंप ने विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों को बोर्ड ऑफ पीस से जुड़ने का दावतनामा भेज दिया। अगले ही दिन उन्होंने दंभोक्ति की कि बोर्ड ऑफ पीस दुनिया में कभी भी और कहीं भी गठित किसी भी संगठन से अधिक प्रतिष्ठापूर्ण उपक्रम है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद होगा संकटग्रस्त इलाकों में शांति स्थापना, भरोसेमंद और वैध-प्रशासन की बहाली तथा स्थायित्व को बढ़ावा। सहज समझा जा सकता है कि ट्रंप संयुक्त राष्ट्र संघ के समांतर एक पृथक वैश्विक संगठन की इमारत की ईंटे चिन रहे हैं।

बोर्ड आफ पीस की कार्यकारिणी से इस संभावना को बल मिलता है कि ट्रंप इसे निजी क्लब के तौर पर चलाना चाहते हैं। उनका यह उपक्रम शांति स्थापना से अधिक अपनी ताकत और दबदबा बढ़ाने का हथकंडा अधिक लगता है। तो क्या वे यूएनओ को दरकिनार करना चाहते हैं। उन्होंने चेहरे चुन लिये है। इनमें उनके मित्र है, मंत्री हैं और सलाहकार हैं। वह अकारण नहीं है कि इसे उनके अहंकार या दंभ से जोड़कर देखा जा रहा है। मध्यपूर्व में यूएनओ के समन्वयक रहे निकोलाई म्लादेनोव इसके डायरेक्टर जनरल होंगे। कार्यकारिणी के अन्य सदस्य हैं अमेरिका के सेक्रेट्री ऑफ स्टेट मार्को रूबियो, मध्यपूर्व में विशेष दूत स्टीव विटकोफ दामाद कुशनर, ब्रिटन के पूर्व पीएम टोनी ब्लेअर, अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट के मार्क रोवान, राजनीतिक सलाहकार रॉबर्ट गैब्रिएल और वर्ल्ड बैंक के भारतीय मूल के अध्यक्ष अजयपाल सिंह बंगा।

ट्रंप के न्यौते पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने शिरकत की तस्दीक की हैं, वहीं तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगान की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है। अल्बानिया के पीएम एदी रामा ने भी आमंत्रण स्वीकार कर लिया है और इसे विश्व मंच पर अल्बानिया की बढ़?ती प्रतिष्ठा का द्?योतक बताया है। अजरबैजान ने जहां इंकार कर दिया है, वहीं फ्रांस के इमैनुएल मैक्रों ने ट्रंप को ठेंगा दिखा दिया है। बड़ी संख्या में मुस्लिम और यहूदी आबादी के अलावा समता, स्वतंत्रता और भ्रातृत्व में फ्रांसीसी निष्ठा जग जाहिर है। अमेरिका का स्टेचू ऑफ लिबर्टी फ्रांस का ही उपहार है। दूसरे योरोपियन यूनियन का हिमायती फ्रांस अमेरिका का पिछ लग्गू नहीं बनना चाहता। मैक्रों के इंकार से क्षुब्ध ट्रंप का नजला फ्रेंच वाइन और शैंपेन पर गिरा है और उन्होंने इन पर टैरिफ दो सौ फीसद बढ़ा दिया है।

नींद की कमी छीन सकती है चेहरे और बालों की चमक, जान लें इसके बड़े नुकसान

नई दिल्ली । बाजार में एक से बढ़कर एक प्रोडक्ट मौजूद हैं, जो बालों और स्किन की सुंदरता और मजबूती को बढ़ाने का वादा करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये महंगे प्रोडक्ट भी बेकार हैं जब तक नींद पूरी न हो ?

नींद की कमी बालों और त्वचा को नुकसान पहुंचाती है, जिसकी भरपाई महंगे प्रोडक्ट भी नहीं कर पाते। जब शरीर को पूरी नींद नहीं मिलती है, तो पूरा शरीर प्रभावित होता है और इसका असर धीरे-धीरे चेहरे और बालों पर दिखना शुरू हो जाता है। नींद की कमी से चेहरे का रिपेयर सिस्टम कमजोर हो जाता है, कोलेजन कम बनने लगता है। झुर्रियां जल्दी दिखने लगती हैं या यूं कहें कि उम्र से पहले ही बुढ़ापा आ जाता है और चेहरे पर पिंपल होने लगते हैं।

वहीं, बाल झड़ने लगते हैं, बालों में रुखापन बढ़ जाता है और बाल समय से पहले सफेद हो जाते हैं और सबसे बड़ा नुकसान यह है कि नींद की कमी स्ट्रेस हार्मोन को ट्रिगर करती है, जिससे बिना कारण अवसाद और चिंता महसूस होने लगती है और चिड़चिड़ापन होने लगता है।

नींद की कमी से शरीर में सबसे पहले हार्मोन असंतुलित होता है और धीरे-धीरे नींद की कमी से पाचन की गति भी धीमी हो जाती है। पाचन की कमी से शरीर को पूरा पोषण नहीं मिलता और उसका प्रभाव भी बालों को जड़ों से कमजोर बनाता है। इसलिए खूबसूरत स्किन और बाल सिर्फ महंगे प्रोडक्ट से नहीं मिलते हैं, बल्कि पूरी नींद से मिलते हैं।

पूरी नींद से शरीर को मरम्मत का पूरा समय मिलता है। रात के समय ली गई नींद शरीर को डिटॉक्स करने का काम करती है और शरीर के विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करती है। विषाक्त पदार्थों के बाहर निकलने की प्रक्रिया चेहरे की रंगत और रक्त की शुद्धि को बढ़ाती है और चेहरा चांद सा खिल उठता है।

8 घंटे की नींद को हमेशा ब्यूटी स्लीप कहा जाता है। 8 घंटे की नींद के बाद मस्तिष्क हैप्पी हॉर्मोन का उत्पादन ज्यादा करता है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। स्ट्रेस पर नियंत्रण बालों के झड़ने पर लगाम लगाता है और साथ ही चेहरे पर झुर्रियां भी नहीं आती।

छोड़े गए अमेरिकी हथियार आतंकवादियों को सशक्त बना रहे हैं और पाकिस्तान तथा क्षेत्रीय सुरक्षा को कमजोर कर रहे हैं

सारा नाज़िर

हाल ही में हुई घटना, जिसमें टीटीपी कार्यकर्ता हरार सटोरियानी ने कथित तौर पर अफगान तालिबान द्वारा आपूर्ति की गई अमेरिकी एम4 असॉल्ट राइफल को अनबॉक्स करते हुए खुद का वीडियो बनाया, पाकिस्तान के लिए बढ़ती और चिंताजनक सुरक्षा चुनौती को उजागर करती है। यह फुटेज एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर प्रसारित किया गया, जो दर्शाता है कि आतंकवादी अपने अभियानों और प्रचार को प्रसारित करने के लिए सोशल मीडिया का किस प्रकार तेजी से उपयोग कर रहे हैं। अगस्त 2021 में वाशिंगटन की अफगानिस्तान से वापसी के बाद छोड़े गए ये अमेरिकी मूल के हथियार अब पाकिस्तान की पश्चिमी सीमाओं पर आतंकवादियों के हाथों में हैं, जिससे पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ उनकी परिचालन क्षमता में काफी वृद्धि हुई है।

अमेरिका के अफगानिस्तान से चले जाने के बाद, लगभग 7 अरब डॉलर मूल्य के सैन्य उपकरण - जिनमें एम4 और एम16 राइफलें, नाइट-विज़न उपकरण और उन्नत सामरिक साजो-सामान शामिल हैं - अफगानिस्तान में ही रह गए। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों और स्वतंत्र विश्लेषणों से पुष्टि होती है कि इन हथियारों का एक बड़ा हिस्सा उन आतंकवादी नेटवर्कों को भेजा गया है जो पाकिस्तान को निशाना बनाते हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा की गई ज़ब्ती से खतरे की भयावहता का पता चलता हैः अकेले मई 2025 में, अफगान सेना को आपूर्ति की गई 63 राइफलें टीटीपी (अफगानिस्तान आतंकवादी समूह) के सदस्यों से बरामद की गईं। मार्च 2025 में, बलूचिस्तान ट्रेन हमले में इस्तेमाल की गई तीन अमेरिकी निर्मित राइफलों का पता अफगान मूल के भंडारों से लगाया गया। नाइट-विज़न उपकरण, जिनकी शुरुआती कीमत लगभग 2,000 डॉलर प्रति यूनिट थी, तालिबान के सत्ता संभालने के बाद कथित तौर पर काले बाजारों में मात्र 300 डॉलर में बेचे गए। इस भारी गिरावट से उच्च श्रेणी के सैन्य उपकरणों की व्यापक अवैध बिक्री उजागर होती है, जिससे खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और आसपास के जिलों में हमलों की मारक क्षमता और सटीकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

सामरिक दृष्टि से इसके गंभीर परिणाम हैं। अमेरिकी निर्मित असॉल्ट राइफलों और नाइट-विज़न उपकरणों से लैस आतंकवादी फ्रंटियर कोर के काफिलों, पुलिस गश्ती दल और सैन्य चौकियों पर सटीक हमले कर सकते हैं - ये ऐसे लक्ष्य थे जिन पर पहले इतनी कुशलता से हमला करना मुश्किल था। हरार सटोरियानी की घटना, जो सोशल मीडिया पर खूब फैली, न केवल इन समूहों की परिचालन क्षमता को दर्शाती है, बल्कि अफगान तालिबान द्वारा जानबूझकर की गई सहायता को भी उजागर करती है, जो आतंकवादी खतरे के सीमा पार आयाम का संकेत देती है। उन्नत हथियारों की आपूर्ति करके, तालिबान ने असममित हमलों को संभव बनाया है, जिससे पाकिस्तान के सुरक्षा तंत्र को भारी जान-माल का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

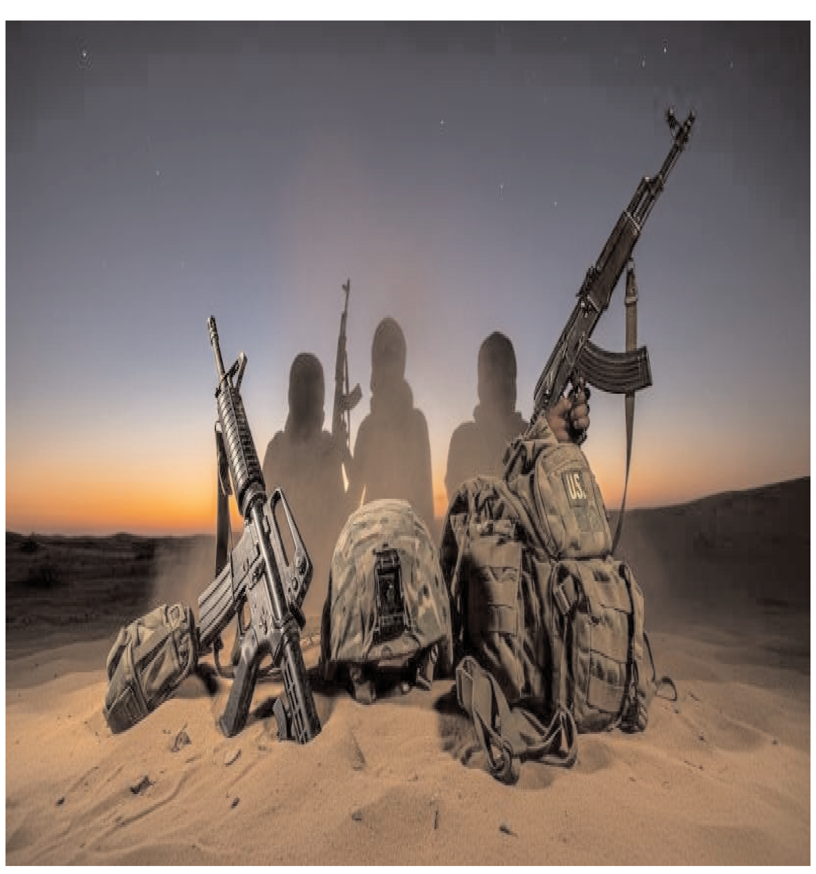

सैन्य श्रेणी के उपकरणों का डायवर्जन

ज़ब्त किए गए हथियारों और ऑपरेशनल पैटर्न के विश्लेषण से पता चलता है कि ये घटनाएं छिटपुट नहीं हैं। ये अफगानिस्तान में मौजूद सैन्य-स्तरीय हथियारों के भंडारों से पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी नेटवर्कों तक सुनियोजित तरीके से हथियारों की आवाजाही को दर्शाती हैं। हथियारों के काले बाज़ार में प्रसार और बाहरी मदद ने आतंकवादी क्षमताओं को काफी हद तक बढ़ा दिया है, जिससे समन्वित और लक्षित हमले संभव हो पा रहे हैं। इससे पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के लिए रणनीति और खुफिया अभियानों में लगातार बदलाव करना एक चुनौती बन गया है, क्योंकि अब दुश्मन उन उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं जो पहले केवल सरकारी सेनाओं के पास ही होते थे।

रणनीतिक दृष्टि से, ये घटनाक्रम क्षेत्रीय आतंकवाद-विरोधी सहयोग और सीमा पार हथियारों की आवाजाही पर कड़ी निगरानी के महत्व को रेखांकित करते हैं। पाकिस्तान में विदेशी हथियारों की बढ़ती आपूर्ति न केवल आतंकवादी संगठनों को मजबूत करती है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी खतरा पैदा करती है। अमेरिकी राइफलों या उन्नत सामरिक उपकरणों से किया गया प्रत्येक हमला उग्रवाद के खिलाफ पाकिस्तान की शून्य-सहिष्णुता नीति की आवश्यकता को पुष्ट करता है, साथ ही उन संगठित बाहरी समर्थन नेटवर्कों को भी उजागर करता है जो टीटीपी जैसे समूहों को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं।

क्षेत्रीय सहयोग की आवश्यकता

सुरक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य से, वर्तमान स्थिति में तीन उपायों की एक साथ आवश्यकता है। पहला, अवैध हथियारों की आवाजाही का पता लगाने, उसे रोकने और निष्क्रिय करने के लिए अफगानिस्तान से सटे साझेदारों के साथ खुफिया जानकारी साझा करने और परिचालन समन्वय को बढ़ाना। दूसरा, सैन्य-स्तरीय उपकरणों की बिक्री को सुगम बनाने वाले काला बाज़ार चैनलों पर सख्त नियंत्रण। तीसरा, विदेशी आपूर्ति वाले हथियारों से संभव होने वाले उच्च-स्तरीय खतरों का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान के सुरक्षा बलों का निरंतर आधुनिकीकरण और प्रशिक्षण। इन कारकों से निपटने में विफलता न केवल आतंकवादियों को बढ़ावा देगी बल्कि पाकिस्तान के पश्चिमी क्षेत्रों को भी अस्थिर कर सकती है, जहां स्थानीय समुदाय बाहरी स्रोतों से प्राप्त हथियारों द्वारा सुगम हमलों के प्रति संवेदनशील बने हुए हैं।

व्यापक सबक स्पष्ट हैः छोड़े गए विदेशी हथियार आतंकवादी संगठनों को भौतिक रूप से सशक्त बना सकते हैं, संघर्ष को लंबा खींच सकते हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर कर सकते हैं। पाकिस्तान के लिए, हरार सटोरियानी मामला, जो अब ङ्क पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है, एक चेतावनी और कार्रवाई का आह्वान दोनों है। यह खतरे के बदलते स्वरूप को दर्शाता है और छोड़े गए हथियारों को असममित युद्ध के उपकरण में परिवर्तित होने से रोकने के लिए रणनीतिक सतर्कता, परिचालन तत्परता और क्षेत्रीय सहयोग की महत्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित करता है।

(लेखिका पाकिस्तान के इस्लामाबाद स्थित अंतर्राष्ट्रीय इस्लामी विश्वविद्यालय (IIUI) के राजनीति एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग में अतिथि संकाय सदस्य हैं। उन्होंने एयर यूनिवर्सिटी इस्लामाबाद से सामरिक अध्ययन में एमएस की उपाधि प्राप्त की है। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं। उनसे saranazeerw@gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है ।)

एनटीटी डेटा के साथ ट्रायल के बाद जापान में भी लॉन्च हो सकती है भारत की यूपीआई : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत का क्यूआर कोड आधारित डिजिटल पेमेंट सिस्टम यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब देश की सीमाओं से बाहर तेजी से अपने पैर पसार रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, जापान उन देशों में शामिल है, जहां भारतीय पर्यटकों के लिए यूपीआई को शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

निक्केई एशिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि जापान की आईटी सेवा कंपनी एनटीटी डेटा और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) मिलकर वित्त वर्ष 2026 में जापान में यूपीआई का ट्रायल करने जा रही हैं, जिसके तहत भारतीय पर्यटक जापान में यूपीआई से भुगतान कर सकेंगे और पैसे सीधे उनके भारतीय बैंक खातों से डेबिट होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों कंपनियां जापान और भारत के भुगतान सिस्टम को आपस में जोड़ने के तरीकों पर काम कर रही हैं।

यह कदम जापान आने वाले भारतीय पर्यटकों की तेजी से बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है। साल 2025 में करीब 3.15 लाख भारतीय पर्यटक जापान पहुंचे, जो पिछले साल के मुकाबले 35 प्रतिशत ज्यादा हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, मैकिन्से ने अनुमान लगाया है कि भारत से विदेश जाने वाले यात्रियों की संख्या 2022 में 1.3 करोड़ से बढ़कर 2040 तक 9 करोड़ हो सकती है। इसका कारण मध्यम वर्ग की आय में बढ़ोतरी और विदेश घूमने की बढ़ती चाह है। 2016 में शुरू हुआ यूपीआई सरकार की एक पहल है, और आज यह लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। यूपीआई की मदद से एक ही क्यूआर कोड से अलग-अलग भुगतान ऐप के जरिए पैसों का ट्रांजेक्शन किया जा सकता है। वित्त वर्ष 2024 में यूपीआई लेनदेन में 42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह संख्या 185.8 अरब तक पहुंच गई। वहीं जून 2025 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने यूपीआई को दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम भुगतान सिस्टम बताया।

अमेरिका-ग्रीनलैंड विवाद से निवेशक सतर्क, बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना: रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के अनुसार, ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका की प्रस्तावित योजना के कारण निवेशकों की चिंता अभी बनी रह सकती है। इस मुद्दे से जुड़े कारणों की वजह से निकट भविष्य में बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशक फिलहाल इस प्रस्ताव से जुड़ी और जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। इन जानकारियों से यह तय होगा कि अमेरिका और अन्य देशों के बीच बातचीत सफल होगी या उसमें रुकावट आएगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे चलकर निवेशक इस सौदे के बारे में और अधिक जानकारी की प्रतीक्षा करेंगे, क्योंकि इसमें कुछ ऐसे अहम मुद्दे हैं, जिनकी वजह से बातचीत पटरी से उतर सकती है। इसी कारण बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है।

कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह व्यवस्था अमेरिका और डेनमार्क के बीच 1951 में हुए सुरक्षा समझौते का ही एक नया रूप हो सकती है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री अदिति गुप्ता के अनुसार, आगे होने वाली बातचीत में ग्रीनलैंड में अमेरिकी सेना की मौजूदगी, वहां के खनिज संसाधनों के इस्तेमाल और ग्रीनलैंड की संप्रभुता जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड में अमेरिका की रुचि को राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं से प्रेरित बताया है। हालांकि, ग्रीनलैंड में मौजूद तेल, गैस और दुर्लभ खनिज तत्वों जैसे संसाधन भी अमेरिका के लिए आकर्षण का कारण हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और नाटो के बीच एक फ्रेमवर्क समझौते की घोषणा से निवेशकों को कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन इस समझौते की पूरी जानकारी अभी साफ नहीं है।

ग्रीनलैंड को लेकर बयानबाजी तेज होने के बाद भू-राजनीतिक तनाव बढ़ गया और बाजारों में हलचल मच गई। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा ग्रीनलैंड को अपने में मिलाने की बात कहने और विरोध करने वाले यूरोपीय देशों पर आर्थिक कदम उठाने की धमकी से हालात और बिगड़ गए।

इसके जवाब में फ्रांस, जर्मनी और स्वीडन सहित कई यूरोपीय देशों ने ग्रीनलैंड में सैन्य तैनाती बढ़ा दी, जिससे तनाव और बढ़ गया। डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की थी कि 1 फरवरी 2026 से ब्रिटेन, डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड और फिनलैंड से आने वाले सामान पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स लगाया जाएगा। यह टैक्स 1 जून 2026 से बढ़कर 25 प्रतिशत होने वाला था। हालांकि बाद में दावोस में हुए विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक के दौरान ट्रंप ने यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी से पीछे हटने का संकेत दिया।

पाकिस्तान में एनसीसीआईए अधिकारियों पर रिश्वत और उगाही का केस दर्ज

नई दिल्ली । पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एफआईए) की कंपोजिट सर्किल ने नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनसीसीआईए) गुजरांवाला के तीन अधिकारियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, उगाही और पद के दुरुपयोग के आरोप में मामला दर्ज किया है।

इस घोटाले के सामने आने के बाद आरोपित अधिकारियों को हिरासत में ले लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एनसीसीआईए के अधिकारियों ने ऑनलाइन धोखाधड़ी मामलों में शामिल संदिग्धों को करोड़ों रुपये की रिश्वत लेकर रिहा कर दिया था। यह जानकारी पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट में सामने आई है।

खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट और एक नागरिक की शिकायत के बाद एफआईए ने कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की। एफआईआर के अनुसार, शिकायतकर्ता मुजम्मिल इकबाल, जो गार्डन टाउन, गुजरांवाला का निवासी है, ने बताया कि उसे एफआईए साइबर क्राइम विंग के कुछ अधिकारियों द्वारा निजी सहयोगियों की मदद से आरोपितों से भारी रकम वसूले जाने की जानकारी मिली थी।

एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि 2 फरवरी को कुछ अज्ञात लोग एफआईए अधिकारी बनकर मुजम्मिल इकबाल के घर में घुसे, परिवार के सदस्यों को बंधक बनाया, मोबाइल फोन जब्त किए और परिवार के पुरुष सदस्यों को प्रताड़ित किया। इसके बाद उनकी आंखों पर पट्टी बांधकर उन्हें एक कमरे में बंद कर दिया गया।

शिकायतकर्ता के अनुसार, 15 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक कार, नकदी और एटीएम कार्ड जब्त किए गए। परिवार से एफआईए साइबर क्राइम कार्यालय में ऑनलाइन कारोबार और क्रिप्टोकरेंसी को लेकर पूछताछ की गई। पीड़ितों से नकद, क्रिप्टोकरेंसी और बैंक ट्रांजैक्शन के जरिए बड़ी रकम वसूल की गई और कानूनी कार्रवाई से बचाने के लिए आगे भी पैसे की मांग की गई।

हालांकि बाद में कुछ सामान लौटा दिया गया, लेकिन नकदी और एक मोबाइल फोन वापस नहीं किया गया।

एक अन्य पीड़ित सलमान रजा ने भी आरोप लगाया कि उसके परिवार का अपहरण किया गया, उन्हें प्रताड़ित किया गया और 5 करोड़ रुपये की मांग की गई।

मुजम्मिल इकबाल ने दावा किया कि एफआईए कर्मियों की मध्यस्थता के बाद 3 करोड़ रुपये में 'डील' तय हुई, जिसमें से 30 लाख रुपये नकद और करीब 15 लाख रुपये बैंक और एटीएम ट्रांजैक्शन के जरिए अदा किए गए, जिसके बाद उन्हें रिहा किया गया।

भारत-ईयू एफटीए मदर ऑफ ऑल डील्स हैः माल्टा उच्चायु त रूबेन गौसी

नई दिल्ली। भारत में माल्टा के उच्चायुक्त रूबेन गौसी ने शनिवार को ईयू-भारत मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय यूनियन (ईयू) के नेताओं का आने वाला दौरा दिखाता है कि नई दिल्ली यूरोपीय देशों के लिए टॉप प्रायोरिटी है। यूरोपियन कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपियन काउंसिल के चीफ एंटोनियो कोस्टा गणतंत्र दिवस समारोह और ईयू-भारत समिट के लिए इंडिया पहुंचे हैं। माल्टा के उच्चायुक्त रूबेन गौसी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ एक एक्सक्लूसिव बातचीत में संभावित ईयू-भारत एफटीए को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने भारत-ईयू एफटीए को 'मदर ऑफ ऑल डील्स' बताया। इस दौरान उन्होंने पिछले साल फरवरी में यूरोपियन कमीशन चीफ के प्रतिनिधि स्तर के दौरे का भी जिक्र किया। माल्टा के उच्चायुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि इसने ईयू-भारत एफटीए के संबंध में बातचीत को सच में आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा, 'ईयू अध्यक्ष का भारत में होना यह दिखाता है कि भारत यूरोपीय देशों के लिए उच्च प्राथमिकता रखता है, जैसा कि ईयू राजदूत इस हफ्ते की शुरुआत में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मिले। हम समझते हैं कि ईयू भारत के एजेंडा में भी काफी ऊपर है। उन्होंने आगे कहा, 'एक बार हस्ताक्षर हो जाने के बाद एफटीए इतिहास बना देगा।' उच्चायुक्त ने आगे बताया कि माल्टा, जो 27 ईयू देशों में सबसे छोटे सदस्य देशों में से एक और जरूरी हिस्सा है, भारत के साथ व्यापार को बढ़ाने के लिए एफटीए को एक संभावना के तौर पर देखता है। गौसी ने आगे कहा, 'अभी माल्टा भारत से जितना एक्सपोर्ट करता है, उससे 10 गुना ज्यादा भारत से इंपोर्ट करता है। यह बात समझ में आती है क्योंकि हम एक छोटा देश हैं, लेकिन हम अपने ट्रेड डेफिसिट को भी कम करना चाहते हैं। हम बराबरी पर आना चाहेंगे और यह ईयू-भारत फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के जरिए हो सकता है। ईयू के पास कॉमन कमर्शियल पॉलिसी के लिए खास अधिकार है। इसका मतलब है कि सिर्फ ईयू के इंस्टीट्यूशन ही नॉन-ईयू देशों के साथ ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत कर सकते हैं और उन्हें पूरा कर सकते हैं।

2026 की शुरुआत से अब तक बाजार 4 फीसदी नीचे, एफपीआई ने 36,500 करोड़ रुपए निकाले

मुंबई। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में 2.5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। इसकी मुख्य वजह मुनाफावसूली, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और अमेरिका की टैरिफ नीति को लेकर बढ़ी वैश्विक चिंताएं रहीं।

इस सप्ताह के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। इनमें रियल्टी सेक्टर सबसे ज्यादा गिरा, जिसमें 11.33 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, टेलीकॉम और कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी सेक्टर भी 5 प्रतिशत से ज्यादा टूटे।

हफ्ते के दौरान निफ्टी में 2.51 प्रतिशत की गिरावट आई और आखिरी कारोबारी दिन यह 0.95 प्रतिशत फिसलकर 25,048 पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स आखिरी दिन 769 अंक यानी 0.94 प्रतिशत गिरकर 81,537 पर बंद हुआ। पूरे

हफ्ते में सेंसेक्स 2.43 प्रतिशत नीचे रहा।

स्मॉल और मिडकैप शेयरों पर दबाव ज्यादा देखने को मिला, जिसमें निफ्टी मिडकैप 100 में 4.58 प्रतिशत, तो वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 5.81 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

बैंक निफ्टी भी कमजोर रहा और यह एक अहम सपोर्ट लेवल 58,800 के नीचे फिसल गया, जिससे बाजार में नकारात्मक संकेत मिले।

विशेषज्ञों के अनुसार, हफ्ते की शुरुआत में कुछ आईटी और बैंकिंग कंपनियों के अच्छे तिमाही नतीजों से बाजार को थोड़ी राहत मिली थी, लेकिन बाद में कई कंपनियों के कमजोर नतीजों ने निवेशकों की धारणा को फिर से कमजोर कर दिया। दुनिय भर में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव खासकर अमेरिका की तरफ से ग्रीनलैंड और टैरिफ को लेकर सख्त बयान, ने वैश्विक बाजारों को परेशान किया। इसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा और बिकवाली बढ़ गई।

इसके अलावा, वैश्विक बॉन्ड यील्ड बढ़ने और अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुराने टैरिफ मामलों की समीक्षा को लेकर अनिश्चितता ने निवेशकों में जोखिम लेने की प्रवृत्ति को और भी सीमित कर दिया। 1 जनवरी 2026 से अब तक, सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में 4 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है। इस दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने करीब 36,500 करोड़ रुपए के शेयर बेचे

घरेलू टेक्सटाइल बाजार 13 लाख करोड़ तक पहुंचा, निर्यात में 25 फीसदी से ज्यादा उछाल: गिरिराज सिंह

नई दिल्ली। पिछले दस वर्षों में भारत के कपड़ा उद्योग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है। सरकार के अनुसार, 2014 में यह सेक्टर 8.4 लाख करोड़ रुपए का था, जो अब बढ़कर करीब 16 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसके साथ ही यह क्षेत्र देश में रोजगार सृजन का सबसे बड़े प्लेटफॉर्मों में से एक बन गया है।

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि देश का घरेलू टेक्सटाइल बाजार भी तेजी से बढ़ा है। यह बाजार 6 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2025 में 13 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। वहीं, कोरोना महामारी के बाद भारत के टेक्सटाइल निर्यात में 25 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है।

यह बातें मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल गारमेंट फेयर (आईआईजीएफ) के 74वें संस्करण को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि अब यह मेला केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दुनियाभर के गारमेंट खरीदारों के लिए एक बड़ा और

भरोसेमंद प्लेटफॉर्म बन चुका है।

मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले इस सरकार ने टेक्सटाइल सेक्टर में आने वाली कई रुकावटों को दूर किया है, जिसमें गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ), रोडटेप और रोसिटल योजनाओं की राशि बढ़ाना, आयात शुल्क में अस्थायी कटौती और उलटी ड्यूटी संरचना को ठीक करने जैसे कदम शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने रोडटेप और रोसिटल योजनाओं के जरिए करीब 50 हजार करोड़ रुपए का समर्थन कपड़ा उद्योग को दिया है। गिरिराज सिंह ने यह भी कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद उद्योग मजबूती और स्थिरता के साथ आगे बढ़ा है। उन्होंने बताया कि 40 नए देशों में निर्यात बढ़ाने की रणनीति के अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं।

मंत्री के अनुसार, अर्जेंटीना में निर्यात 77 प्रतिशत, मिस्र में 30 प्रतिशत, पोलैंड और जापान में 20 प्रतिशत, जबकि स्वीडन और फ्रांस में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो एक सकारात्मक संकेत है।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौता आने वाले कुछ दिनों में साइन होने की उम्मीद है, जिससे टेक्सटाइल सेक्टर को और मजबूती मिलेगी।

मंत्री ने कहा कि भारत के पास युवा कार्यबल, पर्याप्त कच्चा माल और विदेशी मुद्रा भंडार है, इसलिए देश को अपने सभी लक्ष्य पूरे करने चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि भारत अब विदेशी मानकों पर निर्भर रहने के बजाय विजननेक्स्ट और इंडियासाइज जैसी स्वदेशी पहल के जरिए अपने खुद के मानक तैयार कर रहा है।

इस मौके पर एईपीसी के चेयरमैन डॉ. ए. शक्तिवेल ने कहा कि देश के हर हिस्से से आए प्रदर्शकों की मौजूदगी भारत के मजबूत उत्पादन तंत्र को दिखाती है। वहीं, विदेशी खरीदारों की भागीदारी से भारतीय उद्योग पर वैश्विक भरोसा साफ नजर आता है।

उन्होंने बताया कि अप्रैल से दिसंबर 2025-26 के बीच भारत का रेडीमेड गारमेंट निर्यात 11,584.3 मिलियन डॉलर रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 2.4 प्रतिशत ज्यादा है।

व्यापार तनाव से लेकर शांति स्थापना तक, डब्ल्यूईएफ 2026 में दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण मुद्दों पर हुई चर्चा

दावोस। इस सप्ताह 19 से 23 जनवरी तक स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) 2026 की 56वीं वार्षिक बैठक में दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें नीति बनाने वालों और बड़े फैसले लेने वाले नेताओं ने एक साथ बैठकर ऐसे मुद्दों पर बातचीत की, जिनसे दुनिया के भविष्य की दिशा तय होती है।

डब्ल्यूईएफ के अनुसार, इस बैठक में 130 देशों से करीब 3,000 नेता शामिल हुए, जिनमें रिकॉर्ड 400 बड़े राजनीतिक नेता, करीब 65 राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख, जी-7 देशों के अधिकांश नेता, दुनिया की 830 से ज्यादा बड़ी कंपनियों के सीईओ और अध्यक्ष, और लगभग 80 प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों और स्टार्टअप्स के संस्थापक शामिल हुए।

विश्व आर्थिक मंच के अध्यक्ष और सीईओ बोर्गे ब्रेंडे ने कहा कि यह समय अनिश्चितताओं से भरा है, लेकिन इसके साथ ही यह नए अवसरों का भी समय है। उन्होंने कहा कि यह पीछे हटने का नहीं, बल्कि एक-दूसरे से जुड़कर आगे बढ़ने का समय है।

उन्होंने आगे कहा कि विश्व आर्थिक मंच का उद्देश्य केवल मौजूदा घटनाओं पर प्रतिक्रिया देना नहीं है, बल्कि ऐसे हालात बनाना है, जिससे दुनिया आगे बढ़ सके।

एक सत्र में विशेषज्ञों ने नवंबर में हुए अमेरिका-चीन व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के रिश्तों की दिशा पर चर्चा की, जिसमें यह समझने की कोशिश की गई कि इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर क्या असर पड़ेगा।

एक अन्य चर्चा में पश्चिमी तट और गाजा में आर्थिक दबावों के बीच वित्तीय व्यवस्था को मजबूत

करने के लिए जरूरी कदमों पर बात की गई।

धार्मिक नेताओं ने इस बात पर चर्चा की कि धर्मों के बीच संवाद कैसे गाजा में स्थिरता लाने और अन्य संघर्षग्रस्त इलाकों में शांति स्थापित करने में मदद कर सकता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मानव इतिहास में पहले कभी इतने बड़े और शानदार अवसर नहीं थे, जितने आज मौजूद हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि हमें अपने मित्र देशों के साथ ही नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर विरोधियों के साथ भी संवाद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया स्थायी रूप से बदल चुकी है और हमें भी उसी के अनुसार खुद को बदलना होगा।

डब्ल्यूईएफ की 'मुख्य अर्थशास्त्रियों की रिपोर्ट' में आने वाले वर्ष के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति का आकलन किया गया, जिसमें बताया गया कि कई मुश्किलों के बावजूद अर्थव्यवस्था में कुछ हद तक मजबूती बनी हुई है। रिपोर्ट में संपत्ति की कीमतों, सरकारी कर्ज और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते उपयोग को लेकर अनिश्चितताओं पर भी चर्चा की गई।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि एआई का असर श्रम बाजार पर सुनामी की तरह पड़ रहा है और यहां तक कि सबसे तैयार देश भी इसके लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं।

एनवीडिया के संस्थापक और सीईओ जेंसन हुआंग ने विकासशील देशों से अपील की कि वे अपना इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करें और एआई को अपनाएं। उन्होंने कहा कि एआई से तकनीकी अंतर कम किया जा सकता है।

डब्ल्यूईएफ के अनुसार, अर्थशास्त्र के पांच नोबेल पुरस्कार विजेताओं ने भी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर अपने नए शोध और विचार साझा किए। नेताओं ने यह चेतावनी भी दी कि दुनिया के बड़े देशों के बीच व्यापारिक मतभेद बढ़ने से वैश्विक व्यापार व्यवस्था को नुकसान हो सकता है। उन्होंने जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार से सभी देशों को आपसी फायदा होता है।

केंद्रीय बजट 2026 से उद्योगों की बड़ी उम्मीदें; मैन्युफैक्चरिंग, पीएलआई, निर्यात और निवेश पर हो फोकस

नई दिल्ली । केंद्रीय बजट 2026 पेश होने में अब बस कुछ ही दिन शेष बचे हैं। इससे पहले उद्योग जगत की निगाहें सरकार की नीतियों और प्राथमिकताओं पर टिकी हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जेटवर्क के को-फाउंडर और सीईओ अमृत आचार्य ने आईएएनएस से बात की और इस बजट से कई उम्मीदें जताई हैं।

अमृत आचार्य ने कहा कि केंद्र सरकार को यूनियन बजट 2026 में सार्वजनिक पूंजीगत खर्च को लगातार बढ़ाते रहना चाहिए। हर साल रेलवे, सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर और सोलर जैसी परियोजनाओं पर सरकार का भारी खर्च मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में मांग को बढ़ाने का बड़ा जरिया बनता है। सरकार खुद एक बड़ा खरीदार है, जिससे घरेलू उद्योगों को सीधा फायदा मिलता है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से बजट में सार्वजनिक निवेश लगातार बढ़ा है और यही रफ्तार आगे भी बनी रहनी चाहिए। इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश से न सिर्फ उद्योगों को ऑर्डर मिलते हैं, बल्कि रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूती मिलती है।

उन्होंने बताया कि बीते कुछ वर्षों में सरकार का फोकस प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) जैसी नीतियों पर रहा है, जिसका उद्देश्य भारत में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना है। चाहे इलेक्ट्रॉनिक्स हों, सोलर सेक्टर हो या ऑटो कंपोनेंट्स-पीएलआई ने मैन्युफैक्चरिंग को नई दिशा दी है और इसके सकारात्मक नतीजे अब दिखने लगे हैं। अमृत आचार्य ने आगे कहा कि अब अगला कदम सिर्फ 'मेक इन इंडिया फॉर इंडिया' तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि 'मेक इन इंडिया फॉर ग्लोबल मार्केट' की सोच अपनानी होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अलग से विशेष प्रोत्साहन योजनाएं लानी चाहिए, ताकि भारतीय कंपनियां वैश्विक बाजार में ज्यादा प्रतिस्पर्धी बन सकें।

उन्होंने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां सरकार समर्थित बीमा और क्रेडिट स्कीम्स हैं, जो निर्यातकों को जोखिम से सुरक्षा देती हैं। भारत में भी इसी तरह की किसी व्यवस्था की जरूरत है, ताकि निर्यातक अमेरिका और अन्य देशों में सामान भेजते समय ज्यादा आत्मविश्वास के साथ काम कर सकें। अमृत आचार्य ने यह भी कहा कि भारत में पूंजी की लागत यानी लोन और फंडिंग अभी कई देशों के मुकाबले ज्यादा है। यदि सरकार आने वाले वर्षों में इसे कम करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कदम उठाती है, तो उद्यमियों का जोखिम उठाने का साहस बढ़ेगा और निवेश में तेजी आएगी।

उन्होंने सरकार की नीति व्यवस्था की तारीफ करते हुए कहा कि मौजूदा नीति माहौल सहयोगी, स्थिर और दूरदर्शी है। सरकार उद्योग की बात सुनती है और एक बार लिए गए फैसलों को वापस नहीं लेती। पीएलआई इसका सबसे अच्छा उदाहरण है, जहां शुरुआती वर्षों में भले नतीजे न दिखें, लेकिन लंबे समय में इसका बड़ा असर सामने आता है। आचार्य ने कहा कि आज भारत आईफोन समेत मोबाइल का सबसे बड़ा निर्यातक बन चुका है और यह पीएलआई जैसी नीतियों के बिना संभव नहीं था। अब सरकार पीएलआई 2.0 के जरिए सिर्फ असेंबली नहीं, बल्कि कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग पर भी जोर दे रही है, जिससे सोलर और अन्य उद्योगों को भी फायदा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 से उनकी दो बड़ी अपेक्षाएं हैं। पहली, सार्वजनिक पूंजीगत खर्च में निरंतर बढ़ोतरी और दूसरी, निर्यातकों के लिए विशेष प्रोत्साहन योजनाएं। उनका मानना है कि इन्हीं कदमों से भारत की मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को नई रफ्तार मिलेगी।

तकनीक से आगे सोचः केरल का एआई मॉडल जनहित और विकास पर केंद्रित

तिरुवनंतपुरम । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब केवल एक चर्चा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि शासन और अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनने की ओर बढ़ रहा है। इसी को देखते हुए केरल सरकार एआई को शासन सुधार और आर्थिक रणनीति का अहम चालक बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। राज्य का उभरता हुआ दृष्टिकोण डिजिटल बुनियादी ढांचे के निर्माण से आगे बढ़कर उन्नत तकनीकों के जरिए ठोस सार्वजनिक और आर्थिक परिणाम हासिल करने पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा, 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में शासन और सार्वजनिक सेवा वितरण को बदलने की अपार क्षमता है, लेकिन इसका विकास और उपयोग लोकतांत्रिक मूल्यों, नैतिक सिद्धांतों और डेटा सुरक्षा के अनुरूप होना चाहिए। केरल इस नए चरण में कई संरचनात्मक मजबूतियों के साथ प्रवेश कर रहा है। सार्वभौमिक ब्रॉडबैंड पहुंच के लिए के-फॉन, केरल स्टार्टअप मिशन और डिजिटल यूनिवर्सिटी जैसी पहलों ने पहले ही कनेक्टिविटी, प्रतिभा और नवाचार का मजबूत आधार तैयार कर दिया है। अब चुनौती इस तैयारी को शासन, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर एआई अनुप्रयोगों में बदलने की है। राज्य की नीति सोच भारत सरकार के इंडिया एआई मिशन जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के भी अनुरूप है। इंडिया एआई समिट 2026 के मद्देनज़र, केरल खुद को एआई-आधारित सार्वजनिक प्रणालियों के क्रियान्वयन केंद्र के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है।

यूएई के पीछे हटने के बाद पाकिस्तान करेगा इस्लामाबाद एयरपोर्ट का निजीकरण

नई दिल्ली । पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निजीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी है। इससे पहले एयरपोर्ट के प्रबंधन और संचालन को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को आउटसोर्स करने की योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था, क्योंकि अबू धाबी ने इस प्रक्रिया में कथित तौर पर 'रुचि खो दी' थी। यह जानकारी एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट में दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यूएई की ओर से इस्लामाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आउटसोर्सिंग के लिए किसी इकाई का नाम बार-बार तय न किए जाने के कारण दोनों देशों के बीच गतिरोध पैदा हो गया। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी पक्ष ने अंतिम कॉल लेटर भेजकर यूएई से स्पष्ट जवाब मांगा था, लेकिन यूएई की ओर से कहा गया कि वह किसी नामित इकाई की पुष्टि नहीं कर सकता।

इसके बाद पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निजीकरण के लिए चिन्हित संस्थानों की सूची में शामिल कर लिया है। इससे पहले पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) का भी निजीकरण किया जा चुका है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान सरकार ने सरकार-से-सरकार (जी2जी) फ्रेमवर्क एग्रीमेंट के मसौदे में कराची के जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट और लाहौर के अल्लामा इकबाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट को शामिल करने की यूएई की मांग को स्वीकार नहीं किया था।

इसके अलावा, मसौदा जी2जी समझौते के तहत अबू धाबी और पाकिस्तान के बीच हवाई संपर्क के निजीकरण की यूएई की मांग को भी इस्लामाबाद ने नजरअंदाज कर दिया। इस मुद्दे पर चर्चा और फ्रेमवर्क एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने के लिए निजीकरण पर प्रधानमंत्री के सलाहकार के नेतृत्व में, संबंधित मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल अबू धाबी भी गया था।इससे पहले निजीकरण डिवीजन ने कैबिनेट कमेटी ऑन प्राइवेटाइजेशन को एक सारांश सौंपकर इस्लामाबाद, कराची और लाहौर के हवाई अड्डों को आउटसोर्सिंग के लिए सक्रिय निजीकरण सूची में शामिल करने का प्रस्ताव रखा था।

आपके बाल चुकाते हैं हेयर वॉश से जुड़ी इन गलतियों की कीमत

आज के समय में हर व्यक्ति को बालों से जुड़ी किसी न किसी समस्या का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे बात हेयर फॉल की, बालों के सफेद होने की समस्या या फिर रूसी की। अमूमन लोग इसके लिए भागदौड़ भरी जिन्दगी, तनाव व गलत खान-पान को ही जिम्मेदार ठहराते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपका गलत तरीके से बालों को धोना भी उसे प्रभावित कर सकता है। इसलिए यह बेहद आवश्यक है कि आप बालों को सही तरह से धोएं। तो चलिए जानते हैं बालों को धोते समय होने वाली गलतियों के बारे में-

जरूरी है ऑयलिंग

अमूमन लोग शैंपू करने को ही हेयर वॉश करने का पहला स्टेप मानते हैं, जबकि यह बेहद आवश्यक है कि आप शैंपू करने से दो-तीन घंटे पहले ऑयलिंग अवश्य करें। कभी-कभी हेयर वॉश के दौरान शैंपू के कारण आपके बालों का प्राकृतिक तेल भी निकल जाता है, जिससे आपके बाल रूखे-रूखे नजर आते हैं, लेकिन अगर आप ऑयलिंग करते हैं तो यह आपके बालों के तेल को मेंटेन रखेगा। साथ ही ऑयलिंग से आपके बालों को पोषण व मजबूती मिलती है। जिसके कारण आपको बालों के झड़ने, रूसी व उनके असमय सफेद होने की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।

बालों को करें ब्रश

हेयर वॉश से पहले बालों को ब्रश करना भी काफी जरूरी होता है। इसके लिए आप चौड़े दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपके सिर में ब्लड सर्कुलेशन तो बेहतर होता है ही, साथ ही आपके सिर के पोर्स भी ओपनअप हो जाते हैं, जिसके कारण शैंपू के दौरान सारी गंदगी आसानी से निकल जाती है।

इस तरह करें शैंपू

बालों को शैंपू करते समय कभी भी उसे जोर-जोर से न रगड़ें। इससे आपके बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। आप बालों को वॉश करने के लिए हमेशा अपनी उंगलियों के अग्र भाग का इस्तेमाल करें। साथ ही जब भी शैंपू करें तो उसे सीधे ही बालों पर अप्लाई न करें। बेहतर होगा कि आप पानी में शैंपू डालकर उस पानी से बालों को वॉश करें। इससे शैंपू के केमिकल माइल्ड हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त शैंपू का चयन भी सही तरह से करें। आजकल मार्केट में कई तरह के शैंपू अवेलेबल हैं। आप अपने बालों की प्रकृति के हिसाब से ही शैंपू का चुनाव करें और उसे इस्तेमाल करें।

कंडीशनर भी है जरूरी

बालों को वॉश करना सिर्फ शैंपू करने तक ही सीमित नहीं है। बालों की कंडीशनिंग भी उतनी ही अहम है। इससे आपके बालों को एक स्मूद लुक मिलता है। लेकिन बालों की कंडीशनिंग करते समय हमेशा याद रखें कि आप इसे अपनी स्कैल्प पर इस्तेमाल न करें। इससे बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं और आपके बाल तेजी से टूटने लगते हैं। साथ ही कंडीशनर का इस्तेमाल करने के बाद उसे 3-4 से मिनट तक अवश्य रखें और फिर हेयर वॉश करें। हेयर वॉश भी बेहतर तरीके से करें ताकि उसमें कंडीशनर न रह जाए।

ठंडे पानी का इस्तेमाल

जब आप हेड वॉश करें तो अंत में हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें। ठंडे पानी के कारण आपके पोर्स बंद हो जाते हैं और फिर बाहर की गंदगी उसमें नहीं आती। जहां हेड वॉश की शुरूआत में हल्के गर्म पानी का इस्तेमाल किया जाता है ताकि पोर्स ओपन हो जाए और सारी गंदगी अच्छी तरह निकल जाए। वहीं अंत में हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करना चाहिए।

ऐसे सुखाएं बाल

कुछ लोग इस स्टेप को जरूरी नहीं समझते। जबकि वास्तव में यह भी उतना ही जरूरी होता है। हेड वॉश के बाद कभी भी बालों को सुखाने के लिए हेयर डॉयर का प्रयोग न करें। इस दौरान आपके बाल काफी कमजोर होते हैं और हेयर डायर आपके बालों को रूखा बना सकता है। बेहतर होगा कि आप तौलिए की मदद से अपने बालों को झाड़कर अतिरिक्त पानी सुखाएं या फिर कुछ देर के लिए अपने बालों को तौलिए में लपेटकर रखें। अंत में बालों को खुद ही सूखने दें।

रात की बची सब्जी से बनाएं स्वादिष्ट

भारतीय घरों में खाना बिना सब्जी के पूरा नहीं होता लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है कि रात में बनाई हुई सब्जी पूरी खत्म हो जाये। ऐसे में समस्या यह उत्पन्न होती है कि उस बची हुई सब्जी को कोई भी खाने के लिए तैयार नहीं होता और उसे फेंक कर खराब नहीं किया जा सकता। अब इस परेशानी से निपटने का एक सबसे अच्छा तरीका यह होता है कि उसे नए अंदाज में पेश किया जाए। शायद आपको पता न हो कि सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं, बल्कि उसका प्रेजेंटेशन भी लोगों को आकर्षित करता है। तो आइए जानते हैं रात की बची हुई सब्जियों को नए तरीके से पेश करने की कुछ अद्भुत रेसिपी के बारे में-

पराठे की पेशकश : अगर आपने रात में सूखी सब्जी बनाई थी तो उसे आप सुबह के समय बतौर पराठे की स्टफिंग बनाकर तैयार कर सकती हैं और नाश्ते की तैयारी कर सकती हैं। अगर आपके घर में नाश्ते में पराठे नहीं खाते तो उसी सब्जी को ब्रेड के बीच में भरकर वेजीटेबल सैंडविच बनाना भी एक अच्छा आईडिया हो सकता है। सैंडविच में आप चाहें तो चीज का इस्तेमाल भी करें। इस तरह आप पराठे या बतौर सैंडविच आलू, बीन्स, गोभी, मटर, गाजर व पनीर की भुरजी से एक बेहद स्वादिष्ट नाश्ता तैयार कर सकती हैं। वहीं अगर आपकी सब्जी सूखी हुई नहीं है तो भी आप सब्जियों के पानी को सुखाकर एक ड्राई स्टफिंग तैयार कर सकती हैं। साथ ही सब्जियों के फ्लेवर को बढ़ाने के लिए आप बारीक कटे प्याज, हरी मिर्च, हरा धनिया आदि का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

कटलेट : रात की बची हुई सब्जी से कटलेट बनाने के लिए आपको सबसे पहले सब्जी करी या ग्रेवी को ड्राई करना होगा। ग्रेवी को ड्राई करने के लिए आप उसमें चीज और ब्रेड क्रम्स मिला दें। इससे आपके कटलेट और भी अधिक क्रिस्पी व स्वादिष्ट बनेंगे। अब सब्जी, चीज और ब्रेड क्रम्स को अच्छे से मिक्स करें व उनसे कुछ छोटी-छोटी बाल्स तैयार कर लें। अब उसे अपना मनपसंद आकार दें। अब एक पैन में ऑयल गर्म करें व कटलेट को फ्राई करें। आपके गर्मागर्म कटलेट तैयार हैं। इसे कैचअप के साथ सर्व करें।

सूप : आपकी सब्जी चाहे जो भी हो, उसे सूप के रूप में पेश करके आप सबका दिल खुश कर सकती हैं। इसके लिए आपको सबसे पहले लहसुन को कुछ हल्का सा भूनना है। फिर बची हुई सब्जी से वेजीटेबल स्टॉक बना लें। अब इस स्टॉक को अपने पैन में डालकर उबाल आने दें। आप बाद में अपने स्वादानुसार इसमें नमक, काली मिर्च व हरा धनिया आदि भी मिक्स कर सकती हैं।

रोल्स व रैप्स : अगर आपको सुबह के समय जल्दी है तो बेहतर होगा कि आप अपनी रात की बची हुई सब्जी से रैप्स बना लें। यह आपकी बोरिंग सी रोटी को तो मजेदार बनाएगा ही, साथ ही जल्दी के कारण आप इसे रास्ते में भी खा सकती हैं या बच्चों के लंच में पैक कर सकती हैं। इसे बनाने के लिए आप अपनी पालक पनीर, आलू मटर या बैंगन का भर्ता जैसी सब्जियों को अपनी रोटी के बीच में भरकर एक स्वादिष्ट रोल तैयार करें।

चना पास्ता :अक्सर घरों में शाम के समय छोले या चने बनते हैं, लेकिन उन चनों को सुबह नाश्ते में खाना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में आप इन बचे हुए चनों से चना पास्ता तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आप सबसे पहले किसी भी तरह के पास्ता को लेकर उसे पैक पर लिखे निर्देशों के अनुसार पका लें। अब एक भारी तली वाली कड़ाही में चना डालें व अपने स्वादानुसार इसमें कुछ मसाले भी मिलाएं। यह चना आपके पास्ते का बेस होगा। अब पास्ता को भी इसी कड़ाही में डालकर अच्छी तरह टॉस करें। आपका चना पास्ता तैयार हैं। आप सर्व करते समय इसमें कटा हुआ हरा धनिया में डाल सकती

वेज़ नूडल्स

ज़रूरी सामग्री : नूडल्स-एक पैक (200 ग्राम), सब्जियां बारीक कटीहुई गाजर -1, शिमला मिर्च-1,पत्ता गोभी-1 छोटी, तेल या मक्खन-2 टेबल स्पून,नमक-एक छोटी चम्मच (स्वादानुसार),काली मिर्च-एक चौथाई छोटी चम्मच, अदरक-एक इंच लम्बा टुकड़ा बारीक कटा, चिल्ली सास-2 छोटी चम्मच, सोया सास-2 छोटी चम्मच, सिरका-2 छोटी चम्मच।

बनाने की विधि: एक बर्तन पानी लें, 1 छोटी चम्मच नमक,एक छोटी चम्मच तेल डाले पानी में डाले , पानी जब अच्छे से उबाल जाये तब नूडल्स को तोड़ कर पानी में डालें7 8-10 मिनट तक इन्हें उबाल नूडल्स को नरम होने के बाद छान लें, फिर ठंडा पानी डाल कर धो लें। एक कढाई में मक्खन गर्म करें, अब अदरक, गाजर, शिमला मिर्च और पत्ता गोभी डाल कर चलाते हुए 2 मिनट पकाएं. फिर नूडल्स, नमक, सोया सास, काली मिर्च, चिल्ली सास और सिरका डाल कर तेज़ आंच पर लगातार चलाते हुए 2 मिनट तक अच्छे से मिला लें और पकाएं। इसे गर्मा-गर्म परोसें और अपनी पसंद की सोस के साथ खाएं। वेज़ नूडल्स तैयार

पसीने की दुर्गंध को कैसे भगाएं

जब आप किसी से मिलने जाएं और आपके शरीर से स्मेल आए तो आपको काफी बुरा लगता है। ऐसे में आप किसी के भी नजदीक जाने से कतराने लगते हैं। कुछ लोगों को तो बहुत अधिक पसीना आता है और फिर आपके द्वारा लगाया पाउडर या फिर परफ्यूम भी काम नहीं करता। हालांकि परफ्यूम आपकी बॉडी की गंध को नियंत्रित करने का काम करते हैं लेकिन फिर भी उन कारणों पर प्रभाव नहीं डालते, जिनके कारण आपको शरीर की दुर्गंध का सामना करना पड़ता है। शायद आपको जानकर हैरानी हो लेकिन हेल्दी डाइट आपके शरीर की प्राकृतिक खुशबू को बनाए रखने का काम करती है। तो चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ आहार के बारे में-

नींबू : नींबू की अम्लीय प्रवृत्ति आपके शरीर के पीएच लेवल को मेंटेन करने का काम करती है, जिसके कारण शरीर में दुर्गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया नहीं पनपते। आप नींबू को कई तरह से इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले तो आप सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में नींबू निचोड़कर पीएं। इसके बाद

आप नींबू के छिलकों को अपने शरीर के उस स्थान पर रगड़ें। जहां सर्वाधिक पसीना आता है। कुछ देर बाद नहा लें। इससे आपके शरीर से बदबू नहीं आएगी।

ग्रीन टी : नींबू की तरह ही एंटीऑक्सिडेंट युक्त ग्रीन टी भी शरीर की गंध को काफी हद तक कम करने का काम करती है। दरअसल, ग्रीन टी आपकी बॉडी को डिटाक्सीफाई करने का काम करती है और जब आपके शरीर में से विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं तो शरीर में से आने वाली गंध भी काफी हद तक कम हो जाती है।

टमाटर : टमाटर एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो आपके भोजन के स्वाद को बढ़ाता है। साथ ही यह शरीर की दुर्गंध को कम करने का भी काम करता है। दरअसल, इसमें प्राकृतिक जीवाणुरोधी और एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं और यही गुण शरीर में बैक्टीरिया को पनपने से रोकते हैं। इतना ही नहीं, अगर आप टमाटर के रस का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर का तापमान कम होता है और आपको पसीना भी काफी कम मात्रा में आता है। आप इसे सलाद के रूप में खाने या फिर जूस पीने के अतिरिक्त बॉडी पर लगा भी सकते हैं। इसके लिए आप नहाने से करीबन आधा घंटा पहले इसका पल्प या रस अपने शरीर पर लगा लें और कुछ देर लगाने के बाद नहा लें। इससे आपको पसीना भी कम आएगा और कुछ ही दिनों में आपकी स्किन भी दमकने लगेगी।

कब्ज और एसिडिटी हैं सिरदर्द के असली विलेन, पेनकिलर नहीं, ये नुस्खे आएंगे काम

नई दिल्ली । अक्सर लोग सिरदर्द होते ही तुरंत पेनकिलर खाने लगते हैं और सोचते हैं कि समस्या सिर में है, लेकिन आयुर्वेद का कहना है कि ऐसा जरूरी नहीं। हमारे सिर का दर्द अक्सर सिर्फ एक संकेत होता है कि शरीर के किसी और हिस्से, खासकर पेट और पाचन तंत्र में गड़बड़ी है।

आसान शब्दों में कहें तो सिरदर्द का असली कारण पेट की परेशानी हो सकती है। महर्षि सुश्रुत ने 'सुश्रुत संहिता' में बताया है कि सिरदर्द के कई प्रकार होते हैं और ज्यादातर में दोष यानी वात, पित्त और कफ असंतुलित होकर ऊपर सिर तक पहुंच जाते हैं। इसके पीछे अक्सर कब्ज, गैस या एसिडिटी जैसी समस्याएं होती हैं।

अगर आप बहुत तीखा, तला-भुना या खट्टा खाना खाते हैं तो शरीर में पित्त बढ़ता है। यह पित्त रक्त के माध्यम से सिर तक पहुंचकर जलन, भारीपन और आंखों के पीछे दर्द पैदा करता है, जिसे लोग अक्सर माइग्रेन समझ लेते हैं। वहीं, कब्ज या पेट में फंसी गैस भी सिरदर्द का कारण बनती है। पेट में जमा मल और टॉक्सिन्स रक्त को दूषित करते हैं और उनका असर मस्तिष्क पर पड़ता है। ऐसे में सिर्फ बाम लगाना या पेनकिलर लेना असली समस्या हल नहीं करता।

आयुर्वेद में कई असरदार उपाय बताए गए हैं। नस्य क्रिया यानी नाक में देसी घी की कुछ बूंदें डालना, पित्त को शांत करने और नसों को पोषण देने का काम करता है। अगर दर्द एसिडिटी के कारण है, तो रात भर भिगोए हुए धनिया के पानी में मिश्री मिलाकर पीना फायदेमंद है। कब्ज और गैस के लिए अविपत्तिकर चूर्ण और सूखा अदरक (सोंठ) का लेप भी मदद करता है। इसके अलावा, रोज पेनकिलर लेने से बचें। देर रात भारी खाना न खाएं और बहुत ठंडा या बासी भोजन न लें।5आज की आधुनिक रिसर्च भी इस बात को मानती है कि पेट और दिमाग का सीधा कनेक्शन होता है। पेट सही रहेगा तो सिरदर्द अपने आप कम हो जाएगा।

चिरायता: आयुर्वेद की चमत्कारी औषधि, जो बढ़ाए इम्युनिटी और साफ करे खून

नई दिल्ली । भारत को जड़ी-बूटियों और औषधीय पौधों का खजाना कहा जाता है और ऐसे ही एक पौधे का नाम है चिरायता। चिरायता एक बारहमासी औषधीय पौधा है, जो मुख्य रूप से पहाड़ी इलाकों और ठंडी जलवायु वाले क्षेत्रों में उगता है।

चिरायता बहुत कड़वी होती है, लेकिन इसकी कड़वाहट ही इसकी ताकत है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्युनिटी को बढ़ाती है।

चिरायता का इस्तेमाल आयुर्वेद में सदियों से किया जाता रहा है। बुखार, खांसी और जुकाम जैसी छोटी-छोटी बीमारियों में यह काफी लाभकारी मानी जाती है। इसकी जड़ और पत्तियों में एंटी-वायरल गुण पाए जाते हैं, जो वायरल संक्रमण से होने वाले लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, यह एनीमिया में भी सहायक है क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन और खनिज तत्व खून बनाने में मदद करते हैं। लिवर के लिए भी चिरायता बेहद फायदेमंद है। इसमें पाया जाने वाला यौगिक 'स्वेरचिरिन' लिवर को नुकसान से बचाता है और हेपेटाइटिस जैसी

लिवर संबंधी समस्याओं में भी लाभकारी है।

पाचन तंत्र के लिए यह औषधि वरदान के समान है। इसकी कड़वाहट पाचन रसों को सक्रिय करती है और अपच, गैस या कब्ज जैसी दिक्कतों में राहत देती है। आयुर्वेद में इसे खून साफ करने वाली औषधियों में भी शामिल किया गया है। यह भूख बढ़ाने, पेट के कीड़ों को नष्ट करने और जोड़ों के दर्द को कम करने में भी मदद करता है। त्वचा के लिए भी यह बहुत उपयोगी है, क्योंकि इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं और त्वचा रोगों में फायदा पहुंचाते हैं।

चिरायता को इस्तेमाल करने के कई तरीके हैं। इसका काढ़ा, पाउडर और चिरायता पानी सभी अलग-अलग समस्याओं में काम आते हैं। काढ़ा बुखार, इम्यूनिटी और लिवर के लिए अच्छा है, पाउडर पाचन और खून साफ करने में सहायक है और चिरायता का पानी हल्के बुखार और डिटॉक्स के लिए उपयोग किया जाता है।

हालांकि चिरायता बहुत कड़वी और शक्तिशाली है, इसलिए इसे अधिक मात्रा में इस्तेमाल करना नुकसानदायक हो सकता है। लंबे समय तक नियमित इस्तेमाल से पहले किसी योग्य आयुर्वेदिक चिकित्सक से सलाह लेना जरूरी है।

'तू या मैं' जैसी फिल्में सिर्फ परफॉर्मेंस नहीं, अनुभव हैं : आदर्श गौरव

मुंबई। बाफ्टा नॉमिनेटेड अभिनेता आदर्श गौरव जल्द ही बिजॉय नांबियार के निर्देशन में बनी फिल्म 'तू या मैं' में नजर आएंगे। अभिनेता ने फिल्म में काम करने के अनुभव को शानदार बताते हुए कहा कि 'तू या मैं' जैसी फिल्में सिर्फ परफॉर्मेंस नहीं, अनुभव हैं, जो उनके लिए बेहद खास है।

गौरव ने कहा है कि 'तू या मैं' जैसी फिल्में महज एक्टिंग नहीं होतीं, बल्कि वे एक पूरा अनुभव होती हैं। वे ऐसी हाई-कॉन्सेप्ट और नए आइडिया से भरी कहानियों को चुनते हैं जो नई दुनिया, कल्पना और भावनाओं को एक साथ जोड़ती हैं। आदर्श ने बताया कि उन्हें मजबूत स्क्रिप्ट और नई सोच वाली कहानियां सबसे ज्यादा आकर्षित करती हैं।

आदर्श गौरव जल्द ही बिजॉय नांबियार के निर्देशन में बनी फिल्म 'तू या मैं' में नजर आएंगे, जिसे आनंद एल राय ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री शनाया कपूर लीड रोल में हैं। कलर येलो के बैनर तले बनी यह फिल्म प्यार और सर्वाइवल पर नया नजरिया पेश करती है। इसे आनंद एल रॉय के साथ मिलकर हिमांशु शर्मा, विनोद भानुशाली और कमलेश भानुशाली ने भी प्रोड्यूस किया है। फिल्म 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आदर्श ने कहा, 'मैं हमेशा ऐसी कहानियों से उत्साहित रहता हूं जो अलग जॉनर, फॉर्म और स्टोरीटेलिंग के साथ प्रयोग करती हैं। 'तू या मैं' जैसी फिल्में एक्टर को आगे बढ़ने, अलग सोचने और एक्टिंग को नए नजरिए से देखने का मौका देती हैं। यह क्रिएटिव ग्रोथ मेरे लिए बहुत रोमांचक है।

आदर्श गौरव फिल्म के साथ ही टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बेहतरीन काम कर चुके हैं। बचपन में उन्होंने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की ट्रेनिंग ली थी। करियर की शुरुआत बाल कलाकार के रूप में हुई और 'माई नेम इज खान' में उन्होंने शाहरुख खान के बचपन का किरदार निभाया था।

आदर्श को प्राइम वीडियो सीरीज 'मेड इन हेवन' में बलराम मेनन के रोल से खासी पहचान मिली। फिल्म 'द व्हाइट टाइगर' में भी उन्हें खूब पसंद किया गया, जिसमें उन्होंने बलराम हलवाई का मुख्य किरदार निभाया। आदर्श गौरव के अभिनय की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खूब सराहना हुई। इसकी बदौलत उन्हें बाफ्टा अवॉर्ड (बेस्ट लीड एक्टर) और इंडिपेंडेंट स्पिरिट अवॉर्ड (बेस्ट मेल लीड एक्टर) के लिए नामांकन मिला।

आवाज से पहचान बनाई और रिश्तों से मिसाल, जानें सुर संगीत से सजी गायिका कविता कृष्णमूर्ति की लव स्टोरी

मुंबई। 'साजन जी घर आए', 'बोल चूड़िया', 'अलबेला सजन' और 'छाया है जो दिल पर' जैसे रोमांटिक गाने आज भी लोगों की जुबान पर जिंदा हैं, क्योंकि उन गानों को गाने वाली सिंगर ने सिर्फ गानों को गाया नहीं बल्कि जीया है।

हम बात कर रहे हैं कविता कृष्णमूर्ति की। कविता अपने वर्सटाइल सिंगिंग टैलेंट के साथ-साथ सौम्य आवाज के लिए भी जानी जाती हैं। हिंदी सिनेमा को कई रोमांटिक गानों से नवाजने वाली कविता की पर्सनल लाइफ भी फिल्मी लव स्टोरी से कम नहीं है।

45 से ज्यादा भाषाओं में गाने वाली कविता कृष्णमूर्ति ने 8 साल की उम्र में साबित कर दिया था कि संगीत उनके लिए ही बना है और वो संगीत के बिना अधूरी हैं। अपनी आंटी के कहने पर कविता ने संगीत सीखने का फैसला किया था। तमिल परिवार में 25 जनवरी 1958 को जन्मी कविता ने बलराम पुरी से शास्त्रीय संगीत की शिक्षा ली और मात्र 8 साल की उम्र में अपनी आवाज से लोगों को मंत्रमुग्ध कर पुरस्कार भी जीता। बढ़ती उम्र के साथ संगीत और गहरा होता गया है और सिंगर ने अपनी किस्मत आजमाने के लिए मुंबई का रुख किया।

कविता की किस्मत 1971 में चमकी, जब उन्हें लता मंगेशकर के साथ एक बंगाली फिल्म में गाने का मौका मिला। गायक और संगीतकार हेमंत कुमार कविता की आवाज के कायल हो गए और उन्होंने कविता के साथ कई लाइव परफॉर्मेंस दी, जिसके बाद हेमा मालिनी की मां जया चक्रवर्ती ने सिंगर की मुलाकात संगीत निर्देशक लक्ष्मीकांत से कराई। लक्ष्मीकांत और प्यारेलाल की जोड़ी के साथ कविता ने फिल्म 'मिस्टर इंडिया' का 'हवा-हवाई' गीत गाया और उनकी किस्मत पूरी तरह पलट गई और फिर शुरू हुआ हिट देने का सिलसिला। 90 के दशक में कविता की गिनती बड़े प्लेबैक सिंगर्स में होने लगी।

इस बीच कविता का दिल 4 बच्चों के पिता पर अटक गया। कर्नाटक के प्रसिद्ध वायलिन वादक और संगीतकार डॉ. एल. सुब्रमण्यम से उनकी पहली मुलाकात एक संगीत समारोह में हुई थी। दोनों को साथ में एक गाना करने का मौका मिला। कविता खुद बताती है कि उन्होंने सुब्रमण्यम के चार बच्चों का ध्यान बहुत अच्छे से रखा था और यही वजह थी कि हमारा रिश्ता इतना मजबूत हुआ और हमने शादी करने का फैसला किया।

डॉ. एल. सुब्रमण्यम की पहली पत्नी का निधन हो चुका था और चार बच्चों के साथ संगीतकार के लिए करियर को संभालना मुश्किल हो रहा था। ऐसे में हर मौके पर बिना किसी शिकायत या उम्मीद के कविता ने बच्चों का ध्यान अपने बच्चों की तरह उन्हें प्यार दिया, जिसके बाद 1999 में दोनों ने शादी करने का फैसला लिया। आज कविता की अपनी कोई संतान नहीं है। वे संगीतकार के चारों बच्चों के साथ खुशी-खुशी रह रही हैं।

'संदेशे आते हैं' के बिना अधूरी 'बॉर्डर-2' : जावेद अख्तर के गानों को रिक्रिएट किए जाने वाले बयान पर सोनू निगम ने रखा पक्ष

मुंबई। हिंदी सिनेमा में 700 से ज्यादा गानों में अपनी आवाज देने वाले सोनू निगम ने 'बॉर्डर-2' के गानों में अपनी दिल छू लेने वाली आवाज देकर फैंस का दिल जीत लिया है।

फिल्म में 7 गाने फिल्माए गए हैं, जिनमें से तीन गाने सोनू निगम ने गाए हैं। अब सिंगर ने फिल्म से जुड़े अनुभव और जावेद अख्तर द्वारा बॉर्डर में गाने रिक्रिएट करने के बयान पर भी अपना पक्ष रखा है।

सोनू निगम ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो में सिंगर खुद को बहुत भाग्यशाली बता रहे हैं क्योंकि साल 1997 में आई 'बॉर्डर' में उन्हें गाने का मौका मिला था और आज 29 साल बाद भी 'बॉर्डर-2' में गाने का मौका मिला है। वीडियो में सिंगर कहते हैं, '1997 में मैं पहली बार बॉर्डर के प्रीमियर में गया था और अब दोबारा इस फिल्म के प्रीमियर में शामिल होने का मौका मिला है। कभी सोचा नहीं था कि ये जर्नी इतनी प्यारी, खूबसूरत और लंबी जाएगी। उन्होंने आगे कहा, 'बॉर्डर सिर्फ एक फिल्म नहीं है बल्कि देशभक्ति की सच्ची कहानी है। फिल्म में उन सभी सच्ची घटनाओं को पर्दे पर उसी जोश और ईमानदारी के साथ उतारा गया है जो युद्ध के मैदान में होती हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर से लेकर सभी स्टार्स ने बहुत मेहनत की है और हमने कोशिश की है कि बॉर्डर के आइकॉनिक गाने, जो फिल्म की आत्मा हैं, उन्हें फिल्म में पहले के जैसे रखा जाए। जावेद अख्तर के बयान का जिक्र करते हुए सोनू ने कहा कि 'जावेद साहब ने फिल्म के

गानों को रिक्रिएट करने पर जो कहा है वो बिल्कुल सही है क्योंकि पुराने गानों को दोबारा इस्तेमाल करना उतना अच्छा नहीं है, पर क्या करें, 'बॉर्डर' अगर फौजी है, तो 'संदेशे आते हैं', उसकी वर्दी है। इस गाने के बिना बॉर्डर फिल्म की कल्पना की ही नहीं जा सकती। उन्होंने आगे कहा, 'हम जावेद साहब को अपना गुरु मानते हैं और उन्होंने कहा कि फिल्म में नए गाने होने चाहिए, इसलिए 'मिट्टी के बेटे' गाना देश के लिए और फिल्म के लिए एक नया तोहफा है।

बता दें कि फिल्म का 'मिट्टी के बेटे' बहुत इमोशनल और मार्मिक कर देने वाला गाना है, जिसमें परिवार उन बेटों का इंतजार कर रहा है जो युद्ध के मैदान से वापस लौट नहीं सके।

अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस : 'नील बट्टे सन्नाटा' से लेकर 'आई एम कलाम' तक, शिक्षा का असली अर्थ समझाती फिल्में

मुंबई। शिक्षा समाज की मजबूत नींव है, जो राष्ट्र के विकास की दिशा तय करती है। बच्चे देश का भविष्य होते हैं और शिक्षा ही वह माध्यम है, जो उन्हें बेहतर कल की ओर ले जाता है। शिक्षा किसी विशेष वर्ग की सुविधा नहीं, बल्कि हर बच्चे का मूल अधिकार है। शिक्षा के महत्व को रेखांकित करने में बॉलीवुड भी अपनी भूमिका निभाता रहा है।

अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर ऐसी प्रेरणादायक फिल्मों की चर्चा करना प्रासंगिक है, जो शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाती हैं। ये फिल्में न केवल ज्ञान का महत्व समझाती हैं, बल्कि बच्चों और विद्यार्थियों के मन में सीखने की ललक और आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी जगाती हैं।

पहली फिल्म है आमिर खान की 'तारे जमीन पर'। ये फिल्म ना सिर्फ शिक्षा प्रणाली को चुनौती देती है, बल्कि शिक्षित करने का नया तरीका भी सिखाती है। फिल्म में ईशान नाम के एक लड़के की कहानी है, जिसके माता-पिता उसे पढ़ाई में कमजोर प्रदर्शन के कारण बोर्डिंग स्कूल भेज देते हैं, जहां उसकी मुलाकात आमिर खान से होती है, जो बच्चे के मानसिक विकार को पहचानते हैं और माता-पिता और बच्चे दोनों का मार्गदर्शन भी करते हैं। ये फिल्म बच्चे और माता-पिता के रिश्ते को भी दिखाती है।

दूसरी फिल्म है 'नील बट्टे सन्नाटा'। स्वरा भास्कर की कॉमेडी लेकिन गंभीर शिक्षा के विषय पर बनी फिल्म नील बट्टा सन्नाटा को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पांस मिला था और वैश्विक स्तर पर फिल्म को 'द न्यू क्लासमेट' के नाम से रिलीज किया था। फिल्म एक मां-बेटी की जोड़ी पर बनी है। मां अपनी बेटी को पढ़ाना चाहती है लेकिन खुद घरों में घरेलू नौकरानी का काम करती है। अपनी बेटी को शिक्षा के लिए प्रेरित करने के लिए मां बेटी की कक्षा में दाखिला ले लेती है और शर्त रखती है कि अगर वो उससे ज्यादा नंबर लेकर आएगी तो वो खुद स्कूल छोड़ देगी।

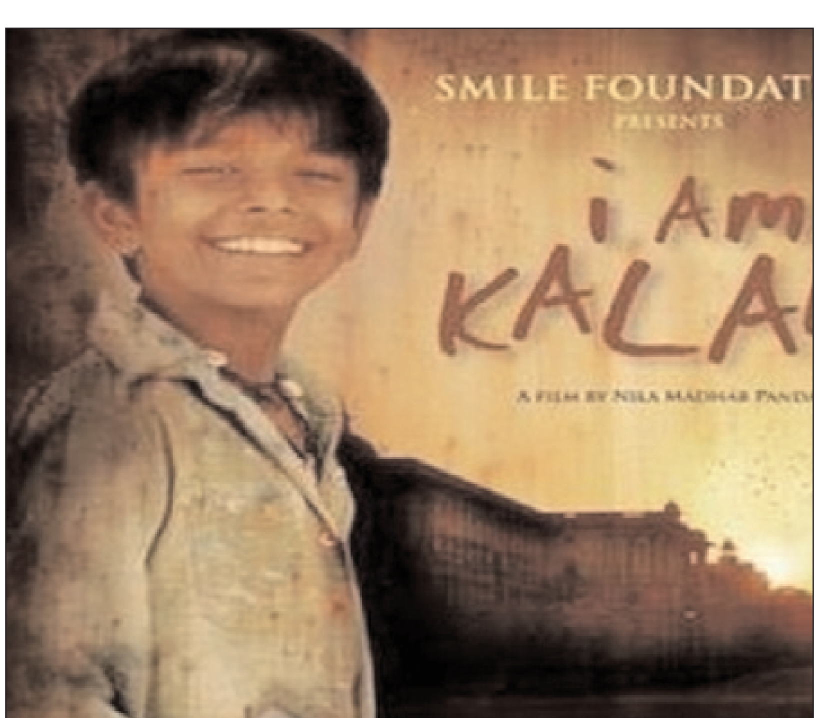

तीसरी फिल्म है 'चॉक एंड डस्टर'। फिल्म में शबाना आज़मी और जूही चावला मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म टीचर और छात्रों के बीच के खास रिश्ते को दिखाती है। फिल्म की कहानी दो शिक्षिकाओं विद्या और ज्योति के जीवन पर आधारित है, जिनके अंदर पढ़ाने का जुनून है और इसी जुनून के साथ वे स्कूली छात्रों के जीवन में आने वाली हर परेशानी का हल निकालने में उनकी मदद करती हैं।

वहीं, शाहिद कपूर अभिनीत फिल्म 'पाठशाला' आज की शिक्षा व्यवस्था की सच्चाई को प्रभावी ढंग से सामने रखती है। फिल्म शिक्षा के साथ यह भी दिखाती है कि स्कूल प्रबंधन का ध्यान मुनाफा कमाने पर अधिक केंद्रित हो गया है। फिल्म की कहानी में शाहिद कपूर एक शिक्षक की भूमिका में नजर आते हैं, जो छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय हो जाते हैं। फिल्म में निजी स्कूलों के बढ़ते व्यवसायीकरण, शिक्षा के निजीकरण और प्रबंधन की मनमानी जैसे गंभीर मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया गया है।

साल 2011 में आई फिल्म 'आई एम कलाम' शिक्षा के क्षेत्र की सबसे बड़ी फिल्म रही है। फिल्म में किसी बड़े स्टार को कास्ट नहीं किया गया है लेकिन फिर भी कहानी आपके दिल को छू लेगी। फिल्म की कहानी एक गरीब राजस्थानी बच्चे की है, जो भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से प्रेरित होकर शिक्षा के पथ पर निकल पड़ता है। इसके अलावा, 'फालतू', 'चल चलें', 'आरक्षण', '12वीं फेल', 'कोटा फैक्ट्री', और 'थ्री इडियट्स' जैसी फिल्मों को भी नहीं बुलाया जा सकता है। ये फिल्में शिक्षा को महत्व देने के साथ समाज को बदलने की ताकत रखती हैं।

प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'द लफ' का ट्रेलर 'दमदार', महेश बाबू ने की तारीफ

मुंबई। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू और अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगे। हाल ही में अभिनेत्री की आने वाली फिल्म 'द ब्लफ' का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसका समर्थन अभिनेता महेश बाबू ने किया।

उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के ट्रेलर की क्लिप शेयर की। इसमें अभिनेत्री एक्शन अवतार में नजर आ रही हैं। अभिनेता ने पोस्ट कर इसे कैप्शन दिया, 'ट्रेलर बहुत अच्छा लगा। प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर दमदार और मजबूत अंदाज में नजर आ रही हैं।

महेश बाबू ने प्रियंका को 'अटल' और 'मजबूत' बताया है। उन्होंने पोस्ट कर इसे कैप्शन देते हुए लिखा, 'फिल्म 'द ब्लफ' की पूरी टीम को 25 फरवरी के लिए ढेरों शुभकामनाएं।

बता दें कि 'द ब्लफ' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री 'ब्लडी मैरी' नामक एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो पूर्व में समुद्री डाकू रह चुकी है। फिल्म के ट्रेलर में अभिनेत्री के परफॉर्मेंस ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। यह फिल्म 25 फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

इसके अलावा, प्रियंका एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। इस फिल्म में अभिनेत्री के साथ महेश बाबू मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही, इसमें पृथ्वीराज सुकुमारन और प्रकाश राज जैसे कलाकार भी हैं। वहीं, मेकर्स ने अभिनेत्री का लुक भी रिवील कर दिया है। इसमें प्रियंका चोपड़ा पीली साड़ी में बंदूक थामें नजर आ रही हैं। इस फिल्म के जरिए राजामौली फिर से दर्शकों को ऐतिहासिक दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं। फैंस में भी फिल्म को लेकर उत्सुकता देखी जा रही है। वे स्क्रीन पर प्रियंका और महेश बाबू को साथ में देखने के लिए बेताब हैं और साथ ही, कई सालों के बाद ये फिल्म प्रियंका की भारत में वापसी जैसी भी है।

साल 2027 में फिल्म के रिलीज की आशंका जताई जा रही है। इसके साथ अभिनेत्री 'कृष-4' में भी नजर आ सकती हैं।

'बॉर्डर-2' के दीवाने हुए नील नितिन मुकेश, गर्व और सम्मान के साथ फिल्म बनाने के लिए पूरी टीम को दी बधाई

मुंबई। सनी देओल और मल्टीस्टारर फिल्म 'बॉर्डर-2' 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और पहले ही दिन फिल्म ने 30 करोड़ का शानदार कलेक्शन किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म रिपब्लिक डे की सबसे बड़ी ओपनिंग करने से चूक गई, क्योंकि ये खिताब शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' के नाम है। इसी बीच अभिनेता नील नितिन मुकेश ने फिल्म और फिल्म की पूरी स्टारकास्ट की खुलकर तारीफ की है।

नील नितिन मुकेश ने फिल्म 'बॉर्डर-2' की खुलकर तारीफ की है और फिल्म को दिल छू लेने वाला बताया है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें वे फिल्म की स्टारकास्ट के साथ दिख रहे हैं। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'क्या शानदार फिल्म है! क्या गजब की विरासत है जिसे गर्व और सम्मान के साथ आगे बढ़ाया गया है। फिल्म की निर्माता निधि दत्त को बहुत बधाई, जिन्होंने बॉर्डर-2 के साथ नया कीर्तिमान स्थापित किया है। बॉर्डर-2 को इतनी भव्यता, भावनाओं और गर्व के साथ पर्दे पर लाने के लिए कई लोगों ने मेहनत की है। सनी देओल की तारीफ कर उन्होंने कहा, 'सर, आप हमेशा की तरह बेहतरीन फॉर्म में हैं। ज़बरदस्त शक्ति और ज़बरदस्त गंभीरता के साथ आपने फिल्म में जान डाल दी। वरुण धवन ने अपने अभिनय से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। उनका दबदबा हर फ्रेम में देखने को मिला है।

अभिनेता ने दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी की भी तारीफ की, और सबसे ज्यादा वे फिल्म के गानों के फैन दिखे। फिल्म के सातों गानों को अभिनेता ने शानदार बताया। नील ने इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी बनाने का भार उठाने और उसे अपने अंदाज में पेश करने के लिए पूरी टीम की सराहना की है।

बता दें कि 'बॉर्डर-2' में वही एलिमेंट और इमोशन डालने की कोशिश की गई है जो फिल्म 'बॉर्डर' में डाले गए थे। फिल्म के डायलॉग से लेकर गाने तक 1997 में आई फिल्म की याद दिलाते हैं। हालांकि, देखना होगा कि फिल्म कमाई के मामले में 'बॉर्डर' को पीछे छोड़ पाती है या नहीं। बॉर्डर ने 1997 में अपने बजट से तीन गुना ज्यादा कमाई की थी। इंडस्ट्री ट्रैकर वेबसाइट सेकनिल्क के मुताबिक फिल्म का बजट 10 करोड़ रुपये था और फिल्म ने वर्ल्डवाइड कलेक्शन 64.98 करोड़ रुपये का किया था, जबकि घरेलू स्तर पर भारत में 39.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर पाई थी।

खैबर पतूनवा में शादी समारोह के दौरान आत्मघाती हमला, कम से कम छह लोगों की मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में एक शादी समारोह के दौरान आत्मघाती हमला हुआ। इस हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह घटना शुक्रवार देर रात डेरा इस्माइल खान जिले में हुई, जिसकी जानकारी स्थानीय मीडिया ने शनिवार को दी।

हमला अमन (शांति) समिति के प्रमुख नूर आलम महसूद के घर को निशाना बनाकर किया गया। उसी समय वहां शादी का कार्यक्रम चल रहा था। इस घटना में नूर आलम महसूद भी घायल हुए हैं। विस्फोट होते ही शादी स्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

प्रमुख ब्रॉडकास्टर जियो न्यूज़ के अनुसार, धमाके में कई लोग घायल हो गए और उन्हें तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पतालों में ले जाया गया। पुलिस का कहना है कि धमाके की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है, लेकिन शुरुआती जांच में यह आत्मघाती हमला ही माना जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, धमाके के बाद हमलावरों ने फायरिंग भी की। घटना के बाद जांच टीमें और फॉरेंसिक विशेषज्ञ कई घंटों तक मौके पर मौजूद रहे और सबूत इकट्ठा किए गए, ताकि हमलावर और उसके पीछे के नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

पाकिस्तानी प्रमुख दैनिक द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने बताया कि धमाके वाली जगह से आत्मघाती हमलावर का कटा हुआ सिर बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि हमलावर की उम्र करीब 17 साल थी। इस सिर को जांच और पहचान के लिए कब्जे में ले लिया गया है।

केपी के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने इस आत्मघाती हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने प्रांतीय पुलिस प्रमुख से तुरंत रिपोर्ट मांगी और अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज की सुविधा दी जाए। मुख्यमंत्री ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि हमले के जिम्मेदार लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान, जो अफगानिस्तान से सटे हुए हैं, हाल के दिनों में ऐसे हमलों से सबसे ज्यादा प्रभावित रहे हैं। यह पहली बार नहीं था जब दक्षिण वजीरिस्तान में महसूद शांति कमेटी के प्रमुख नूर आलम महसूद को निशाना बनाया गया हो। इससे पहले 2022 में डेरा इस्माइल खान में उनके कार्यालय पर दो आत्मघाती हमलावरों ने हमला करने की कोशिश की थी। हालांकि उस समय दोनों हमलावर मारे गए थे और हमला नाकाम हो गया था।

बांग्लादेश चुनाव: रोहिंग्या कैंप नहीं होंगे सील, बहुस्तरीय सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली । बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों से पहले खुफिया एजेंसियों ने रोहिंग्या शरणार्थियों के आपराधिक व राजनीतिक गतिविधियों में इस्तेमाल की आशंका जताई है। इसके बावजूद चुनाव के दौरान रोहिंग्या कैंपों को पूरी तरह सील करने के चुनाव आयोग के प्रस्ताव को अव्यावहारिक बताते हुए खारिज कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार कैंपों पर पूर्ण लॉकडाउन के बजाय लेयर्ड (बहुस्तरीय) सुरक्षा व्यवस्था अपनाने के पक्ष में है।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, खुफिया एजेंसी का मानना है कि कॉक्स बाजार में फैले रोहिंग्या कैंपों का विशाल क्षेत्रफल और कमजोर बुनियादी ढांचा- जैसे सीमांकन दीवारें और निगरानी प्रणालियां कैंप सील करने जैसे कदम को लागू करने में बाधा बनता है। यहां सैकड़ों हजार रोहिंग्या 2017 में म्यांमार के रखाइन प्रांत में सैन्य कार्रवाई के बाद शरण लेकर रह रहे हैं। संख्या बढ़ने के साथ कुछ शरणार्थी भारत के सीमावर्ती राज्यों की ओर भी पहुंचे हैं।

इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश के चुनाव आयुक्त अबुल फजल मोहम्मद सनाउल्लाह ने चुनाव प्रक्रिया के दौरान रोहिंग्या कैंपों को सील करने और सीमा नियंत्रण कड़ा करने का सुझाव दिया था। आशंका थी कि चुनावी नतीजों को प्रभावित करने या प्रक्रिया में व्यवधान डालने के लिए शरणार्थियों का दुरुपयोग किया जा सकता है। 8 जनवरी को विदेश मंत्रालय की अध्यक्षता में हुई राष्ट्रीय टास्क फोर्स की बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि

चुनाव के दौरान रोहिंग्याओं का किसी भी तरह से दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। हालांकि, कैंप सील करने के बजाय उन्हें 'सुरक्षा घेरे' में रखने पर जोर दिया गया। खुफिया एजेंसी की 22 जनवरी को गृह मंत्रालय को सौंपी गई आकलन रिपोर्ट में कहा गया है कि कैंपों को सील करना 'अवास्तविक' है। रिपोर्ट में आशंका जताई गई कि रोहिंग्याओं को तोड़फोड़ गतिविधियों में इस्तेमाल किया जा सकता है। साथ ही, समय-समय पर कुछ रोहिंग्याओं के मतदाता सूची में कथित अवैध रूप से शामिल होने के आरोप भी सामने आए हैं, जिससे फर्जी मतदान की संभावना जताई गई है। उन्हें रैलियों, प्रचार या अन्य चुनावी गतिविधियों में खींचे जाने का खतरा भी बताया गया है।

इन जोखिमों के बीच एजेंसी ने बहुस्तरीय सुरक्षा योजना की सिफारिश की है। इसमें कैंपों में क्षतिग्रस्त सीसीटीवी कैमरों और सीमा दीवारों की मरम्मत व सक्रियता, चुनाव से सात दिन पहले कैंपों से मतदान केंद्रों तक जाने वाले मार्गों पर चेकपोस्ट स्थापित करना और कैंप से बाहर पाए जाने वाले रोहिंग्याओं को हिरासत में लेना शामिल है। साथ ही, अवैध हथियारों की बरामदगी के लिए छापेमारी, चुनाव अवधि में सुरक्षा बलों की तैनाती सुनिश्चित करना और राजनीतिक दलों को रोहिंग्याओं को चुनावी गतिविधियों में शामिल न करने की सख्त चेतावनी देने की भी सिफारिश की गई है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब बांग्लादेश में चुनावी प्रक्रिया को लेकर वोट में हेरफेर, सुरक्षा बलों की निष्पक्षता और प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच विवाद जैसे आरोप लग रहे हैं। चुनाव आयोग ने देशभर में 12.77 करोड़ से अधिक मतदाताओं का पंजीकरण किया है, लेकिन मतदाता सूची में रोहिंग्याओं की संभावित मौजूदगी को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं।

इधर, बांग्लादेश में चुनावों के दौरान राजनीति में धर्म के इस्तेमाल पर भी चिंता जताई जा रही है। एक ऑनलाइन बंगाली समाचार पोर्टल में प्रकाशित लेख में कहा गया कि लंबे समय से लोकतांत्रिक माहौल के अभाव, धार्मिक कट्टरता और कट्टर राजनीतिक ताकतों के उभार ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। लेख में कुछ नेताओं द्वारा चुनावी प्रतीकों के समर्थन पर 'जन्नत' का वादा करने और इस्लामी कानून लागू करने जैसे दावों का भी उल्लेख किया गया है।

अमेरिका में शीत तूफान का अलर्ट, हाई अलर्ट पर सरकार

वाशिंगटन । अमेरिका के कई हिस्सों में शीत तूफान तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह तूफान मिडवेस्ट, ईस्ट कोस्ट और दक्षिणी राज्यों के बड़े इलाकों को अपनी चपेट में लेने वाला है। मौसम विभाग और प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भारी बर्फबारी, बारिश और जमाने वाली ठंडी हवाएं लोगों के लिए बड़ा खतरा बन सकती हैं। इस तूफान के कारण हवाई उड़ानों में रुकावट आ रही है और कई जगहों पर सड़कों पर सफर बेहद खतरनाक या लगभग असंभव हो सकता है। बर्फ और बारिश से बिजली की लाइनें टूटने और लंबे समय तक बिजली गुल रहने का भी खतरा जताया गया है। व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगातार हालात की जानकारी दी जा रही है। एक अधिकारी ने कहा, 'राष्ट्रपति पूरे दिन अपडेट ले रहे हैं और सभी विभागों के साथ लगातार संपर्क में हैं। ट्रंप प्रशासन मिलकर हालात पर नजर रखे हुए है और जरूरत के अनुसार कदम उठा रहा है। होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने कहा कि यह तूफान भारी बर्फ, खतरनाक बारिश और जानलेवा ठंडी हवाएं ला सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि मिडवेस्ट, ईस्ट कोस्ट और यहां तक कि दक्षिण के कुछ हिस्सों में भी बिजली गुल होने, सड़कें बंद होने और रोजमर्रा की जिंदगी पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है। सरकार ने हालात से निपटने के लिए फेडरल एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा है। नोएम ने बताया कि फेमा (एफईएमए) राज्यों के साथ मिलकर तूफान की निगरानी कर रही है और तैयारी में जुटी है। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) ने बताया कि इंसिडेंट मैनेजमेंट टीमें पहले ही लुइसियाना, टेक्सास और वर्जीनिया भेजी जा चुकी हैं। इसके अलावा और टीमें भी तैयार हैं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर राज्यपालों के अनुरोध पर भेजा जाएगा। वहीं, 28 फेमा अर्बन सर्च एंड रेस्क्यू टीमें भी तुरंत तैनाती के लिए तैयार हैं। संभावित लंबे समय तक बिजली गुल रहने और सड़कों के बंद होने को देखते हुए फेमा ने दक्षिण और पूर्वी इलाकों में आपातकालीन सामान पहले से पहुंचा दिया है। इनमें 70 लाख से ज्यादा भोजन पैकेट, 20 लाख लीटर से अधिक पानी, 6 लाख से ज्यादा कंबल और 300 से अधिक जनरेटर शामिल हैं।

ईयू की एचआरवीपी काजा कैलास पहली बार आधिकारिक दौरे पर पहुंचीं भारत

नई दिल्ली, 24 जनवरी (आईएएनएस)। यूरोपीय संघ के विदेश मामलों और सुरक्षा नीति की उच्च प्रतिनिधि और उपाध्यक्ष काजा कैलास शनिवार को अपने पहले आधिकारिक दौरे पर भारत पहुंचीं। विदेश मंत्रालय ने इस दौरे को भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए सही समय पर बताया। दोनों पक्षों के बीच लगातार उच्च स्तरीय बातचीत हो रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इस दौरे की घोषणा की। उन्होंने इसे द्विपक्षीय संबंधों के लिए सही समय पर अहम बताया।

रणधीर जायसवाल ने कहा, 'ईयू एचआरवीपी काजा कैलास का ईयू हाई रिप्रेजेंटेटिव/वाइस-प्रेसिडेंट के तौर पर भारत के अपने पहले आधिकारिक दौरे पर हार्दिक स्वागत है। यह दौरा भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए एक सही समय पर हो रहा है, जो नियमित उच्च स्तरीय एंगेजमेंट की रफ्तार को आगे बढ़ाएगी।

इससे पहले गुरुवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में ईयू के सदस्य देशों के राजदूतों के साथ बातचीत की। ईएएम के मुताबिक चर्चा मौजूदा ग्लोबल माहौल पर केंद्रित थी, जिसमें अस्थिरता और तेजी से बदलती रफ्तार है।

विदेश मंत्री ने मीटिंग के बाद एक्स पर पोस्ट किया, 'आज ईयू देशों के राजदूतों से बातचीत करके खुशी हुई। उनसे दुनिया के मौजूदा हालात के बारे में बात की, जिसमें उतार-चढ़ाव और अस्थिरता न्यू नॉर्मल है।

जयशंकर ने भारत-ईयू के बीच और करीबी सहयोग की जोरदार वकालत की और उन क्षेत्रों पर जोर दिया जहां यह साझेदारी दुनिया को स्थिर करने में अहम भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि मजबूत रिश्ते मजबूत सप्लाई चेन पर सहयोग के जरिए वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोखिम से बचाने में मदद करेंगे।

ईयू के राजदूत के साथ यह मुलाकात यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के भारत के स्टेट दौरे से पहले हुई है। बता दें, दोनों ईयू नेता 26 जनवरी को भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यूरोपीय संघ के नेताओं का यह दौरा भारत-ईयू रिश्तों में एक अहम मील का पत्थर होगा।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत ईयू नेताओं की मेजबानी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। दोनों नेता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर यहां पहुंच रहे हैं। अपनी यात्रा के दौरान, कोस्टा और उर्सुला वॉन डेर लेयेन 27 जनवरी को 16वें भारत-ईयू समिट की सहअध्यक्षता भी करेंगे।

अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर, 16 राज्यों में इमरजेंसी का ऐलान, करीब पांच हजार उड़ान कैंसिल

नई दिल्ली । अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर देखने को मिल रहा है। शनिवार सुबह तक कम से कम 16 राज्यों ने इमरजेंसी की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही अमेरिका में इसकी वजह से उड़ान सेवा भी बाधित हुई है। तूफान से निपटने और तैयारी के लिए रिसोर्स जुटाने और बाकी चीजों के लिए इमरजेंसी की घोषणा कर दी है।

जिन राज्यों में इमरजेंसी की घोषणा की गई है, उनमें डेलावेयर, मिसौरी, अर्कांसस, लुइसियाना, मिसिसिपी, टेनेसी, अलबामा, जॉर्जिया, नॉर्थ कैरोलिना, साउथ कैरोलिना, वर्जीनिया, न्यूयॉर्क, केंटकी, मैरीलैंड, न्यू जर्सी और कैंसस शामिल हैं।

इसके साथ ही हजारों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। अमेरिकी मीडिया फ्लाइट अवेयर के हवाले से बताया कि स्थानीय समयानुसार शनिवार सुबह 2 बजे तक रविवार के लिए तय 5,100 से ज्यादा विमानें कैंसिल हो गई हैं। कैंसलेशन की संख्या बढ़ती जा रही है; शुक्रवार रात से अब तक लगभग 1,000 और विमानें कैंसिल हुई हैं।

विमान बुक करने वाली साइट का कहना है

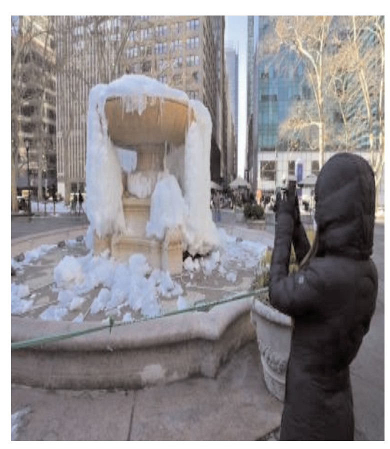

कि अब तक शनिवार की लगभग 3,200 उड़ानों को कैंसिल किया जा चुका है। इससे पहले ट्रंप सरकार के दौरान हुए सबसे लंबे शटडाउन के दौरान ऐसा हुआ था। पिछले साल 9 नवंबर को शटडाउन के पीक के दौरान एयरलाइनों ने 1,900 से ज्यादा विमानों को कैंसिल किया था।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा था, 'मुझे रिकॉर्ड कोल्ड वेव और शीत तूफान के बारे में जानकारी दी गई है जो इस हफ्ते अमेरिका के ज्यादातर हिस्सों में आएगा। ट्रंप सरकार स्टेट और लोकल अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेट कर रही है। एफईएमए जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। सुरक्षित रहें और गर्म रहें!

व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगातार हालात की जानकारी दी जा रही है। एक अधिकारी ने कहा, 'राष्ट्रपति पूरे दिन अपडेट ले रहे हैं और सभी विभागों के साथ लगातार संपर्क में हैं। ट्रंप प्रशासन मिलकर हालात पर नजर रखे। वहीं, 28 फेमा अर्बन सर्च एंड रेस्क्यू टीमें भी तुरंत तैनाती के लिए तैयार हैं। संभावित लंबे समय तक बिजली गुल रहने और सड़कों के बंद होने को देखते हुए फेमा ने दक्षिण और पूर्वी इलाकों में आपातकालीन सामान पहले से पहुंचा दिया है। इनमें 70 लाख से ज्यादा भोजन पैकेट, 20 लाख लीटर से अधिक पानी, 6 लाख से ज्यादा कंबल और 300 से अधिक जनरेटर शामिल हैं।

अमेरिका में भारतीयों से जुड़े तीन इमिग्रेशन मामलों में अदालत ने सुनाए फैसले

वाशिंगटन । अमेरिका की तीन संघीय अदालतों ने इस सप्ताह ऐसे फैसले दिए हैं जिनमें इमिग्रेशन अधिकारियों के कामकाज और गैर-नागरिकों की हिरासत पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इन मामलों में भारतीय नागरिकों को आंशिक राहत मिली है या उनके मुकदमों को आगे बढ़ने की अनुमति दी गई है। मिशिगन में एक फेडरल जज ने इमिग्रेशन अधिकारियों को आदेश दिया कि वे एक भारतीय शरणार्थी आवेदक को जमानत सुनवाई (बॉन्ड हियरिंग) दें या फिर उसे तुरंत रिहा करें। वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ मिशिगन की यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने कहा कि हरजोत सिंह को जुलाई 2025 से आईसीई (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट) द्वारा हिरासत में रखा जाना गैरकानूनी है।

हरजोत सिंह मई 2022 में अमेरिका पहुंचे थे और बाद में उन्होंने शरण के लिए आवेदन किया। हिरासत की जगह न होने के कारण उन्हें पहले पैरोल पर देश में रहने की अनुमति दी गई थी। इसके बाद उन्हें वर्क ऑथराइजेशन और सोशल सिक्योरिटी नंबर भी मिला, लेकिन एक नियमित चेक-इन के दौरान आईसीई ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने कहा कि सिंह पर अनिवार्य हिरासत के नियम लागू नहीं होते और उनकी हिरासत संविधान के पांचवें संशोधन के तहत मिलने वाले अधिकारों का उल्लंघन है। जज ने आदेश दिया कि आईसीई पांच कार्यदिवसों के भीतर बॉन्ड हियरिंग करे या उन्हें तुरंत रिहा करे। वाशिंगटन डीसी में एक अन्य फेडरल जज ने दिव्या वेणिगल्ला (जो एक भारतीय नागरिक हैं) की याचिका के एक हिस्से को आगे बढ़ने की अनुमति दी। वेणिगल्ला ने यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के खिलाफ मुकदमा किया था, जिसमें उन्होंने अपने इमिग्रेंट इन्वेस्टर ग्रीन कार्ड आवेदन की अपील के तरीके पर सवाल उठाया।

अवामी लीग ने यूनुस सरकार के जनमत संग्रह की आलोचना की, जनता को गुमराह करने का आरोप

ढाका । बांग्लादेश की अवामी लीग ने मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर तथाकथित रेफरेंडम (जनमत संग्रह) कराने की कोशिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ संवैधानिक नियमों का बड़ा उल्लंघन है, बल्कि लोगों को गुमराह करने की एक सोची-समझी कोशिश है।

अवामी लीग ने कहा कि बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनावों के साथ होने वाला रेफरेंडम यूनुस सरकार का रचा हुआ एक मजाक है और यह देश के संवैधानिक इतिहास पर एक काला ??धब्बा बना रहेगा। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया है कि बिना किसी जनादेश वाली सरकार देश के लोगों को अंधेरे में रखते हुए देश का भविष्य तय करने की कोशिश

कर रही है।

अवामी लीग ने कहा, 'जुलाई 2024 में एक चुनी हुई सरकार को हटाने के लिए पूरे देश में सुनियोजित दंगे करवाने के बाद से जिस तरह मुहम्मद यूनुस और उनकी सलाहकार परिषद सत्ता में बनी रही, वह बांग्लादेश के संवैधानिक इतिहास का एक शर्मनाक अध्याय बन गया है। यह विदेशी फंडेड तख्तापलट, जिसे इस्लामी आतंकवादी समूहों और सेना के समर्थन से किया गया।

बांग्लादेश के संविधान के नियमों पर जोर देते हुए पार्टी ने कहा, 'संविधान का आर्टिकल 7 साफ तौर पर कहता है कि रिपब्लिक की सारी ताकतें लोगों की हैं। इसी बुनियादी सिद्धांत पर रेफरेंडम का संवैधानिक सिस्टम टिका है, जहां नागरिक सीधा अपनी मर्जी जाहिर करते हैं। फिर भी यूनुस सरकार की, तीस सुधार प्रस्तावों की बातें सीक्रेट रखते हुए रेफरेंडम का प्रस्ताव देने की हिम्मत सीधे संविधान की भावना से टकराती है। अवामी लीग ने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में लोगों को अंधेरे में रखकर जनता की राय लेना जनमत संग्रह नहीं, बल्कि एक दिखावा है। प्रस्तावित सुधारों की असलियत बताए बिना जनता की राय कैसे मांगी जा सकती है?

अंतरिम सरकार के रेफरेंडम की आलोचना करते हुए पार्टी ने कहा, 'जब कोई वोटर बैलेट बॉक्स के सामने खड़ा होता है, तो क्या उससे यह उम्मीद की जाएगी कि वह बिना यह जाने कि वह किस पर वोट कर रहा है, हां या ना में वोट देगा? यह न सिर्फ गैर लोकतांत्रिक है बल्कि यह लोगों की समझ और अधिकारों का बहुत बड़ा अपमान है। संविधान द्वारा गारंटीकृत सूचना का अधिकार, पारदर्शिता का सिद्धांत और लोकतांत्रिक भागीदारी की बुनियादी शर्तें, सभी को कुचला जा रहा है। '

अवामी लीग ने कहा कि यूनुस सरकार का हर कदम बांग्लादेश के लोगों के संवैधानिक अधिकारों को कम कर रहा है। विदेशी लोगों के कहने पर इस्लामी उग्रवादियों के समर्थन से और सेना के अंदर के लोगों की मदद से यह गैर-कानूनी ढांचा अब संविधान और लोकतंत्र को पूरी तरह खत्म करने पर तुला हुआ है। तीस सुधार प्रस्तावों की बातें छिपाते हुए रेफरेंडम करवाना न सिर्फ गैरकानूनी है, बल्कि यह लोगों के साथ सीधा धोखा है।

भारत ने फिजी के साथ उज्ज्वल, समृद्ध भविष्य पर आधारित रिश्तों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

सुवा (फिजी)। फिजी मीडिया के अनुसार, भारत ने फिजी और व्यापक प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता दोहराई है। साथ ही, भारत और फिजी के बीच द्विपक्षीय संबंध अब सहयोग के एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं, जो भरोसे, साझा मूल्यों और लोगों से लोगों के रिश्तों पर आधारित होगा। शुक्रवार रात (स्थानीय समय) फिजी के नोवोटेल लामी में आयोजित भारत के गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान फिजी में भारत के उच्चायुक्त सुनीत मेहता ने कहा कि भारत और फिजी मिलकर ऐसा भविष्य गढ़ रहे हैं, जिससे दोनों देशों के नागरिकों को सीधे और ठोस लाभ मिल सके। स्थानीय मीडिया संस्था 'द फिजी टाइम्स' ने यह जानकारी दी।

मेहता ने कहा, 'साथ मिलकर, हम अपने लोगों के लिए एक ऐसा भविष्य बनाएंगे जो अधिक उज्ज्वल, अधिक समृद्ध और अधिक समावेशी हो। उन्होंने भारत और फिजी के बीच गहरे ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख किया और कहा कि गिरमिटिया समुदाय ने फिजी के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में लंबे समय से अहम योगदान दिया है।

उन्होंने कहा, 'फिजी में भारतीय प्रवासी 19वीं सदी से हमारे संबंधों की आधारशिला रहे हैं, और आज भी कृषि, व्यापार, शिक्षा और सार्वजनिक सेवा सहित सभी क्षेत्रों में एक अभिन्न भूमिका निभा रहे हैं।

सुवा स्थित भारतीय उच्चायोग के अनुसार, सुनीत मेहता ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और फिजी के मजबूत और बहुआयामी संबंधों को और सशक्त करना दोनों देशों के लोगों, पूरे क्षेत्र और उससे आगे के लिए लाभकारी होगा।

भारतीय मिशन ने बताया कि इस समारोह से दोनों देशों के बीच मित्रता, सहयोग और साझा मूल्यों के रिश्ते और मजबूत हुए हैं।

इस अवसर पर मेहता ने वर्ष 2025 को भारत-फिजी संबंधों के लिए एक 'महत्वपूर्ण वर्ष' बताया। उन्होंने कहा कि इस दौरान उच्च स्तर पर राजनीतिक संवाद लगातार जारी रहा। द फिजी टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि फिजी के राष्ट्रपति नाइकामा लालाबलावू (पिछले नवंबर) और प्रधानमंत्री सितिवेनी राबुका (अगस्त 2025) की भारत यात्रा के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण समझौते हुए और एक संयुक्त बयान जारी किया गया, जिसमें 'वेलोमानी दोस्ती' यानी आपसी सम्मान पर आधारित मित्रता की भावना को दोहराया गया। मेहता ने स्वास्थ्य सहयोग को दोनों देशों की साझेदारी का एक प्रमुख पहलू बताया। उच्चायुक्त ने कृषि, शिक्षा, रक्षा और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'भारत स्थायी विकास, लचीलापन और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए फिजी और अन्य प्रशांत द्वीप देशों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोलंबो पहुंचे भारतीय तटरक्षक जहाज, श्रीलंका के साथ समुद्री सहयोग मजबूत करने की तैयारी

नई दिल्ली । भारतीय तटरक्षक बल के दो जहाजों ने श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह पर दौरा किया। ऑफशोर पेट्रोल वेसल आईसीजीएस वराह और फास्ट पेट्रोल वेसल आईसीसीजीएस अतुल्य 24 जनवरी 2026 को हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी विदेशी तैनाती के दौरान कोलंबो पहुंचे। यह दौरा भारत की क्षेत्रीय समुद्री सहयोग को मजबूत करने, पड़ोसी देशों के साथ बेहतर समन्वय बनाने और हिंद महासागर क्षेत्र में आपसी सद्भावना बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दिखाता है। भारतीय तटरक्षक बल नियमित रूप से ऐसे पोर्ट कॉल करता है ताकि क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग बढ़े।

दौरे के दौरान दोनों जहाज श्रीलंका तटरक्षक के साथ पेशेवर चर्चा और बातचीत करेंगे। इन चर्चाओं का मुख्य फोकस समुद्री क्षेत्रों में क्षमता निर्माण और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान पर होगा। विशेष रूप से समुद्री खोज और बचाव, समुद्री प्रदूषण से निपटना, समुद्री कानून प्रवर्तन और विजिट, बोर्ड, सर्च एंड सीजर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा।

इन गतिविधियों का उद्देश्य दोनों देशों की तटरक्षक एजेंसियों के बीच बेहतर समझ विकसित करना, अनुभव साझा करना और समुद्री चुनौतियों जैसे

तस्करी, अवैध मछली पकड़ना, प्रदूषण या आपात बचाव जैसे मामलों में मिलकर प्रभावी तरीके से काम करना है। ऐसे दौरे से दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को समझती हैं और संयुक्त अभियानों में बेहतर तैयारी कर पाती हैं। यह दौरा हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सक्रिय भूमिका को रेखांकित करता है, जहां समुद्री सुरक्षा सभी देशों के लिए महत्वपूर्ण है। आईसीजीएस वराह और आईसीजीएस अतुल्य जैसे जहाज पहले भी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अभ्यासों और तैनातियों में हिस्सा ले चुके हैं। श्रीलंका के साथ यह सहयोग भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति और क्षेत्रीय स्थिरता के प्रयासों का हिस्सा है। दोनों जहाजों का यह पोर्ट कॉल क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय तटरक्षक बल की ऐसी पहलें न केवल द्विपक्षीय संबंध मजबूत करती हैं, बल्कि पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता लाने में मदद करती हैं।

संक्षिप्त खबर

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस : पीएम मोदी ने सीएम योगी को दी शुभकामनाएं, मुख्यमंत्री ने जताया आभार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शुभकामनाओं के साथ संदेश भेजा है। पीएम मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा उत्तर प्रदेश आज 'विकास भी और विरासत भी' के मंत्र का उत्तम उदाहरण बन रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस संदेश को प्रदेशवासियों के साथ शेयर करते हुए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''उत्तर प्रदेश दिवस' के पावन अवसर पर आत्मीय और प्रेरणादायी शुभकामनाओं के लिए आपका हृदय से आभार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी। '

सीएम योगी के नाम अपने संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'आज 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस मनाया जा रहा है। मैं सभी यूपी वासियों को 'उत्तर प्रदेश दिवस' की हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं काशी का सांसद हूं और यूपी के लोगों ने मुझे चुनकर लोकसभा भेजा है, इसलिए यह दिन मेरे लिए और भी विशेष हो जाता है। यूपी के लोगों से मुझे जो प्रेम और आत्मीयता मिली है, वह मेरे लिए बहुत बड़ी पूंजी है। उत्तर प्रदेश की मिट्टी में कुछ खास है। उत्तर प्रदेश ने हमेशा अपने सामर्थ्य से, अपनी प्रतिभा से देश के विकास को गति दी है। मुझे खुशी है कि हमारा उत्तर प्रदेश आज 'विकास भी और विरासत भी' के मंत्र का उत्तम उदाहरण बन रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि यूपी में प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या है, भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा-वृंदावन है और इसी भूमि पर सारनाथ से भगवान बुद्ध का ज्ञान विश्व को प्राप्त हुआ था। उत्तर प्रदेश में ही अनादि काशी भी है, और पवित्र प्रयागराज भी है। अयोध्या के राम मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा-ध्वजारोहण, काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निर्माण, महाकुंभ का आयोजन और अभी चल रहा माघ मेला यूपी के सांस्कृतिक सामर्थ्य को दर्शाता है। यह सामर्थ्य यूपी में पर्यटन की अपार संभावनाओं को साकार कर रहा है।

उन्होंने पत्र में आगे लिखा, 'उत्तर प्रदेश झांसी और मेरठ से लेकर काकोरी तक स्वतंत्रता आंदोलन की उर्वरा भूमि भी रहा है। इस प्रांत की मिट्टी को रानी लक्ष्मीबाई, झलकारीबाई, बेगम हजरत महल, मंगल पांडे, राम प्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद और अश्फाकउल्ला खान जैसी महान विभूतियों की जन्मभूमि और कर्मभूमि बनने का गौरव प्राप्त है। मध्यकाल में राजा सुहेलदेव ने आक्रमणकारियों के आतंक का अंत किया था। इतिहास राजा बिजली पासी के शौर्य का भी साक्षी रहा है। '

उत्तर प्रदेश सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'ऐसी महान प्रेरक गाथाओं को साथ लेकर उत्तर प्रदेश के लोगों ने अपने श्रम, सामर्थ्य और निष्ठा से राज्य की एक अलग पहचान बनाई है। आज उत्तर प्रदेश तेजी से एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। एक समय ऐसा भी था जब दशकों तक प्रोजेक्ट्स के लंबित रहने के कारण आम लोगों के मन में व्यवस्था के प्रति एक अविश्वास पैदा हो गया था। लेकिन आज, भाजपा सरकार में पुराने प्रोजेक्ट्स भी पूरे हो रहे हैं, और नई परियोजनाएं भी तेजी से पूरी की जा रही हैं। इसमें केंद्रीय स्तर पर होने वाली 'प्रगति' की बैठकों की भी अहम भूमिका रही है।

उन्होंने यह भी लिखा कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के बाद अब गंगा एक्सप्रेसवे भी यूपी के विकास को नई रफ्तार देने जा रहा है। उत्तर प्रदेश जल्द ही 21 हवाई अड्डों वाला प्रदेश बनने की राह पर है और देश में सबसे आगे खड़ा है। लखनऊ, वाराणसी और अयोध्या जैसे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट दुनिया के लिए हमारे द्वार खोल रहे हैं। जेवर का नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी शीघ्र ही लाखों यात्रियों की उम्मीदों को उड़ान देगा।

अपने संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' में उत्तर प्रदेश के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने राज्य की मजबूत कानून व्यवस्था को लेकर भी तारीफ की। पीएम मोदी ने आगे कहा कि जनसंख्या की दृष्टि से यूपी देश का सबसे बड़ा राज्य है। जब हम सामूहिक शक्ति से विकास का निर्धारित लक्ष्य लेकर चलेंगे तो यूपी की प्रगति से देश के विकास को भी नई गति मिलेगी।

उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि उन्हें विकास के हर पैरामीटर पर यूपी को नंबर वन बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ना होगा। पीएम मोदी ने कहा कि हम सभी संकल्प लें कि यूपी को आत्मनिर्भर अभियान, मिशन मैन्यूफैक्चरिंग, ग्रीन एनर्जी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी बनाएंगे।

फिर से प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए अपने पत्र के आखिर में पीएम मोदी ने लिखा, 'विकसित उत्तर प्रदेश का यह संकल्प दिन-प्रतिदिन विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति की ऊर्जा बनेगा।

बेंगलुरु में ईडी की बड़ी कार्रवाई: बीएमएस ट्रस्ट की 19.46 करोड़ की संपत्तियां अटैच

बेंगलुरु । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बीएमएस एजुकेशनल ट्रस्ट से जुड़े एक बड़े सीट ब्लॉकिंग स्कैम और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी के बेंगलुरु जोनल ऑफिस ने 21 जनवरी 2026 को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत ट्रस्ट के ट्रस्टियों से संबंधित तीन अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच कर दिया है। अटैच संपत्तियों में एक प्लॉट और दो फ्लैट शामिल हैं, जिनकी अनुमानित मार्केट वैल्यू 19.46 करोड़ रुपए है। यह कार्रवाई कर्नाटक एग्जामिनेशन अथॉरिटी के माध्यम से इंजीनियरिंग कॉलेजों में एडमिशन के दौरान होने वाले सीट ब्लॉकिंग घोटाले और निर्धारित फीस से अधिक कैश वसूली के आरोपों पर आधारित है। मामला मल्लेश्वरम पुलिस और हनुमंतनगर पुलिस, बेंगलुरु द्वारा दर्ज एफआईआर पर ईडी ने जांच शुरू की थी। ईडी ने इससे पहले 25 जून 2025 और 26 मई 2025 को ट्रस्ट से जुड़े ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाए थे। इन तलाशियों में खुलासा हुआ कि बीएमएस एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा संचालित इंजीनियरिंग कॉलेजों (जैसे बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग) में एडमिशन प्रक्रिया के दौरान तय फीस से कहीं अधिक बिना हिसाब-किताब के कैश इकट्ठा किया जा रहा था।जांच में पाया गया कि कॉलेज मैनेजमेंट सीटों को बिचौलियों और एजेंटों के माध्यम से बेच रहा था। ये एजेंट शिक्षा परामर्शदाता के रूप में काम करते थे। छात्रों से सीधे या एजेंटों के जरिए कैश लिया जाता था, लेकिन यह राशि ट्रस्ट के आधिकारिक खातों या किताबों में दर्ज नहीं की जाती थी। तलाशी के दौरान ट्रस्टियों, मैनेजमेंट और एजेंटों के ठिकानों से 1.86 करोड़ रुपए नकद जब्त किए गए। साथ ही, इंजीनियरिंग सीटों की बिक्री से जुड़े 20.20 करोड़ रुपए के अनहिसाब कैश कलेक्शन के सबूत भी बरामद हुए। ये सबूत डायरी नोटिंग्स, व्हाट्सएप चैट्स, अन्य दस्तावेज आदि थे, जिनकी पुष्टि कॉलेज स्टाफ, मैनेजमेंट कर्मियों और शामिल एजेंटों ने की है। जांच से पता चला है कि सीट बिक्री से आए इस अनहिसाब कैश का इस्तेमाल बीएमएस एजुकेशनल ट्रस्ट के ट्रस्टियों के निजी फायदे और लाभ के लिए किया गया था।

भाजपा सरकार ने यूपी को बीमारू से ब्रेक-थ्रू राज्य बनाया : अमित शाह

लखनऊ । यूपी दिवस के अवसर पर लखनऊ में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कभी लेबर सोर्स स्टेट के रूप में पहचाना जाने वाला उत्तर प्रदेश आज देश की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस, सपा और बसपा के शासनकाल में बीमारू राज्य बने यूपी को भाजपा सरकार ने विकास की रफ्तार देकर ब्रेक-थ्रू स्टेट में बदला है और अब यह प्रदेश विकसित भारत के संकल्प का मजबूत आधार बन रहा है। इस दौरान उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर शुरू की गई सरदार पटेल औद्योगिक योजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सुनियोजित रोडमैप तैयार किया गया है।

उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में प्रदेश का हर जिला रोजगार से युक्त होगा और युवाओं को अपने ही राज्य में सम्मानजनक आजीविका मिलेगी। शाह ने कहा कि एक जमाने में हमारा उत्तर प्रदेश लेबर सोर्स स्टेट के रूप में जाना जाता था। आज वही उत्तर प्रदेश देश की इकोनॉमी का चौथा सबसे बड़ा राज्य बन चुका है। यह हम सभी के लिए आनंद और गर्व का विषय है। कांग्रेस, सपा और बसपा के शासनकाल में उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य बनाकर रखा गया।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य से निकालकर ब्रेक-थ्रू राज्य बनाया और विकास को हर गाँव तक पहुँचाने का काम किया है।

शाह ने कहा कि 2017 में, जब हम दिल्ली में उत्तर प्रदेश का घोषणा पत्र तैयार कर रहे थे, तब 'एक जिला एक उत्पाद' की परिकल्पना को भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र में शामिल किया गया था। आज हमारी डबल इंजन सरकार का चमत्कार देखिए... 'एक जिला एक उत्पाद' योजना न केवल उत्तर प्रदेश में सफल हुई, बल्कि यहीं से प्रेरणा लेकर पूरे देश में फैल चुकी है। यह योजना आज हमारे कारीगरों, युवाओं, महिलाओं और माताओं के लिए रोजगार का साधन बन चुकी है।

उन्होंने कहा कि आज मैं पहली बार प्रेरणा स्थल आया। तीन महानुभावों की आसमान को छूने वाली मूर्तियां और सभी सुविधाओं से युक्त इस प्रेरणा स्थल के लिए मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी और दोनों उपमुख्यमंत्रियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देना चाहता हूं।

शाह ने कहा कि यह प्रेरणा स्थल राष्ट्र की चेतना की जागृति का स्थल आने वाले दिनों में बनने वाला है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी, जिन्होंने न केवल जनसंघ की स्थापना की, बल्कि कश्मीर के लिए अपना बलिदान दिया; एकात्म मानव दर्शन के जनक दीनदयाल उपाध्याय जी और लखनऊ के ही जनप्रतिनिधि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में बना यह स्थल दशकों तक देश को दिशा देगा। मोदी जी ने विकसित भारत बनाने का एक संकल्प लिया है और योगी जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने भी विकसित उत्तर प्रदेश बनाने का संकल्प लिया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में उत्तर प्रदेश निर्णायक भूमिका निभाने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है और डबल इंजन सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश देश के विकास का इंजन बन रहा है। सरदार पटेल औद्योगिक योजना के माध्यम से प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार मिलेगा और उन्हें परिवार से दूर पलायन नहीं करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि लक्ष्य यह है कि युवा अपने माता-पिता की सेवा करते हुए अपने प्रदेश में ही आत्मनिर्भर बनें। कार्यक्रम के दौरान गृह मंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार की पहल पर हर वर्ष एक लाख युवाओं को पांच लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त, गारंटी-मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें 10 प्रतिशत अनुदान की भी व्यवस्था है। अब तक एक लाख से अधिक युवा इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब सिर्फ इसका अग्रणी राज्य ही नहीं है, बल्कि नए-नए नवाचारों के साथ इसे और विस्तार दे रहा है। प्रेरणा स्थल का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें बताया कि जिस स्थान पर कभी 65 एकड़ में कूड़े का पहाड़ था, आज वहां एक भव्य और प्रेरणादायी स्थल विकसित किया गया है। यह स्थल श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान नेताओं की स्मृति को समर्पित है और आने वाली पीढ़ियों को दशकों तक प्रेरणा देता रहेगा। अमित शाह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों उपमुख्यमंत्रियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने जिस दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ विकास कार्य किए हैं, वे सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल भौगोलिक रूप से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से भी देश की आत्मा है। यह वही भूमि है, जहां भगवान राम, भगवान कृष्ण, महावीर और गौतम बुद्ध जैसे महापुरुषों ने युग परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया। गृह मंत्री ने दोहराया कि जब 15 अगस्त 2047 को देश आजादी की शताब्दी मनाएगा, तब उत्तर प्रदेश पूर्ण विकसित राज्य के रूप में विकसित भारत का एक मजबूत स्तंभ होगा।

घरेलू टेक्सटाइल बाजार 13 लाख करोड़ तक पहुंचा, निर्यात में 25 फीसदी से ज्यादा उछाल: गिरिराज सिंह

नई दिल्ली । पिछले दस वर्षों में भारत के कपड़ा उद्योग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है। सरकार के अनुसार, 2014 में यह सेक्टर 8.4 लाख करोड़ रुपए का था, जो अब बढ़कर करीब 16 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसके साथ ही यह क्षेत्र देश में रोजगार सृजन का सबसे बड़े प्लेटफॉर्मों में से एक बन गया है। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि देश का घरेलू टेक्सटाइल बाजार भी तेजी से बढ़ा है। यह बाजार 6 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2025 में 13 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। वहीं, कोरोना महामारी के बाद भारत के टेक्सटाइल निर्यात में 25 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है।

यह बातें मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल गारमेंट फेयर (आईआईजीएफ) के 74वें संस्करण को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि अब यह मेला केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दुनियाभर के गारमेंट खरीदारों के लिए एक बड़ा और भरोसेमंद प्लेटफॉर्म बन चुका है। मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले इस सरकार ने टेक्सटाइल सेक्टर में आने वाली कई रुकावटों को दूर किया है, जिसमें गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ), रोडटेप और रोसिटल योजनाओं की राशि बढ़ाना, आयात शुल्क में अस्थायी कटौती और उलटी ड्यूटी संरचना को ठीक करने जैसे कदम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने रोडटेप और रोसिटल योजनाओं के जरिए करीब 50 हजार करोड़ रुपए का समर्थन कपड़ा उद्योग को दिया है। गिरिराज सिंह ने यह भी कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद उद्योग मजबूती और स्थिरता के साथ आगे बढ़ा है। उन्होंने बताया कि 40 नए देशों में निर्यात बढ़ाने की रणनीति के अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं।

मंत्री के अनुसार, अर्जेंटीना में निर्यात 77 प्रतिशत, मिस्र में 30 प्रतिशत, पोलैंड और जापान में 20 प्रतिशत, जबकि स्वीडन और फ्रांस में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौता आने वाले कुछ दिनों में साइन होने की उम्मीद है, जिससे टेक्सटाइल सेक्टर को और मजबूती मिलेगी।मंत्री ने कहा कि भारत के पास युवा कार्यबल, पर्याप्त कच्चा माल और विदेशी मुद्रा भंडार है, इसलिए देश को अपने सभी लक्ष्य पूरे करने चाहिए।

उन्होंने यह भी बताया कि भारत अब विदेशी मानकों पर निर्भर रहने के बजाय विजननेक्स्ट और इंडियासाइज जैसी स्वदेशी पहल के जरिए अपने खुद के मानक तैयार कर रहा है।

पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत 38 क्षेत्रों में 27 लाख से ज्यादा युवाओं को दिया गया कौशल प्रशिक्षण : केंद्र

नई दिल्ली । सरकार के अनुसार, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 के तहत अब तक 27.08 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है (7 दिसंबर 2025 तक)। यह प्रशिक्षण 38 अलग-अलग सेक्टरों में दिया गया है और इसमें 36 राज्य और 732 जिले शामिल हैं।

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के मुताबिक, अप्रैल 2024 से 7 दिसंबर 2025 के बीच 34 राज्यों और 670 जिलों में आईटी और आईटीईएस, एयरोस्पेस और एविएशन, कृषि, रबर, चमड़ा, पर्यटन और होटल उद्योग जैसे क्षेत्रों में 7.5 लाख से ज्यादा युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया।

पीएमकेवीवाई, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की प्रमुख अल्पकालिक प्रशिक्षण योजना है। मंत्रालय के अनुसार, योजना के चार चरणों में यह एक छोटे स्तर की योजना से बढ़कर एक बड़े और मांग पर आधारित कौशल प्रशिक्षण सिस्टम में बदल गई है।युवाओं को रोजगार के लिए और बेहतर तैयार करने के लिए 77 विशेष कोर्स और 102 भविष्य की नौकरियों से जुड़े नए पद शुरू किए गए हैं। इनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंडस्ट्री 4.0, ग्रीन जॉब्स और डिजिटल सेवाएं जैसे नए क्षेत्र शामिल हैं।

मंत्रालय ने बताया कि देशभर में 15,500 से ज्यादा संस्थान पीएमकेवीवाई 4.0 को लागू कर रहे हैं, जिनमें 7,000 से ज्यादा स्किल हब स्कूलों, कॉलेजों और आईटीआई में चल रहे हैं। इसके अलावा आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईआईआईटी, सरकारी संस्थान और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां भी पहली बार इस योजना से जुड़ी हैं।

अप्रैल 2024 से सितंबर 2025 के बीच इस योजना के तहत 1,652.89 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत 200 करोड़ रुपए का अलग बजट रखा गया है, ताकि प्रशिक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं का एक राष्ट्रीय समूह तैयार किया जा सके। इसके लिए नियम, पाठ्यक्रम और प्रमाणपत्र व्यवस्था एनसीवीईटी द्वारा तय की गई है और इन्हें स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) पर होस्ट किया गया है।

मंत्रालय ने बताया कि अप्रैल 2024 से नवंबर 2025 तक पीएमकेवीवाई 4.0 से जुड़े कार्यक्रमों के तहत 34,505 प्रशिक्षकों और 13,844 मूल्यांकनकर्ताओं को प्रमाणित किया गया है।

जहां तक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की बात है, ये भारत में लंबे समय की व्यावसायिक शिक्षा की रीढ़ माने जाते हैं। 2014 से 2025 के बीच आईटीआई की संख्या 9,977 से बढ़कर 14,682 हो गई है। इस दौरान 4,605 नए आईटीआई खोले गए।

मंत्रालय के अनुसार, आईटीआई में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या भी 9.5 लाख से बढ़कर 14 लाख से ज्यादा हो गई है, जिससे व्यावसायिक शिक्षा पर बढ़ता भरोसा दिखाई देता है। वहीं राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) की संख्या 25 से बढ़कर 33 हो गई है और प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण संस्थान (आईटीओटी) 11 से बढ़कर 120 हो गए हैं। इसके साथ ही एनएसटीआई और आईटीओटी में 17,475 सीटें स्वीकृत की गई हैं।

चंदन-भस्म और सूखे मेवे से बाबा महाकाल का अद्भुत श्रृंगार, भस्म आरती में लगा श्रद्धालुओं का तांता

उज्जैन। शनिवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर के दरबार में भक्तों का सैलाब देखने को मिला। ब्रह्म मुहूर्त में होने वाली परंपरागत भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का विशेष जलाभिषेक और पंचामृत पूजन के साथ चंदन, भस्म और सूखे मेवे से विशेष श्रृंगार किया गया।

माघ माह शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर हुए इस भस्म आरती के अवसर पर बाबा का अद्भुत और मनमोहक श्रृंगार भी किया गया, जिसे देख श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए और परिसर हर हर महादेव, जय महाकाल से गूंज उठा। बाबा महाकाल के मस्तक पर चंदन, भांग और सूखे मेवों से दिव्य रूप उकेरा गया। भस्म की पवित्र राख से सराबोर भगवान और महामृत्युंजय मंत्र के जयघोष और शंखध्वनि से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। बाबा के दर्शन और भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भस्म आरती महाकाल मंदिर की सबसे महत्वपूर्ण और लोकप्रिय आरती है। यह ब्रह्म मुहूर्त में होती है, जिसमें भगवान शिव का भस्म से श्रृंगार किया जाता है। इस आरती में शामिल होने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचते हैं।

भस्म आरती का पौराणिक महत्व भी बहुत गहरा है। इसमें गोहरी, पीपल, पलाश, शमी और बेल की लकड़ियों की राख मिलाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल निराकार स्वरूप में होते हैं।

चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास : रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र पाकर युवाओं ने पीएम मोदी का जताया आभार

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आयोजित 18वें रोजगार मेले के अवसर पर देशभर के विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में चयनित 61 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस मौके पर युवाओं के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। रोजगार मेले के जरिए चयनित अभ्यर्थियों ने इसे अपने सपनों को पूरा करने का बड़ा मंच बताया।

महाराष्ट्र के नागपुर से नियुक्ति पत्र पाने वाले एक उम्मीदवार ने आईएएनएस से बताया कि उनका चयन एसएससी जीडी भर्ती के तहत सीआरपीएफ में हुआ है। उन्होंने कहा, 'हमारे लाइब्रेरी इंस्ट्रक्टर ने हमें मार्गदर्शन दिया और आवेदन फॉर्म भरने की पूरी जानकारी दी। उन्हीं की मदद से मैं इस मुकाम तक पहुंच सका।

दिल्ली में नियुक्ति पत्र पाने वाले एक अन्य युवा ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार को दिया। उन्होंने कहा, 'मेरी सफलता के पीछे मेरे परिवार का बड़ा सहयोग है। उन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद, जिन्होंने यह रोजगार मेला आयोजित किया और हमें नियुक्ति पत्र दिए।

चंडीगढ़ से एक उम्मीदवार ने बताया कि कक्षा 12वीं के बाद उनका सपना सेना में जाने का था। उन्होंने कहा, 'मैंने सेना की भर्ती प्रक्रिया के कई चरण पास किए, लेकिन उम्र सीमा के कारण अंतिम चयन नहीं हो पाया। इसके बाद मैंने एसएससी जीडी की तैयारी की और अब चयन हो गया।

चंडीगढ़ के एक अन्य उम्मीदवार ने रोजगार मेले की तारीफ करते हुए कहा, 'यह योजना बहुत अच्छी है। जो भी छात्र मेहनत करता है, उसे यहां मौका मिलता है। प्रधानमंत्री के कार्यकाल में बहुत से युवाओं को नौकरी मिली है।

इसी शहर से एक और युवक ने बताया कि उनका चयन सीआईएसएफ में कांस्टेबल के रूप में हुआ है और उनकी ट्रेनिंग 16 फरवरी से राजस्थान के देओली में शुरू होगी। वहीं, एक अन्य उम्मीदवार ने कहा कि उनका चयन आईटीबीपी में हुआ है। उन्होंने खुशी जताते हुए बताया कि उनके भाई का चयन सीआईएसएफ में हुआ है और अब उन्हें भी देश सेवा का मौका मिला है।

गुजरात के गांधीनगर में एक उम्मीदवार ने बताया कि उनका चयन एसएसबी कांस्टेबल के रूप में हुआ है और उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार जताया। वहीं, एक युवती ने कहा कि उनका बचपन का सपना बीएसएफ में शामिल होना था। उन्होंने कहा, 'लोग कहते थे कि लड़कियों को बीएसएफ में नहीं जाना चाहिए, लेकिन मैंने अपने सपने को सच कर दिखाया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस : जब पीएम मोदी से मुलाकात ने ताइक्वांडो खिलाड़ी तारुषी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर भारत यह संदेश दोहराता है कि बेटियों का सशक्तीकरण ही देश की मजबूती की नींव है। यही विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और शासन की सोच का आधार रहा है। उनकी यह सोच राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और सामाजिक दृष्टिकोण को नई दिशा देती रही है। इस सोच का प्रभाव चंडीगढ़ की युवा तारुषी गौड़ जैसी बेटियों के जीवन में भी साफ दिखाई देता है। मात्र चार वर्ष की उम्र में ताइक्वांडो की शुरुआत करने वाली तारुषी की यात्रा अनुशासन, दृढ़ संकल्प और समर्पण की मिसाल है।

'मोदी आर्काइव' की तरफ से 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर जारी वीडियो में तारुषी गौड़ बताती हैं कि बीते वर्षों में उन्होंने नेशनल स्कूल गेम्स, फेडरेशन प्रतियोगिताओं और सीबीएसई नेशनल स्तर पर कई पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही वे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की धारक भी बनीं। वर्ष 2022 में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर ही उन्हें प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय बाल शक्ति पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अपने अनुभव साझा करते हुए तारुषी कहती हैं कि प्रधानमंत्री होने के बावजूद उनका स्वभाव बेहद सरल है। वे बच्चों से आत्मीयता से बात करते हैं और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। तारुषी ने कहा, 'वे प्रधानमंत्री हैं, फिर भी वो कितने डाउन टू अर्थ हैं। वे बच्चों के साथ खुश होकर बात करते हैं। उन्होंने मुझे प्रेरित किया कि कैसे मैं और परिश्रम कर सकती हूं। उन्होंने कहा कि अभी रुकना नहीं है। हमें और आगे मेहनत करते जाना है।

अवॉर्ड से बढ़कर, वह बातचीत थी जिसने एक गहरा असर छोड़ा। प्रधानमंत्री की गर्मजोशी और सादगी ने युवा पुरस्कार विजेताओं को सहज महसूस कराया और उनमें आत्मविश्वास जगाया। कई लड़कियां जो शुरू में घबराई हुई थीं, उन्हें उनके शब्दों से हिम्मत मिली।

तारुषी ने बताया कि मेरे साथ कार्यक्रम में और भी गर्ल अवॉर्डी थीं। कुछ बच्चियां डर रही थीं कि प्रधानमंत्री से कैसे बात करनी है, लेकिन पीएम मोदी की आभा ने हम सभी को सहज कर दिया। फिर सभी ने उनके साथ खुलकर अच्छे से बातें कीं।

'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' और 'कन्या केलवणी' जैसी पहलों व शिक्षा, खेल, विज्ञान और इनोवेशन में लड़कियों को लगातार समर्थन देने से यह संदेश साफ है कि राष्ट्र निर्माण के लिए लड़कियों को सशक्त बनाना जरूरी है। लाइव टेलीकास्ट और स्कूलों में दिखाए गए इस समारोह ने अनगिनत युवा लड़कियों को प्रेरित किया, जिनमें से कई ने देखा कि वे भी क्या हासिल कर सकती हैं।

तारुषी गौड़ बताती हैं, 'जब हमें अवॉर्ड मिला था, तब उसका लाइव टेलीकास्ट दूरदर्शन और अन्य चैनलों पर हुआ था। इसकी वजह से बाकी स्कूलों की लड़कियों ने वह वीडियो देखा और प्रेरित हुईं कि कैसे वे भी कुछ कर सकती हैं और प्रधानमंत्री मोदी से मिलने का मौका मिल सकता है।

'मोदी आर्काइव' ने 'एक्स' पर लिखा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस सिर्फ एक उत्सव से कहीं ज्यादा है। यह बेटियों पर विश्वास करने, उनकी महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए समान अवसर देने की याद दिलाता है, क्योंकि जब लड़कियां आगे बढ़ती हैं, तो देश आगे बढ़ता है।

परीक्षा से पहले जलाई मार्कशीट और सेवा को चुना जीवन, विनायक से विनोबा भावे बनने की कहानी

नई दिल्ली । साल 1916 की एक दोपहर थी। एक छात्र विनायक इंटरमीडिएट की परीक्षा देने के लिए बॉम्बे (मुंबई) जा रहा था। ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए उसके मन में गहरा द्वंद्व था। अचानक उसने एक ऐसा कदम उठाया, जिसकी कल्पना कोई साधारण छात्र नहीं कर सकता था।

दरअसल 1916 में विनोबा भावे ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में महात्मा गांधी द्वारा दिए गए एक भाषण की रिपोर्ट अखबार में पढ़ी थी। इस भाषण ने उन्हें इतना प्रेरित किया कि उन्होंने अपनी औपचारिक शिक्षा छोड़ने का निर्णय ले लिया।

25 मार्च 1916 को, जब वे अपनी 'इंटरमीडिएट' परीक्षा देने के लिए मुंबई जा रहे थे, तब उन्होंने रास्ते में ही स्कूल के उन सभी प्रमाणपत्रों को आग के हवाले कर दिया जिन्हें लोग भविष्य की चाबी मानते थे। यह कोई गुस्से में उठाया गया कदम नहीं था, बल्कि एक 'ऋषि' के जन्म की पदचाप थी। उन्होंने परीक्षा में बैठने के बजाय बनारस जाकर संस्कृत का अध्ययन करने और बाद में गांधीजी से मिलने का फैसला किया।

इसके बाद वे 7 जून 1916 को अहमदाबाद के कोचरब आश्रम में गांधीजी से मिले और उनके शिष्य बन गए। वह विनायक ही आगे चलकर 'विनोबा' बना, जिसे महात्मा गांधी ने अपना आध्यात्मिक उत्तराधिकारी घोषित किया।

आज जब हम भारत के सामाजिक-राजनीतिक इतिहास को देखते हैं, तो वर्ष 1983 में 25 जनवरी को एक स्वर्णिम अध्याय की तरह चमकता है, जब इस महान तपस्वी को मरणोपरांत देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से नवाजा गया। विनायक नरहरि भावे का 'विनोबा' बनना उनके प्रखर आध्यात्मिक झुकाव, गृहत्याग, और गांधी के विचारों के प्रति समर्पण का परिणाम था। 1916 में गांधी से मिलने के बाद उनके सेवा भाव और सरलता से प्रभावित होकर, आश्रम के सदस्यों ने विनायक को सम्मानपूर्वक 'विनोबा' (एक आदरणीय पारंपरिक नाम) कहना शुरू कर दिया।

11 सितंबर 1895 को महाराष्ट्र के गागोदे गांव में जन्मे विनायक नरहरि भावे के व्यक्तित्व में गजब का विरोधाभास था। उनके पिता नरहरि शंभू राव एक आधुनिक और तर्कशील बुनकर थे, तो मां रुक्मिणी देवी भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा की प्रतिमूर्ति थीं। विनायक ने पिता से गणित की सूक्ष्मता और माता से उपनिषदों की गहराई सीखी।

सुबह उठते ही मुंह खट्टा या कड़वा होना देता है पेट से जुड़ी बीमारी का संकेत, जानें क्या है कारण

नई दिल्ली । सुबह की शुरुआत ताजगी से भरी होती है, क्योंकि रात भर शरीर खुद की मरम्मत करता है, लेकिन क्या हो अगर आप सुबह उठते ही मुंह में खट्टा या कड़वा स्वाद महसूस करें तो?

कई बार खट्टा या कड़वा स्वाद अंदरुनी बुखार का संकेत देता है, लेकिन अगर इस स्वाद का अनुभव रोज हो रहा है, तो ये संकेत हैं कि पेट में समस्या आ चुकी है। मुंह से जुड़ी हर परेशानी का कनेक्शन पेट से होता है। अगर पेट सही है, तो मुंह से जुड़े विकार कम हो जाते हैं।

मुंह के खट्टे या कड़वा स्वाद को आधुनिक चिकित्सा में पेट से जुड़ी गड़बड़ी से जोड़कर देखा गया है। पेट में बढ़ रहा अम्ल मुंह खट्टा या कड़वा होने के पीछे का मुख्य कारण है। इसे आधुनिक चिकित्सा में 'एसिड रिफ्लक्स' कहा जाता है, लेकिन आयुर्वेद इसे पित्त दोष की बीमारी मानता है। आयुर्वेद के अनुसार जब शरीर में पित्त की वृद्धि होती है, तब शरीर में अम्ल बढ़ने लगता है। इससे न सिर्फ पेट से जुड़ी बीमारियां होती है, बल्कि हड्डियों और जोड़ों में भी कमजोरी देखी जाती है।

मुंह के खट्टे या कड़वे स्वाद होने के पीछे कई कारण हैं, जिनमें देर रात खाना खाना, शराब और तंबाकू का सेवन करना, लिवर का सही तरीके से काम न करना, पाचन अग्नि का मंद पड़ जाना और पेट में एसिड का बढ़ जाना शामिल है। पेट में एसिड बढ़ने के पीछे गलत खान-पान और लंबे समय तक भूखा रहना भी शामिल है।

आयुर्वेद में इस परेशानी का भी हल छिपा है। आयुर्वेद में पेट से जुड़ी बीमारियों से निजात पाने के लिए त्रिफला चूर्ण का सेवन सबसे लाभकारी है। रात को गुनगुने पानी के साथ आधा चम्मच त्रिफला चूर्ण लें। यह सुबह पेट साफ रखेगा और पित्त को जड़ से शांत करेगा। रात के भोजन के समय में बदलाव के साथ पेट से अम्ल को कम किया जा सकता है। देर रात खाना खाने से बचें और सूरज ढलने के समय खाना खा लें। खाने के तुरंत बाद बिस्तर पर न लेटें, कुछ समय घूमें और बाईं करवट लेकर ही सोएं। विज्ञान मानता है कि बाईं करवट सोने से पेट का एसिड ऊपर नली में नहीं चढ़ता और दिल तक रक्त का प्रवाह भी अच्छा बना रहता है।

तांबे का पानी पेट के अम्ल को शांत करने का बेहतरीन उपाय है। इसकी तासीर ठंडी होती है, जो पेट के अम्ल को शांत करने में मदद करती है। इसके लिए रात को तांबे के बर्तन में पानी भरकर रख दें और सुबह पानी का सेवन करें। तांबे का पानी शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करेगा।

सौंफ और मिश्री का पानी या खाने के बाद उसका सेवन पाचन को सुधारने में मदद करता है और मुंह से आने वाली दुर्गंध से भी छुटकारा दिलाता है। इसके अलावा, अत्यधिक तनाव और चिंता से दूर रहें। स्ट्रेस में पेट में एसिड का उत्पादन सामान्य से तीन गुना ज्यादा बढ़ जाता है।

आयुर्वेद के 3 उपाय दूर करेंगे एनीमिया की परेशानी, रखना होगा कुछ विशेष बातों का ध्यान

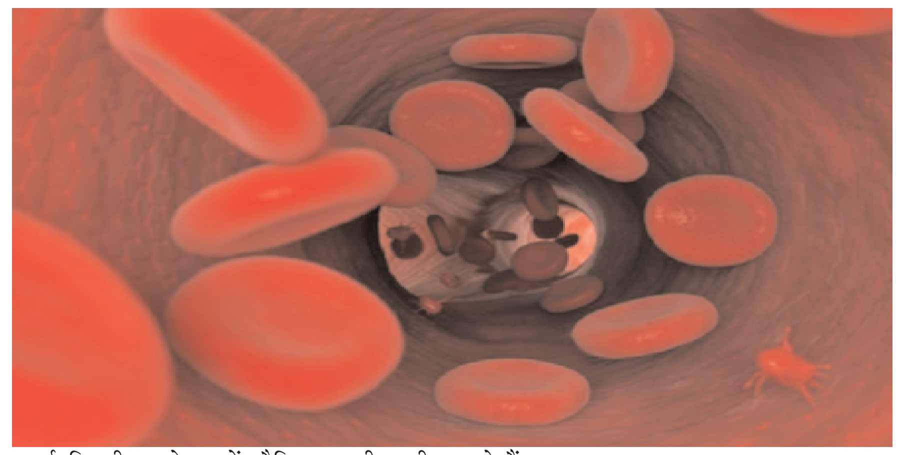

नई दिल्ली । भोजन में पौष्टिकता की कमी की वजह से बच्चों से लेकर महिलाओं में रक्त की कमी साधारण समस्या बन चुकी है।

सिर दर्द, चक्कर आना और कमजोरी महसूस होने पर डॉक्टर आयरन की दवा देते हैं, जिससे शरीर में रक्त की मात्रा को बढ़ाया जा सके, लेकिन कई बार दवा लेने के बाद भी शरीर एनीमिया की कमी से जूझने लगता है और कई बीमारियां घेर लेती हैं। आज हम आपको आयुर्वेद के उन तीन नियमों के बारे में बताएंगे, जिन्हें सात दिन करने से शरीर में बदलाव देखने को मिल जाएंगे। पहला उपाय है आयुर्वेदिक पंचामृत। इस उपाय में आयुर्वेद ने कुछ ऐसी घरेलू चीजों के सेवन की सलाह दी है जो रसोईघर में ही मौजूद हैं और जिनके फायदों के बारे में कम ही लोग जानते हैं। रक्त की कमी होने पर 2 मुनक्का और 2 अंजीर को रात में भिगोकर सुबह सेवन करना चाहिए, लौह भस्म और शहद को मिलाकर चाटना चाहिए, सुबह खाली पेट सफेद पेठे और आंवला का रस पीना चाहिए, तिल और गुड़ का भरपूर मात्रा में सेवन करना चाहिए और रात के समय गुनगुने पानी के साथ त्रिफला चूर्ण का सेवन करना चाहिए। ये सभी उपाय प्रभावी तरीके से काम करते हैं।

दूसरा उपाय है आहार तालिका, यानी भोजन में ऐसा क्या शामिल करें जो शरीर में रक्त को बढ़ाने में मदद करे। इसके लिए भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां, सहजन की पत्ती और डंडी, और चुकंदर शामिल कर सकते हैं। फलों में अनार, अंगूर, सेब और खजूर का सेवन कर सकते हैं। अपने भोजन में दिन के समय छाछ जरूर शामिल करें। ये पेट को साफ रखने से लेकर शरीर में रक्त की मात्रा को बढ़ाने में सपोर्ट करती है।

अब ये भी जानना जरूरी है कि किन चीजों के सेवन से बचना है। ज्यादा मात्रा में हरी मिर्च, बैंगन, ज्यादा खट्टे फल, पैक्ड खाना या पेय पदार्थों से परहेज करना जरूरी है।

तीसरा उपाय है रक्त के शोधन और निर्माण में सहायता करने वाले कुछ तरीके, जैसे लोहे के बर्तन में खाना बनाना। शरीर में रक्त की मात्रा को बढ़ाने के लिए आयरन का होना बहुत जरूरी है। दूसरा तरीका है सूर्य स्नान। सर्दी हो या गर्मी, सुबह की हल्की धूप शरीर के लिए बहुत जरूरी होती है। सुबह की धूप शरीर में विटामिन डी का स्तर बढ़ाती है, जो लाल रक्त कोशिकाओं को मजबूती देता है।

नागालैंड में ड्रोन आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के लिए समझौता, दुर्गम इलाकों तक पहुंचेगी मेडिकल मदद

कोहिमा । नागालैंड में स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। राज्य में ड्रोन तकनीक के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार को कोहिमा में योजना एवं परिवर्तन विभाग के अंतर्गत नागालैंड जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनजीआईएसआरएससी) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के बीच यह एमओए साइन हुआ। इसके तहत राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में ड्रोन तकनीक को शामिल किया जाएगा।

अधिकारी के अनुसार, यह सहयोग नागालैंड के दुर्गम और पहाड़ी इलाकों, दूरदराज क्षेत्रों तथा सीमित पहुंच जैसी चुनौतियों से निपटने में मदद करेगा। ड्रोन के जरिए आपातकालीन मेडिकल सप्लाई

पहुंचाई जाएगी, साथ ही बीमारी फैलने की स्थिति और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया संभव हो सकेगी।

ड्रोन तकनीक का उपयोग मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए वेक्टर कंट्रोल अभियानों में हवाई सहायता देने और जियोस्पेशियल मैपिंग के जरिए बेहतर योजना एवं निर्णय लेने में भी किया जाएगा। समझौते के तहत एनजीआईएसआरएससी ड्रोन संचालन, क्षमता निर्माण, डेटा विश्लेषण और सभी नियामक प्रावधानों के अनुपालन की जिम्मेदारी निभाएगा, जबकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग लॉजिस्टिक सहयोग, समन्वय और तैनाती की योजना तैयार करेगा। एनजीआईएसआरएससी के सीनियर प्रोजेक्ट डायरेक्टर म्हाथुंग किथान ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में उभरती तकनीकों को शामिल करना बेहद जरूरी है और ड्रोन तकनीक अपनाने से पहाड़ी राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होगा। वहीं, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की प्रधान निदेशक मेरेनिनला सेनलेम ने कहा कि यह सहयोग आपात स्थितियों और आपदाओं के दौरान राज्य की तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करेगा। उन्होंने बताया कि आपात स्वास्थ्य अभियानों और आपदा के समय आवश्यक मेडिकल सामग्री की समय पर आपूर्ति में यह पहल अहम भूमिका निभाएगी।

अदाणी इलेक्ट्रिसिटी को फिर मिली ए+ नेशनल रैंकिंग, विद्युत आपूर्ति में बनी देश की अग्रणी कंपनी

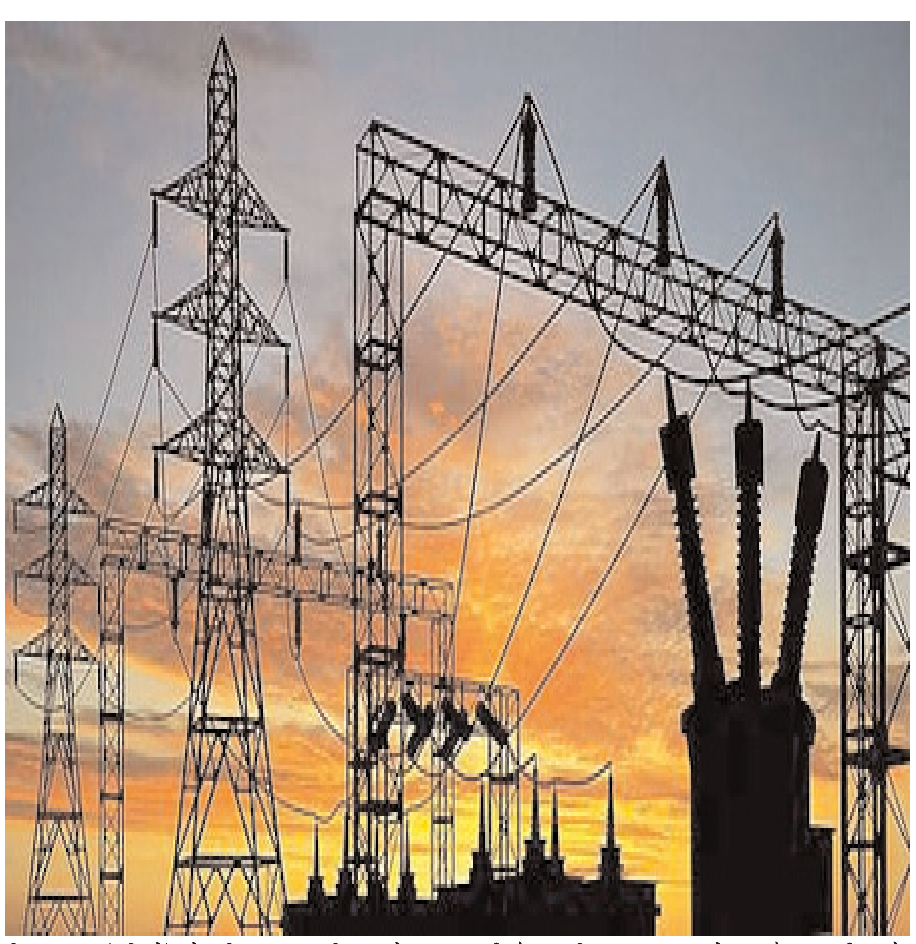

अहमदाबाद । अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने एक बार फिर विद्युत वितरण कंपनियों की नेशनल रैंकिंग में ए+ रैंकिंग हासिल की है। यह रैंकिंग पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन द्वारा जारी की गई '14वीं वार्षिक रेटिंग और रैंकिंग' रिपोर्ट में दी गई है।

लगातार दूसरी बार शीर्ष स्थान मिलने से यह साफ होता है कि अदाणी इलेक्ट्रिसिटी बिना रुकावट विद्युत आपूर्ति, कम बिजली नुकसान और मजबूत वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है।

इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने कहा कि यह शीर्ष रैंकिंग मुंबई के लोगों के भरोसे को दर्शाती है। कंपनी ने बताया कि वह बीते 100 वर्षों से मुंबई की सेव

कंपनी ने कहा कि वह हर दिन घरों, अस्पतालों और जरूरी सेवाओं को बिना शोर-शराबे के लगातार और भरोसेमंद तरीके से बिजली पहुंचा रही है।

अदाणी ग्रुप की कंपनी ने कहा, 'लगातार एक और साल शीर्ष स्थान प्राप्त करना मायने रखता है क्योंकि यह मुंबई वासियों के शहर की और देश की अग्रणी विद्युत कंपनी पर हर दिन रखे जाने वाले भरोसे को दर्शाता है।

कंपनी ने आगे कहा कि मुंबई की सेवा के 100 साल पूरे होने पर हम शहर के साथ-साथ आगे बढ़ रहे हैं।

यह रेटिंग राष्ट्रीय स्तर पर बिजली वितरण क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। वित्त वर्ष 2025 में देशभर की बिजली वितरण कंपनियों ने मिलकर 2,701 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया है। यह पहला मौका है जब यह सेक्टर कागजी हिसाब-किताब के आधार पर मुनाफे में आया है।

यह स्थिति वित्त वर्ष 2024 के 27,022 करोड़ रुपए के नुकसान के मुकाबले बड़ा सुधार है और इसका कारण सुधारों का असर, बेहतर वित्तीय अनुशासन और तकनीक के बेहतर इस्तेमाल को माना जा रहा है।

अदाणी इलेक्ट्रिसिटी की बिलिंग दक्षता लगातार 95 प्रतिशत से ज्यादा रही है, जबकि बिल वसूली लगभग 100 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अदाणी इलेक्ट्रिसिटी का वित्तीय प्रबंधन बहुत मजबूत है और भुगतान वसूली के मामले में इसका प्रदर्शन देश में सबसे बेहतर है।

रिपोर्ट के अनुसार, अदाणी इलेक्ट्रिसिटी की सबसे बड़ी खासियत इसका लगातार एक जैसा अच्छा प्रदर्शन है। यह सफलता किसी एक समय के फायदे की नहीं, बल्कि मजबूत व्यवस्था, डेटा और तकनीक के बेहतर इस्तेमाल और बेहतर सेवा का नतीजा है।

इसी वजह से अदाणी इलेक्ट्रिसिटी महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि पूरे देश में शहरी बिजली वितरण के लिए एक मिसाल बन गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि डेटा आधारित काम, स्मार्ट मीटर और एनालिटिक्स अब बिजली कंपनियों की कार्यक्षमता बढ़ाने, नुकसान घटाने और वित्तीय स्थिति मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

पीरियड्स की ऐंठन, सूजन और दर्द अब नहीं करेंगे परेशान, इन योगासनों से दूर होगी तकलीफ

नई दिल्ली, 24 जनवरी (आईएएनएस)। नेशनल गर्ल चाइल्ड डे कैलेंडर का वह अहम दिन है, जो बेटियों की हिम्मत, ताकत और जज्बे को सम्मान देता है। यह दिन बेटियों के महत्व को रेखांकित करता है। लड़कियों को जीवन के कई पड़ावों पर शारीरिक और मानसिक चुनौतियों से गुजरना पड़ता है। इन्हीं में से एक चुनौती पीरियड्स के दौरान होने वाला असहनीय दर्द भी है, जो अक्सर उनके दैनिक जीवन को प्रभावित करता है। ऐसे समय में राहत और सुकून देने में योगासन एक प्रभावी और प्राकृतिक उपाय के रूप में सामने आते हैं।

लड़कियों के लिए पीरियड्स के दौरान दर्द, ऐंठन, सूजन और मूड स्विंग्स जैसी समस्याएं आम हैं, जो उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करती हैं। योग एक्सपर्ट का मानना है कि नियमित योगासन इन समस्याओं से काफी राहत दिला सकते हैं। योग से शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जो प्राकृतिक दर्द निवारक का काम करता है। इससे दर्द कम होता है, मूड बेहतर बनता है और थकान भी घटती है।

कई ऐसे हल्के और आरामदायक योगासन हैं, जिनका अभ्यास पीरियड्स के दौरान भी सुरक्षित तरीके से किया जा सकता है। इससे पेल्विक क्षेत्र में रक्त संचार बेहतर होता है, मांसपेशियां रिलेक्स होती हैं जिससे ऐंठन में कमी आती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि तेजी से किए जाने वाले व्यायाम से बचें और केवल हल्के योगासन चुनें। नियमित अभ्यास से पीरियड्स की तकलीफें कम हो सकती हैं और सेहतमंद के साथ ही उन दिनों में एनर्जी भी मिलती है।

बालासन या चाइल्ड पोज :- यह आसन पीरियड्स के दौरान बहुत राहत देता है। घुटनों के बल बैठकर आगे झुकें, माथा जमीन पर टिकाएं और हाथ आगे फैलाएं। इससे कमर और पेट की मांसपेशियां आराम पाती हैं, दर्द और ऐंठन कम होती है। 1-2 मिनट तक इस मुद्रा में रहें। यह सूजन को भी घटाता है और मन को शांत करता है।

सुप्त बद्ध कोणासन या रिलाइनिंग बटरफ्लाई पोज :- पीठ के बल लेटकर पैरों के तलवे आपस में जोड़ें और घुटनों को बाहर की ओर खोलें। हाथों से सहारा लें। इससे पेल्विक क्षेत्र में रक्त प्रवाह बढ़ाता है और ऐंठन के साथ ही सूजन से राहत देता है। इसका अभ्यास 5 से 10 मिनट तक करें।

अपानासन :- पीठ के बल लेटकर दोनों घुटनों को छाती से लगाएं और हाथों से उन्हें पकड़ें। धीरे-धीरे हिलाएं। यह पेट की ऐंठन को शांत करता है, गैस और सूजन कम कर दर्द में तुरंत राहत देता है।

मार्जरीआसन-बितिलासन या कैट-काउ पोज :- चारों हाथ-पैरों पर आकर पीठ को ऊपर-नीचे करें। सांस के साथ तालमेल बनाएं। यह रीढ़ को लचीला बनाता है, कमर के दर्द को कम करता है और पूरे शरीर में एंडोर्फिन बढ़ाता है। पीरियड्स में मूड स्विंग्स भी नियंत्रित होते हैं।

सुप्त मत्स्येंद्रासन :- इसके अभ्यास के लिए पीठ के बल लेटकर एक घुटने को दूसरी तरफ मोड़ें और विपरीत हाथ से दबाएं। यह पेट की मरोड़ को दूर करता है, सूजन घटाता है और दर्द से राहत देता है। दोनों तरफ 30-60 सेकंड करना चाहिए।

योगासन को दिनचर्या में शामिल कर पीरियड्स की समस्याओं पर नियंत्रण संभव है। हालांकि, इस बात का विशेष ख्याल रखें कि शरीर या पेट पर दबाव न पड़े और दर्द, सूजन ज्यादा होने पर डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

आरबीआई ने यूपीआई को पब्लिक गुड बनाकर आम आदमी का भरोसा जीताः नारायण मूर्ति

नई दिल्ली । इंफोसिस के संस्थापक एन.आर. नारायण मूर्ति ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एक उत्प्रेरक, उदार, दूरदर्शी और सदैव सक्षम बनाने वाली संस्था रहा है। आरबीआई ने यूपीआई को एक सार्वजनिक उपयोग की सुविधा (पब्लिक गुड) के रूप में विकसित किया है, जिससे यह आम लोगों के लिए सस्ता, सुलभ और भरोसेमंद बन सका है।

उन्होंने कहा कि यूपीआई को कम लागत वाला और सभी के लिए आसानी से उपलब्ध बनाकर आरबीआई ने आम नागरिकों का भरोसा जीता है और डिजिटल भुगतान प्रणाली को देश के हर वर्ग तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।

बेंगलुरु में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि जब देश में ऐसे नेता होते हैं जिनके लक्ष्य बड़े होते हैं और जिनकी नीयत साफ होती है, तो वे देश को बदलने की ताकत रखते हैं। नारायण मूर्ति ने कहा कि यदि आप मजबूत मूल्यों वाला संगठन बनाना चाहते हैं और हर कर्मचारी के सम्मान की रक्षा करना चाहते है, तो एक नेता के रूप में आपको कथनी और करनी में समानता रखनी होगी।

उन्होंने कहा कि मूल्य भाषणों से नहीं, बल्कि कार्यों से बनते हैं। सही मूल्य, अनुशासन, मजबूत नेतृत्व और संवेदनशील पूंजीवाद समाज और राष्ट्र को आगे बढ़ाता है।

आईआईएम बेंगलुरु के सेंटर फॉर डिजिटल पब्लिक गुड्स में हुई बातचीत के दौरान उन्होंने भारत में डिजिटल भुगतान में आए बदलाव के पीछे मौजूद मूल्यों, शासन व्यवस्था और संस्थागत फैसलों पर अपनी सोच साझा की।

उन्होंने कहा कि तकनीक जल्दी पुरानी हो जाती है, इसलिए समय के साथ इसे समझना और सुधारना जरूरी है। नारायण मूर्ति ने कहा कि अब तक भारत में संस्थाओं के विकास को लेकर लिखित दस्तावेज कम बनाए गए, जबकि संगठन कैसे बने, किन मुश्किलों का सामना करना पड़ा, नेताओं की कमियां, टीम में काम करने की जटिलता और नई तकनीक पर काम करने के अनुभव जैसे तथ्य बेहद जरूरी होते हैं। उन्होंने बताया कि यह सारी जानकारी संस्थागत यादों का हिस्सा बनती है और इसी पर भारत की प्रगति की नींव टिकेगी। मूर्ति ने कहा कि सबसे बड़ा सबक यह है कि कोड को सार्वजनिक और कम लागत वाला बनाया जाए। इससे एकाधिकार नहीं बनता और नई सोच व नवाचार को बढ़ावा मिलता है।

उन्होंने कहा कि मजबूत आधार के साथ नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले नेताओं की जरूरत होती है।

नारायण मूर्ति ने छात्रों से कहा कि नेताओं को सादा जीवन जीना चाहिए और दिखावे से बचना चाहिए। उन्होंने कहा, 'आप भविष्य के नेता हैं और संवेदनशील पूंजीवाद के संदेशवाहक हैं, जो समाज और देश को आगे ले जाएंगे। इससे उद्यमिता को भी बढ़ावा मिलेगा।

बीसीबी देश में क्रिकेट की स्थिरता सुनिश्चित करे: नजमुल हुसैन शांतो

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से देश में क्रिकेट की निरंतरता और स्थिरता सुनिश्चित करने की सार्वजनिक अपील की है। शांतो का बयान ऐसे समय आया है, जब आगामी टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की भागीदारी पर संशय बना हुआ है।

बीपीएल के एक मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में शांतो ने कहा, 'एक खिलाड़ी के तौर पर, पिछले एक-दो साल में मैदान के बाहर के माहौल ने क्रिकेट को बहुत नुकसान पहुंचाया है। जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों से मेरी अपील है कि वे एक साथ आएं, समाधान निकालें, और यह सुनिश्चित करें कि क्रिकेट चलता रहे। बेहतर प्रशासन और स्पष्ट योजना के बिना अनिश्चितता बढ़ती रहेगी, जिसका असर खिलाड़ियों और खेल दोनों पर पड़ेगा।

शांतो ने यह भी कहा कि यदि बांग्लादेश विश्व कप में हिस्सा नहीं ले पाता है, तो बीसीबी को खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए एक मजबूत, सुव्यवस्थित घरेलू प्रतियोगिता का आयोजन करना चाहिए, ताकि खिलाड़ियों को निरंतर प्रतिस्पर्धा मिलती रहे। उन्होंने ढाका सहित घरेलू क्रिकेट के आयोजन में सुधार की मांग करते हुए कहा कि पिछले संस्करणों की तुलना में टूर्नामेंट को बेहतर और अधिक सुचारु ढंग से आयोजित किया जाना चाहिए।

ऑन-फील्ड और ऑफ-फील्ड मुद्दों को अलग रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए शांतो ने चेतावनी दी कि प्रशासनिक टकराव बांग्लादेश क्रिकेट की प्रगति, प्रतिस्पर्धात्मकता और भविष्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। मौजूदा स्थिति में उनकी अपील क्रिकेट समुदाय की उस साझा चिंता को दर्शाती है जो खेल की रफ्तार बनाए रखने के लिए जिम्मेदार नेतृत्व की मांग कर रही है।बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी20 विश्व कप 2026 के मैच भारत से हटाकर श्रीलंका शिफ्ट किए जाने के अनुरोध को आईसीसी द्वारा न माने जाने पर विश्व कप का बहिष्कार किया है। बांग्लादेश के विश्व कप से बहिष्कार के बाद आईसीसी स्कॉटलैंड को उसकी जगह मौका दे सकता है। इसके अलावा आईसीसी बांग्लादेश के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई भी कर सकता है।

ईशान किशन के पास बड़ा शतक बनाने का मौका था: साइमन डूल

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा टी20 रायपुर में शुक्रवार को खेला गया। इस मैच में ईशान किशन ने अपनी विस्फोटक पारी से फैंस को रोमांचित किया। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी और कमेंटेटर साइमन डूल ने कहा है कि ईशान के पास बड़ा शतक बनाने का मौका था, लेकिन वह चूक गए।

जियोस्टार पर साइमन डूल ने कहा, 'ईशान ने बहुत अच्छा खेला। वह बड़ा शतक बना सकते थे। हम उनकी काबिलियत जानते हैं। उनमें बहुत ताकत है। उसके पास मैदान के चारों ओर शॉट हैं। वह बहुत तेजी से रन बनाते हैं और वनडे में दोहरा शतक बना चुके हैं।

उन्होंने कहा, 'अभिषेक और संजू के जल्दी आउट होने से भारत को अच्छी शुरुआत नहीं मिली थी, लेकिन यहां से ईशान किशन ने सूर्यकुमार यादव के साथ मिलकर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और न्यूजीलैंड पर दबाव बनाया। ईशान के आक्रामक खेल ने ही सूर्यकुमार यादव को जमने का मौका दिया और भारत ने न्यूजीलैंड से मैच अपने पाले में मोड़ दिया। साइमन डूल ने कहा, 'ईशान के कुछ शॉट शानदार थे। ईश सोढ़ी की गेंद पर, जब वह विकेट के नीचे गए और फिर गेंद को मिड-विकेट के ऊपर से पुल किया, वह एक बेहतरीन शॉट था। मैच के हालात चाहें जो रहे, भारत ने हर वक्त तेजी से रन बनाए जिससे बड़ी सफलता मिली।

ईशान लंबे समय बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं। तिलक वर्मा की इंजरी की वजह से उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह मिली। उन पर बड़ी पारी खेलने और टीम में अपनी जगह बनाए रखने का दबाव था। नागपुर में खेले गए पहले टी20 में ईशान किशन फ्लॉप रहे थे, लेकिन रायपुर में वह नहीं चूके। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे ईशान ने 32 गेंद पर 4 छक्कों और 11 चौकों की मदद से 76 रन की पारी खेली। किशन भारतीय पारी के 10वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हुए। ईशान किशन का विकेट जिस समय गिरा, उस समय भारत को जीत के लिए 81 रन की जरूरत थी, जबकि किशन को शतक के लिए 24 रन और बनाने थे। किशन ने थोड़ा संयम दिखाया होता तो निश्चित रूप से अपना पहला टी20 शतक पूरा कर सकते थे।

न्यूजीलैंड के दिए 209 रन के लक्ष्य को भारत ने 15.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। ईशान के अलावा कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 37 गेंद पर नाबाद 82 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे 18 गेंद पर 36 रन बनाकर नाबाद रहे। ईशान को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत की अनाहत सिंह ने दूसरे दौर में जगह बनाई, पुरुष वर्ग में अभय सिंह की हार

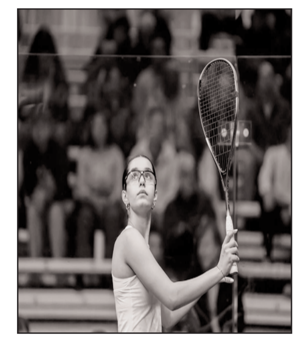

न्यूयॉर्क। पीएसए प्लैटिनम इवेंट, स्प्रॉट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस में भारत की अनाहत सिंह ने इंग्लैंड की लूसी टुरमेल को 11-3, 11-6, 9-11, 13-11 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बना ली है। उनकी जीत में दमदार बेसलाइन गेम और निर्णायक फोरहैंड शॉट्स का बड़ा योगदान रहा। अनाहत का अगला मुकाबला जापान की छठी सीड सतोमी वतनबे से होगा।

अनाहत के इस प्रदर्शन ने उनकी लगातार मेहनत और अनुभव को दर्शाया। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में बर्मिंघम यूनिवर्सिटी में हुए ब्रिटिश जूनियर ओपन में महिलाओं के अंडर-19 फाइनल में शानदार खेल दिखाया था। फ्रांस की दूसरी सीड लॉरेन बाल्टायान से उन्हें केवल 9-11, 11-7, 3-11, 9-11 से हार मिली थी, जो उनके नौवें बीजेओ फाइनल में था। सेमीफाइनल में उन्होंने मिस्र की मलिका एल कराक्सी को सिर्फ 28 मिनट में हराया था।

दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने 2025 में पीएसए टूर में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन टूर के अपने दूसरे सीजन में विश्व रैंकिंग 28 तक पहुंचकर टॉप-20 खिलाड़ियों को चुनौती दी। हाल ही में चेन्नई में इंडियन स्क्वैश अकादमी में एचसीएल स्क्वैश इंडियन टूर 4 के फाइनल में उन्होंने पूर्व विश्व नंबर 10 जोशना चिनप्पा को पांच सेट के रोमांचक मैच में हराया। इसी तरह, इंदौर में डेली कॉलेज एसआरएफआई इंडियन ओपन में उन्होंने 13वां पीएसए खिताब जीता था। पुरुष वर्ग में भारत के अभय सिंह को शुरुआती राउंड में हार का सामना करना पड़ा। विश्व नंबर 29 अभय को स्पेन के इकर पजारेस ने 4-11, 11-4, 7-11, 11-3, 3-11 से हराया। अभय पहले से ही इंडियन स्क्वैश के इतिहास में अहम भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने हाल ही में भारत को पहला स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने में मदद की थी, जहां टीम ने मिश्रित टीम वर्ल्ड कप के फाइनल में शानदार खेल दिखाया था। अनाहत सिंह ने व्यक्तिगत प्रदर्शन और अनुभव का लाभ उठाते हुए न्यूयॉर्क में अपने लिए एक महत्वपूर्ण जीत दर्ज की, जबकि अभय सिंह ने प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया लेकिन हार का सामना किया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस: जब पीएम मोदी से मुलाकात ने ताइक्वांडो खिलाड़ी तारुषी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर भारत यह संदेश दोहराता है कि बेटियों का सशक्तीकरण ही देश की मजबूती की नींव है। यही विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और शासन की सोच का आधार रहा है। उनकी यह सोच राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और सामाजिक दृष्टिकोण को नई दिशा देती रही है।

इस सोच का प्रभाव चंडीगढ़ की युवा तारुषी गौड़ जैसी बेटियों के जीवन में भी साफ दिखाई देता है। मात्र चार वर्ष की उम्र में ताइक्वांडो की शुरुआत करने वाली तारुषी की यात्रा अनुशासन, दृढ़ संकल्प और समर्पण की मिसाल है।

'मोदी आर्काइव' की तरफ से 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर जारी वीडियो में तारुषी गौड़ बताती हैं कि बीते वर्षों में उन्होंने नेशनल स्कूल गेम्स, फेडरेशन प्रतियोगिताओं और सीबीएसई नेशनल स्तर पर कई पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही वे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की धारक भी बनीं। वर्ष 2022 में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर ही उन्हें प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय बाल शक्ति पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अपने अनुभव साझा करते हुए तारुषी कहती हैं कि प्रधानमंत्री होने के बावजूद उनका स्वभाव बेहद सरल है। वे बच्चों से आत्मीयता से बात करते हैं और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। तारुषी ने कहा, 'वे प्रधानमंत्री हैं, फिर भी वो कितने डाउन टू अर्थ हैं। वे बच्चों के साथ खुश होकर बात करते हैं। उन्होंने मुझे प्रेरित किया कि कैसे मैं और परिश्रम कर सकती हूं। उन्होंने कहा कि अभी रुकना नहीं है। हमें और आगे मेहनत करते जाना है। अवॉर्ड से बढ़कर, वह बातचीत थी जिसने एक गहरा असर छोड़ा। प्रधानमंत्री की गर्मजोशी और सादगी ने युवा पुरस्कार विजेताओं को सहज महसूस कराया और उनमें आत्मविश्वास जगाया। कई लड़कियां जो शुरू में घबराई हुई थीं, उन्हें उनके शब्दों से हिम्मत मिली।

तारुषी ने बताया कि मेरे साथ कार्यक्रम में और भी गर्ल अवॉर्डी थीं। कुछ बच्चियां डर रही थीं कि प्रधानमंत्री से कैसे बात करनी है, लेकिन पीएम मोदी की आभा ने हम सभी को सहज कर दिया। फिर सभी ने उनके साथ खुलकर अच्छे से बातें कीं। 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' और 'कन्या केलवणी' जैसी पहलों व शिक्षा, खेल, विज्ञान और इनोवेशन में लड़कियों को लगातार समर्थन देने से यह संदेश साफ है कि राष्ट्र निर्माण के लिए लड़कियों को सशक्त बनाना जरूरी है। लाइव टेलीकास्ट और स्कूलों में दिखाए गए इस समारोह ने अनगिनत युवा लड़कियों को प्रेरित किया, जिनमें से कई ने देखा कि वे भी क्या हासिल कर सकती हैं।

तारुषी गौड़ बताती हैं, 'जब हमें अवॉर्ड मिला था, तब उसका लाइव टेलीकास्ट दूरदर्शन और अन्य चैनलों पर हुआ था। इसकी वजह से बाकी स्कूलों की लड़कियों ने वह वीडियो देखा और प्रेरित हुईं कि कैसे वे भी कुछ कर सकती हैं और प्रधानमंत्री मोदी से मिलने का मौका मिल सकता है।

मोदी आर्काइव ने 'एक्स' पर लिखा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस सिर्फ एक उत्सव से कहीं ज्यादा है। यह बेटियों पर विश्वास करने, उनकी महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए समान अवसर देने की याद दिलाता है, क्योंकि जब लड़कियां आगे बढ़ती हैं, तो देश आगे बढ़ता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी गई है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई है। ऑस्ट्रेलिया के साथ एकमात्र टेस्ट पर्थ में 6 से 9 मार्च, 2026 तक खेला जाएगा।

प्रतीक रावल, जो चोट लगने से पहले भारत के वर्ल्ड कप जीतने वाले कैंपेन का हिस्सा थीं, उन्हें भी टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। विकेटकीपर जी कमलिनी ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गई हैं और चयनकर्ताओं ने उनकी जगह उमा छेत्री को भारत की टी20 और वनडे टीम में शामिल किया है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीमों के बीच अब तक 11 टेस्ट मैच खेले गए हैं। भारतीय टीम को एक मैच जीतने में सफलता मिली है। ऑस्ट्रेलिया ने 4 मैचों में जीत हासिल की है। 7 मैच ड्रॉ रहे हैं। दोनों देशों के बीच आखिरी बार 21 से 24 दिसंबर 2023 तक टेस्ट खेला गया था। इस मैच में भारतीय टीम विजयी रही थी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया में 3 टी20, 3 वनडे और 1 टेस्ट खेलना है। पहले टी20, फिर वनडे और अंत में टेस्ट सीरीज खेली जाएगी।

भारत महिला टेस्ट टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा, सायली सतघारे।

चयन समिति ने थाईलैंड में टी20 फॉर्मेट में होने वाले राइजिंग स्टार महिला एशिया कप के लिए इंडिया 'ए' टीम का भी चयन किया है। एसीसी राइजिंग स्टार एशिया कप टीम के लिए इंडिया ए टीम

हुमैरा काजी, वृंदा दिनेश, अनुष्का शर्मा, दीया यादव, तेजल हसाबनीस, नंदनी कश्यप (विकेटकीपर), ममता एम (विकेटकीपर), राधा यादव (कप्तान), सोनिया मेंढिया, मिन्नू मणि, तनुजा कंवर, प्रेमा रावत, सायमा ठाकर, जिन्तमणि कलिता, नंदनी शर्मा। दीया यादव और ममता एम को अभी फिटनेस टेस्ट पास करना है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: मुसेट्टी और अनिसिमोवा ने शानदार जीत के साथ चौथे राउंड में बनाई जगह

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन में सातवें दिन अमांडा अनिसिमोवा और लोरेंजो मुसेट्टी ने अपने-अपने तीसरे राउंड के मैच जीतकर चौथे राउंड में प्रवेश किया।

महिला वर्ग में अमेरिकी स्टार अमांडा अनिसिमोवा ने मार्गरेट कोर्ट एरिना में अपनी हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-1, 6-4 से हराकर लगातार दूसरे साल राउंड ऑफ 16 में जगह पक्की की। मुकाबला एक घंटे 11 मिनट तक चला। अनिसिमोवा ने मैच की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। शुरुआती गेम में ब्रेक पॉइंट बचाने के बाद उन्होंने स्टर्न्स की सर्विस दो बार तोड़ी और पहले सेट में 5-1 की बढ़त बना ली। पहला सेट उन्होंने बिना किसी परेशानी के अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी अनिसिमोवा का दबदबा बना रहा और वह 5-2 से आगे थीं। हालांकि, स्टर्न्स ने अंत में संघर्ष दिखाया और एक मैच पॉइंट बचाते हुए ब्रेक बैक कर स्कोर 5-4 कर दिया। इसके बावजूद अनिसिमोवा ने संयम बनाए रखा और तीसरे मैच पॉइंट पर शानदार फोरहैंड विनर लगाकर मुकाबला जीत लिया। भले ही उन्होंने ज्यादा अनफोर्स्ड एरर किए, लेकिन उनकी आक्रामकता निर्णायक साबित हुई। अब उनका सामना अगले दौर में लिंडा नोस्कोवा या वांग शिन्यु से होगा। पुरुष वर्ग में इटली के लोरेंजो मुसेट्टी ने जॉन केन एरिना में खेले गए पांच सेट के थ्रिलर में टॉमस माचैक को 2-6, 6-4, 6-2, 5-7, 6-2 से हराया। चार घंटे 27 मिनट तक चले इस मुकाबले में मुसेट्टी ने जबरदस्त धैर्य और फिटनेस का परिचय दिया। शुरुआती सेट गंवाने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और तीसरे सेट में बढ़त बना ली। हालांकि चौथे सेट में माचैक ने मैच बराबर कर दिया, लेकिन निर्णायक पांचवें सेट में मुसेट्टी ने दमदार सर्विस और तेज फोरहैंड विनर्स के दम पर जीत सुनिश्चित की।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: भीषण गर्मी के कारण आउटडोर मैच रोके गए

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन भीषण गर्मी के कारण प्रभावित है। तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के बाद शनिवार को आउटडोर कोर्ट पर होने वाले मुकाबलों को अस्थायी रूप से रोक दिया गया और मुख्य शोकोर्ट की छतें बंद कर दी गईं। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में अत्यधिक गर्मी से निपटने के लिए एक सख्त नीति लागू है, जिसमें चार प्रमुख कारकों—हवा का तापमान, रेडिएंट हीट, हवा की गति और आर्द्रता—का मूल्यांकन किया जाता है। जब ये सभी कारक मिलकर कंडीशन स्तर 5 तक पहुंच जाते हैं, तब खेल रोक दिया जाता है। इसी स्थिति के चलते शनिवार को कई मैचों को टालना पड़ा। दर्शकों को भी हाइड्रेटेड रहने, टोपी पहनने और स्टेडियम में लगाए गए मिस्टिंग फैन का उपयोग करने की सलाह दी गई।

गर्मी का असर मौजूदा पुरुष चैंपियन जैनिक सिनर के मैच में साफ दिखाई दिया। रॉड लेवर एरिना में खेले जा रहे मुकाबले के दौरान सिनर को ऐंठन और मूवमेंट में परेशानी होती दिखी। हीट स्ट्रेस इंडेक्स के अधिकतम स्तर पर पहुंचते ही उनका मैच आठ मिनट के लिए रोक दिया गया, ताकि बंद छत के नीचे खेल दोबारा शुरू होने से पहले उन्हें ठंडा होने का समय मिल सके।

मार्गरेट कोर्ट एरिना में वैलेन्टिन वचेरोट और बेन शेल्टन के बीच मुकाबला छत बंद होने के बाद शुरू हुआ। टूर्नामेंट रेफरी ने घोषणा की कि स्थानीय समयानुसार शाम 5:30 बजे तक कोई भी आउटडोर मैच नहीं खेला जाएगा। अत्यधिक गर्मी की आशंका को देखते हुए आयोजकों ने कुछ मुकाबलों को पहले शेड्यूल करने का फैसला भी किया।

महिला वर्ग में, डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज ने कठिन मौसम के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया और कैरोलिना प्लिसकोवा को हराया। जेसिका पेगुला और अमांडा अनिसिमोवा ने भी गर्म परिस्थितियों में अपने-अपने मैच जीते। इन खिलाड़ियों ने बताया कि गर्म मौसम में ट्रेनिंग करने का अनुभव ऐसे हालात में उनके काफी काम आता है।

जैक फाउल्केस ने बेन व्हीलर को छोड़ा पीछे, न्यूजीलैंड के लिए बनाया अनचाहा रिकॉर्ड

रायपुर। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रायपुर में शुक्रवार को दूसरा टी20 मुकाबला खेला गया। हाईस्कोरिंग मुकाबले में भारतीय टीम ने रिकॉर्ड रन चेज करते हुए 7 विकेट से जीत दर्ज कर सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। भारत की जीत के साथ ही ये मैच न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैक फाउल्केस के महंगे स्पेल के लिए भी जाना जाएगा। जैक फाउल्केस के नाम मैच के दौरान ऐसा रिकॉर्ड दर्ज हुआ जिसे वे जल्द भूलना चाहेंगे।

23 साल के जैक फाउल्केस को न्यूजीलैंड का उभरता हुआ प्रतिभाशाली तेज गेंदबाज माना जाता है, लेकिन शुक्रवार का दिन उनका नहीं था। ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव की जोड़ी ने इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज की ऐसी धुनाई की कि उनके नाम एक निराशाजनक रिकॉर्ड दर्ज हो गया। जैक फाउल्केस न्यूजीलैंड की तरफ से एक टी20 मैच में सबसे महंगा स्पेल करने वाले गेंदबाज बन गए हैं। बता दें, फाउल्केस ने सिर्फ 3 ओवर ही फेंके थे, उसके बावजूद उनका स्पेल न्यूजीलैंड की तरफ से सबसे महंगा टी20 स्पेल हो गया।

जैक फाउल्केस ने 3 ओवर में 67 रन दिए। भारतीय पारी का तीसरा ओवर उनके स्पेल का पहला ओवर था। इस ओवर में 1 नो बॉल और तीन वाइड सहित उन्होंने 24 रन लुटाए। इसके बाद वह भारतीय पारी का नौवां ओवर लेकर आए जो उनका दूसरा ओवर था। इस ओवर में 4 चौके और 1 छक्का सहित 25 रन बने। जैक फाउल्केस ने अपने शुरुआती 2 ओवर में 49 रन लुटा दिए। टी20 में अपने शुरुआती 2 ओवर में किसी भी गेंदबाज ने इतने रन नहीं लुटाए थे, लेकिन जैक फाउल्केस की दुर्गति यहीं नहीं रूकी। 14वें ओवर में वह अपना तीसरा ओवर लेकर आए। पिछले 2 ओवर से उनका यह ओवर किफायती था और इस ओवर में 2 चौके और 1 छक्का सहित 18 रन बने। कुल 3 ओवर में जैक फाउल्केस ने 67 रन लुटाए और टी20 में न्यूजीलैंड की तरफ से सबसे महंगा स्पेल फेंकने वाले गेंदबाज बन गए। साथ ही टी20 में 3 ओवर के स्पेल में सबसे ज्यादा रन लुटाने वाले गेंदबाज भी बन गए। फाउल्केस मैच में एक भी विकेट नहीं ले सके। पूर्व में न्यूजीलैंड की तरफ से सबसे महंगा स्पेल फेंकने का रिकॉर्ड बेन व्हीलर के नाम था। उन्होंने साल 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऑकलैंड में 3.1 ओवर में 64 रन दिए थे। मैच की बात करें तो टॉस गंवाने के बाद न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 208 रन बनाए थे। भारत ने 15.2 ओवर में 3 विकेट पर 209 रन बनाकर मैच 7 विकेट से जीत लिया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: कीज और पेगुला चौथे राउंड में, ऑल-अमेरिकन मुकाबले की तैयारी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन में अमेरिकी टेनिस खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिल रहा है। शनिवार को मैडिसन कीज और जेसिका पेगुला ने अपने-अपने तीसरे राउंड के मुकाबले सीधे सेटों में जीतकर चौथे राउंड में जगह बना ली। इसके साथ ही एक रोमांचक ऑल-यूएसए राउंड ऑफ 16 मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई। मैडिसन कीज ने पूर्व नंबर-1 कैरोलिन प्लिसकोवा के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 6-3, 6-3 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ मेलबर्न पार्क में उनका विजयी अभियान लगातार दस मैचों तक पहुंच गया है। खास बात यह रही कि ये सभी मुकाबले तीन घंटे से कम समय में समाप्त हुए, जो उनकी आक्रामक और प्रभावी खेल शैली को दर्शाता है।

तेज गर्मी के बावजूद कीज पूरी तरह सहज नजर आईं। मैच के दौरान तापमान 31 डिग्री सेल्सियस से ऊपर था, लेकिन उन्होंने इसे अपने लिए अनुकूल बताया। बेसलाइन से उनके दमदार शॉट्स और सटीक सर्विस ने प्लिसकोवा को वापसी का मौका नहीं दिया।

दूसरी ओर, छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने रूसी क्वालिफायर ओक्साना सेलेखमेतेवा को 6-3, 6-2 से हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। पेगुला ने अपने तेज मूवमेंट, आक्रामक खेल और लगातार सटीक शॉट-मेकिंग से पूरे मैच में नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने मुकाबले को जल्दी और निर्णायक अंदाज में खत्म कर दिया, जिससे उनकी बेहतरीन फॉर्म साफ झलकी। कीज और पेगुला के बीच अगला मुकाबला बेहद रोमांचक होने वाला है। कोर्ट के बाहर गहरे दोस्त ये दोनों खिलाड़ी पूर्व में कई बार आमने-सामने आ चुकी हैं। कीज की पावर और पेगुला की निरंतरता के बीच यह ऑल-अमेरिकन भिड़ंत ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे राउंड का सबसे बड़ा आकर्षण माना जा रहा है। क्वार्टर फाइनल में दोनों दोस्तों के बीच कोर्ट पर जोरदार संघर्ष देखने को मिल सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या सी-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव, मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com, पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं सपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा